डिजिटल लुटेरा : यूपीआई सुरक्षा को चकमा दे रहे साइबर ठग - 12

कच्चा तेल उछलने से फिसला बाजार सेंसेक्स 1,342 अंक टूटा 5.14 लाख करोड़ डूबे - 12

विपक्ष अब ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए देगा नोटिस - 13

टीम भावना ने पर्दे के पीछे निभाई अहम भूमिका : सूर्यकुमार - 14

आज का मौसम
34.0⁰ अधिकतम तापमान
18.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.26
सूर्यास्त 06.19

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

चैत्र कृष्ण पक्ष नवमी 06:29 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2083

गुरुवार, 12 मार्च 2026, वर्ष 7, अंक 106, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

एलपीजी सिलेंडर किल्लत की अफवाह फैलाने वालों की खैर नहीं : मुख्यमंत्री

लखनऊ में एजेंसी पर गैस की किल्लत से जूझते लोगों की लगी कतार।

- सीएम ने जिलाधिकारियों व पुलिस अफसरों को कार्रवाई के दिए निर्देश
- सिलेंडर की कालाबाजारी व कृत्रिम कमी दिखाने वालों पर भी शिकंजा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच उप्र में तेल व गैस की कमी को लेकर फैल रही अफवाहों पर मुख्यमंत्री योगी ने सख्त रुख अपनाया है। कहा कि गैस और तेल की कालाबाजारी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और अफवाह फैलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों और पुलिस प्रमुखों को निर्देश दिया है कि एलपीजी सिलेंडर, पेट्रोल या डीजल की कालाबाजारी करने या कृत्रिम कमी दिखाने वालों पर भी बेहद कड़ी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा करते हुए कहा कि आपदा की स्थिति में अवसर तलाशने वालों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि गैस और पेट्रोल-डीजल की कालाबाजारी, अवैध भंडारण या कृत्रिम कमी दिखाकर कीमत बढ़ाने की कोशिश करने वालों पर तत्काल कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद पुलिस मुख्यालय से लेकर जिला स्तर तक निगरानी तेज कर दी गई है। सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों पर नजर रखी जा रही है। जिलों की पुलिस को पेट्रोल पंपों के आसपास निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं।

सीएम की सख्ती के बाद कई जिलों में प्रशासनिक टीमें फील्ड पर उतर आई हैं। लखनऊ, नोएडा, कानपुर और प्रयागराज समेत कई शहरों में पेट्रोल पंपों, गैस गोदामों और वितरण केंद्रों पर निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है।

ऊर्जा संकट पर प्रधानमंत्री मोदी बोले- अफवाहों पर मत दें ध्यान

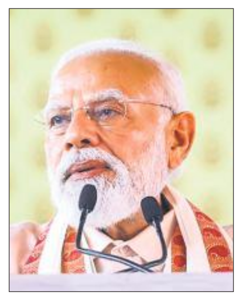

तमिलनाडु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को लोगों से अपील की कि वे पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण रसाई गैस आपूर्ति में आई बाधा के मद्देनजर अफवाहों पर ध्यान न दें और आग्रह किया कि केवल सत्यापित जानकारी ही प्रसारित की जाए। प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी देशभर में होटल उद्योग को प्रभावित करने वाली व्यावसायिक एलपीजी की कमी और इस मुद्दे पर विपक्ष की आलोचना के साथ-साथ आने वाले दिनों में पेट्रोल और डीजल की संभावित किल्लत या कीमतों में उछाल की आशंकाओं के बीच आई है। मोदी ने यहां राजग की एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए तमिलनाडु में द्रमुक शासन की भी आलोचना की और कहा कि लोग ऐसी सरकार चाहते हैं जो हर परिवार के लिए काम करे, न कि केवल एक परिवार के लिए। उन्होंने कहा, मैं लोगों से अपील करना चाहूंगा कि हम केवल सही और सत्यापित जानकारी ही फैलाएं। जाहिर तौर पर उनका इशारा खाड़ी क्षेत्र को प्रभावित करने वाले अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष के कारण आपूर्ति में व्यवधान से उत्पन्न एलपीजी संकट की ओर था।

प्रशासन ने शुरू किया सख्त निरीक्षण

- जिलों में पेट्रोल पंप और गैस गोदामों का औचक निरीक्षण
- कालाबाजारी और अवैध भंडारण की जांच
- सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर निगरानी
- घरेलू सिलेंडर के कमर्शियल इस्तेमाल पर कार्रवाई

गैस कंपनियों के हेल्पलाइन नंबर

- भारत गैस : 1800-22-4344
- इंडेन गैस : 1800-2333-555
- एचपी गैस : 1800-2333-555

(उपभोक्ता डीलर द्वारा गैस न देने या शिकायत होने पर इन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं।)

ब्रीफ न्यूज

गेन बिटकॉइन घोटाला मामले में आयुष वार्ष्णेय को किया गया गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने 20,000 करोड़ रुपये के गेन बिटकॉइन मुद्रा घोटाले के मुख्य आरोपियों में शामिल एवं डार्विन लैब्स के सह-संस्थापक आयुष वार्ष्णेय को गिरफ्तार कर लिया है। सीबीआई ने वार्ष्णेय के खिलाफ 'लुकआउट सर्कुलर' जारी किया था। वार्ष्णेय को सोमवार को देश से भागने की कोशिश करते समय मुंबई हवाई अड्डे से हिरासत में लिया गया। उसे मंगलवार को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। सीबीआई के अनुसार, डार्विन लैब्स ने उस डिजिटल बुनियादी ढांचे को डिजाइन और विकसित किया था जो कथित फर्जी उद्यम गेन बिटकॉइन के परिचालन की रीढ़ था।

जयशंकर और लावरोव ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा की

मॉस्को। भारत और रूस के विदेश मंत्रियों, क्रमशः एस. जयशंकर एवं सर्गेई लावरोव ने बुधवार को टेलीफोन पर बातचीत की और पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। रूस के विदेश मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा, दोनों मंत्रियों ने ईरान को लेकर स्थिति पर अपने विचार साझा किए और इसे शीघ्र ही स्थिति सामान्य होने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने स्थिति को शांत करने और सभी पक्षों के वैध हितों के संतुलन पर आधारित स्थायी समाधान प्राप्त करने की परिस्थितियों के निर्माण में एससीओ और ब्रिक्स की भूमिका का समर्थन करने पर भी जोर दिया।

टेलीग्राम को 3,100 से अधिक चैनल निष्क्रिय करने के निर्देश

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को त्वरित संदेश मंच टेलीग्राम को कॉपीराइट कानून का उल्लंघन करने वाले 3,100 से अधिक चैनल को तीन घंटे के भीतर निष्क्रिय करने का निर्देश दिया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने यह पाया था कि इन चैनल पर कुछ सामग्री मालिकों, ओटीटी मंचों और निर्माताओं के स्वामित्व वाले या उनके लाइसेंस-प्राप्त कार्यक्रमों को बिना कानूनी अनुमति के साझा और वितरित की जा रही थीं।

ईरान का बड़ा वार, होर्मुज में समुद्री पोतों व खाड़ी में हवाई अड्डे, तेल क्षेत्र पर दागे ड्रोन

ट्रंप बोले- ईरान से जंग जल्द खत्म होगी, हमने सब तबाह कर दिया, हमले के लिए कुछ नहीं बचा

दुबई, एजेंसी

ईरान ने वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट बढ़ने और तेल-समृद्ध क्षेत्र पर दबाव बनाने के अपने अभियान को तेज करते हुए फारस की खाड़ी में वाणिज्यिक जहाजों पर हमला किया व दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को निशाना बनाने के साथ खाड़ी देशों के तेल क्षेत्र को निशाना बनाया। ईरान के दो ड्रोन दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास गिरे। इस हमले में चार लोग घायल हुए हालांकि उड़ान परिचालन जारी रहा। इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ जंग बेहतरीन चल रही है और यह जंग जल्द खत्म होगी क्योंकि हमने सब तबाह कर दिया है। अब वहां हमला करने के लिए कुछ भी नहीं बचा है।

ईरान के संयुक्त सैन्य कमान ने पश्चिम एशिया में बैंकों और वित्तीय संस्थानों को निशाना बनाने की कवायद शुरू करने की घोषणा की। इससे विशेष रूप से दुबई, सऊदी अरब और बहरीन द्वीप समूह खतरे में पड़ सकते हैं। ईरान ने इजराइल पर सबसे बड़ा हमला कर अमेरिकी ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। साथ ही धमकी दी है कि वह अमेरिकी टेक कंपनियों के दफ्तरों और डेटा सेंटर्स को भी निशाना बनाएगा।

होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री पोत में लगी आग।

- भारत आ रहे थाई पोत पर हमला, ओमान की नौसेना ने 20 क्रू मेंबर का रेस्क्यू किया, 3 लापता
- ईरान ने इजराइल पर किए बड़े हमले, अमेरिकी ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं
- ईरान इजराइल में स्थित अमेरिकी टेक कंपनियों के दफ्तरों और डेटा सेंटर्स को भी बना सकता है निशाना

चीन बोला- हम खाड़ी देशों पर हो रहे हमलों से सहमत नहीं

चीन ने कहा है कि वह खाड़ी देशों पर हो रहे हमलों से सहमत नहीं है। ऐसे हमलों में आम लोगों और गैर-सैन्य जगहों को नुकसान पहुंच रहा है, जो ठीक नहीं है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बात कही। उन्होंने कहा कि नागरिकों और जरूरी इमारतों को निशाना बनाना गलत है और इससे इलाके में तनाव और बढ़ सकता है। हालांकि चीन ने अपने बयान में किसी देश का नाम नहीं लिया।

इससे पहले, होर्मुज जलडमरूमध्य में ओमान के तट पर थाइलैंड के एक मालवाहक जहाज पर एक मिसाइल गिरी, जिससे पोत में आग लग गई। बताया जा रहा है कि यह पोत भारत आ रहा था। थाइलैंड के समुद्री विभाग के अनुसार, ओमान की नौसेना द्वारा 20 लोगों को बचाए जाने के बाद अधिकारी मयूरी नारी जहाज पर तैनात चालक दल के तीन लापता सदस्यों की तलाश कर रहे हैं। ईरान ने इस संकरे जलडमरूमध्य में माल ढुलाई को लगभग पूरी तरह रोक दिया है।

778 नाविकों के साथ 28 भारतीय जहाज फंसे

नई दिल्ली। फारस की खाड़ी में 28 भारतीय जहाज फंसे हुए हैं, जिन पर 778 नाविक सवार हैं। पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि इनमें से 24 जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य के पश्चिमी भाग में 677 नाविकों के साथ मौजूद हैं, जबकि चार जहाज चालक दल के 101 सदस्यों के साथ पूर्वी भाग में हैं। सिन्हा ने कहा, हम सभी जहाजों की सुरक्षा के लिए सक्रिय रूप से निगरानी कर रहे हैं। पोत परिवहन महानिदेशालय ने भारतीय ध्वज वाले सभी जहाजों और नाविकों की सुरक्षा उपायों को अपनाने सहित 'रिपोर्टिंग प्रोटोकॉल' का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया गया है।

दो भारतीयों की मौत एक लापता : जायसवाल

नई दिल्ली। युद्ध के दौरान वाणिज्यिक जहाजों पर हुए हमले में दो भारतीयों की मौत हो गई और एक लापता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को यह जानकारी दी। कहा कि भारत खाड़ी क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों की सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध है।

बिरला के खिलाफ प्रस्ताव ध्वनिमत से खारिज

सदन में शाह बोले- राहुल गांधी सदन में बोलना नहीं चाहते या उन्हें नियमानुसार बोलना नहीं आता

नई दिल्ली, एजेंसी

- कहा- जो नियम से नहीं चलेंगे, उनका माइक बंद होगा, ये सदन मेला नहीं
- लोकसभा में विपक्ष पर केंद्रीय मंत्री अमित शाह का जोरदार प्रहार

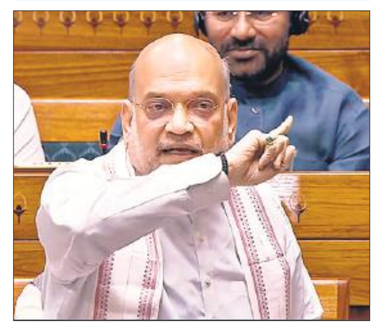

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आचरण और सदन की कार्यवाही में उनकी भागीदारी पर तीखी टिप्पणियां करते हुए बुधवार को विपक्ष के इस आरोप को खारिज कर दिया कि उन्हें निचले सदन में बोलने नहीं दिया जाता। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए संकल्प पर चर्चा का जवाब देते हुए शाह ने यह भी कहा, आप प्रधानमंत्री के खिलाफ प्रस्ताव लाइए। हम मुद्दों पर जवाब देंगे। लेकिन लोकसभा अध्यक्ष को पद से हटाने के प्रस्ताव को मैं सामान्य बात नहीं मानता।

शाह के भाषण के बाद, सदन ने ध्वनिमत से विपक्ष के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, विपक्ष के नेता का यह आरोप सही नहीं है कि उन्हें बोलने नहीं दिया जाता। नेता प्रतिपक्ष की पार्टी लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ प्रस्ताव लाई, उस पर भी वह नहीं बोले। वह बोलना ही नहीं चाहते। बोलना चाहते हैं तो नियमानुसार बोलना नहीं आता। यह कोई सभा (रैली) नहीं है, यहां नियमानुसार बोलना होता है। गृह मंत्री ने बिरला के खिलाफ लाए गए प्रस्ताव को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए कहा कि यह बहुत अफसोसजनक घटनाक्रम है। उन्होंने कहा, जब सदन के मुखिया की निष्ठा पर सवाल उठाया जाता है तो दुनिया में भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया की साख पर सवाल खड़े हो जाते हैं। उन्होंने कांग्रेस सदस्यों को आड़े हाथ लेते हुए कहा, जब आप सदन के संचालन के नियमों को नजरअंदाज करेंगे तो अध्यक्ष का दायित्व है कि ऐसे सदस्य को रोकें, टोकें और बाहर निकाल दें। शाह ने कहा कि भाजपा और राजग के विपक्ष में रहते अध्यक्ष के खिलाफ कभी अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाया गया और हमने हमेशा रचनात्मक विपक्ष के रूप में काम किया। शाह ने कहा, जो नियमानुसार नहीं चलेगा, उसका माइक बंद हो ही जाएगा, बंद हो ही जाना चाहिए।

थाइलैंड में एअर इंडिया एक्सप्रेस का लैंडिंग के दौरान पहिया निकला, नोज गियर टूटा

मुंबई। एयर इंडिया एक्सप्रेस के बोइंग 737 मैक्स विमान ने बुधवार को थाईलैंड के फुकेट हवाई अड्डे पर हार्ड लैंडिंग की जिससे उसके आगे के दोनों पहिए अलग हो गए और नोज गियर टूट गया। विमान ने हैदराबाद से फुकेट के लिए उड़ान भरी थी।

एक अधिकारी ने बताया कि यात्रियों को विमान से उतारकर टर्मिनल भवन ले जाया गया और कोई घायल नहीं हुआ है। बोइंग 737-मैक्स 8 में सवार यात्रियों की संख्या का तुरंत पता नहीं लगाया जा सका। रनवे पर विमान के फंसे होने के कारण हवाई अड्डे का संचालन अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है और विमान को खींचकर बे (हवाई अड्डे का वह हिस्सा जहां विमान को खड़ा किया जाता है) की ओर ले जाया गया है। प्रवक्ता ने कहा कि फुकेट हवाई अड्डे पर विमान के आगे के पहिए में खराबी आ गई थी और चालक दल ने सभी मानक प्रोटोकॉल का पालन किया व यात्रियों को विमान से उतार लिया गया।

- फुकेट हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में कराई गई हार्ड लैंडिंग 133 लोग थे सवार

कोहरा बना काल : रोडवेज से टकराई कार, 3 की मौत

संवाददाता, अल्हागंज/शाहजहांपुर

- दो गंभीर घायल, पुरानी कार खरीदने जा रहे थे इटावा, जलालाबाद फर्रुखाबाद हाईवे पर हुआ हादसा

अमृत विचार: जलालाबाद फर्रुखाबाद हाईवे पर बुधवार सुबह घने कोहरे के बीच रोडवेज बस और अर्टिगा कार की आमने-सामने टक्कर में तीन युवकों की मौके पर मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसा अल्हागंज क्षेत्र में सुगसुगी गांव के पास हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे पर लटक गई। दुर्घटना के बाद कार में सवार लोग अंदर फंस गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों और शवों को बाहर निकाला। एक शव कार में बुरी तरह फंसा होने के कारण गैस कटर से दरवाजा काटकर बाहर निकाला गया।

लखीमपुर खीरी के थाना हैदराबाद क्षेत्र के मूड़ा भाई गांव निवासी अरुण अपने भाई अनिल, ममेरे भाई संजय, भांजे गौरव और संजय के दोस्त ऋषभ के साथ अर्टिगा कार से इटावा जा रहे थे। अनिल को इटावा से सेकेंड हैंड होंडा सिटी कार खरीदनी थी। सभी लोग सुबह करीब चार बजे घर से निकले थे। जब कार जलालाबाद-फर्रुखाबाद हाईवे पर सुगसुगी गांव के पास पहुंची, उसी समय फर्रुखाबाद की ओर से आ रही रोडवेज बस ने आगे चल रही एक कार को ओवरटेक करने का प्रयास किया। घना कोहरा होने से बस चालक सामने से आ रही अर्टिगा कार को नहीं देख सका और बस सीधे कार से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें बैठे लोग अंदर फंस गए।

हादसे की आवाज सुनकर लोग मौके पर पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी। लोगों ने किसी तरह दो शवों और घायलों को बाहर निकाला, जबकि एक शव बुरी तरह फंसा हुआ था। बाद में पुलिस ने गैस कटर से कार का दरवाजा काटकर शव को बाहर निकाला। दुर्घटना में अरुण, संजय और ऋषभ की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अनिल और गौरव गंभीर रूप से घायल हो गए।

मुख्यमंत्री से मिले नोबेल पुरस्कार विजेता कॉन्स्टेंटिन नोवोसेलोव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक कॉन्स्टेंटिन नोवोसेलोव ने बुधवार सुबह मुख्यमंत्री योगी से मुलाकात की। इस दौरान लोहम कंपनी के सीईओ रजत वर्मा और कंपनी के चीफ ऑफ स्टाफ आयुष सबात भी मौजूद रहे। बैठक में उत्तर प्रदेश को एडवांस्ड मटेरियल रिसर्च और इंजीनियरिंग का प्रमुख केंद्र बनाने की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई।

अतिथियों ने प्रदेश में निवेश के लिए तैयार हो रहे सकारात्मक औद्योगिक वातावरण की सराहना की। बैठक में लोहम कंपनी द्वारा प्रदेश में भारत की

पहली 'रेयर अर्थ टू मैग्नेट' इंटीग्रेटेड फैसिलिटी स्थापित करने की योजना पर भी चर्चा हुई। यह भी चर्चा हुई कि उन्नत मटेरियल साइंस के क्षेत्र में अनुसंधान और औद्योगिक उत्पादन को जोड़कर प्रदेश को एक नए तकनीकी केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकता है। लोहम और नोवोसेलोव के सहयोग का मुख्य फोकस दो महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर है। पहला, टू-डी मटेरियल (जैसे ग्रैफीन) का उपयोग कर अगली पीढ़ी की लिथियम-आयन बैटरियों की क्षमता, सुरक्षा और आयु बढ़ाना।ग

कौन हैं नोवोसेलोव

- विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिक और नोबेल पुरस्कार विजेता
- ग्रैफीन की खोज के लिए मिला नोबेल पुरस्कार
- उन्नत मटेरियल साइंस और नैनो टेक्नोलॉजी के विशेषज्ञ
- वर्तमान में लोहम कंपनी के साथ स्ट्रैटेजिक एडवाइजर

एनसीईआरटी पुस्तक विवाद | सुप्रीम कोर्ट ने 8वीं की सामाजिक विज्ञान की किताब में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पाठ्यक्रम शामिल करने के मामले में दिए सख्त निर्देश

विवादास्पद अध्याय लिखने वालों से संबंध तोड़ लें केंद्र व राज्य

- विवादित चैप्टर बनाने वाली प्रो. मिशेल को बैन करने के निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

शीर्ष कोर्ट ने बुधवार को निर्देश दिया कि केंद्र व राज्य सरकारें एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की किताब में विवादास्पद अध्याय तैयार करने में शामिल तीन विशेषज्ञों से अपना संबंध तोड़ लें।

कोर्ट ने इस अध्याय में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार को लेकर आपत्तिजनक सामग्री शामिल किए जाने को लेकर यह सख्ती बरती है। न्यायालय ने

केंद्र सरकार को एक सप्ताह के भीतर विषय-विशेषज्ञों की एक समिति गठित करने का निर्देश दिया, ताकि एनसीईआरटी की कानूनी अध्ययन की पाठ्यचर्या को अंतिम रूप दिया जा सके, जो केवल आठवीं कक्षा ही नहीं, बल्कि उच्च कक्षाओं के लिए भी लागू होगी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ को बताया गया कि यह अध्याय प्रोफेसर मिशेल डैनिनो की अध्यक्षता में बनी पाठ्यपुस्तक विकास टीम द्वारा तैयार किया गया था, जिसमें सुपर्णा दिवाकर और आलोक प्रसन्न कुमार सदस्य के रूप में शामिल थे। इस पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली शामिल हैं। पीठ ने कहा, प्रारंभ में हमारे पास यह संदेह करने का कोई कारण नहीं है कि प्रोफेसर मिशेल व उनके सहयोगी सुपर्णा तथा आलोक को भारतीय न्यायपालिका के बारे में उचित और पर्याप्त जानकारी नहीं है और/या उन्होंने जानबूझकर तथा सोच-समझकर तथ्यों को गलत तरीके से प्रस्तुत किया है, ताकि छात्रों के सामने कोर्ट की नकारात्मक छवि पेश की जा सके। विवादित चैप्टर बनाने वाली प्रो. मिशेल को बैन करने के निर्देश दिए।

पीठ का सरकार से ऐसे वेबसाइट व उन्हें चलाने वाले व्यक्तियों का विवरण मांगा

पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार को राष्ट्रीय पाठ्यक्रम एवं शिक्षण-अधिगम सामग्री समिति (एनएसटीसी) की संरचना पर भी फिर से विचार करना चाहिए, विशेष रूप से उन लोगों के संबंध में, जिनके साथ पाठ्यपुस्तक विकास टीम के सदस्यों द्वारा विवादित अध्याय को डिजिटल रूप से साझा किया गया था। अदालत ने इस बात का भी संज्ञान लिया कि 26 फरवरी को इस मामले में आदेश पारित करने के बाद तथाकथित सोशल मीडिया पर कुछ तत्वों ने गैर-जिम्मेदाराना ढंग से कार्रवाई और प्रतिक्रियाएं दीं। पीठ ने कहा, हम दृढ़ता से मानते हैं कि समस्या का सीधे सामना किया जाना चाहिए। इसलिए हम भारत सरकार को निर्देश देते हैं कि ऐसे वेबसाइट और उन्हें चलाने वाले व्यक्तियों की पहचान करे और उनका पूरा विवरण हमें उपलब्ध कराए, ताकि हम उचित कार्रवाई कर सकें।

विवाह के पवित्र बंधन में बंधे 550 हिंदू व 37 मुस्लिम जोड़े

पहले हुआ बायोमैट्रिक सत्यापन, फिर संपन्न कराए गए वैवाहिक संस्कार, विधायक स्वामी प्रवक्तानंद समेत अफसरों ने सुखी दांपत्य का दिया आशीर्वाद

- मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में सभी जोड़ों को उपहारों के साथ किया गया विदा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः : मंडी समिति परिसर बुधवार को गंगा-जमुनी तहजीब से ओतप्रोत सामूहिक विवाह समारोह का साक्षी बना। भव्य पंडाल के नीचे 587 जोड़े प्रणय सूत्र में बंधे। वहीं दूसरे पंडाल में 37 मुस्लिम जोड़ों का निकाह संपन्न कराया गया। एक पंडाल में मंत्रोच्चारण के बीच सात फेरे हुए और दूसरे पंडाल में काजी ने निकाह पढ़वाया। हजारों लोग इस विवाह समारोह के साक्षी बने। इस दौरान बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद समेत अन्य जनप्रतिनिधियों एवं अफसरों ने पुष्प वर्षा कर वर-वधुओं को सफल दांपत्य जीवन का आशीर्वाद दिया। वैवाहिक संस्कार संपन्न होने के बाद नवविवाहित जोड़ों को उपहार देकर विदा किया गया।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत बुधवार को मंडी समिति परिसर में बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र का सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया। समारोह को लेकर पूर्व में तैयारियां कर ली गई थीं। सामूहिक शादियों को लेकर भव्य पंडाल जबकि मुस्लिम समुदाय के निकाह संपन्न कराने के लिए पास में ही एक अन्य पंडाल की व्यवस्था की गई। बुधवार सुबह से ही वर-वधु पक्ष समेत उनके रिश्तेदारों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था।

समारोह में वैवाहिक संस्कार के बाद जोड़ों को उपहार भेंट करते विधायक स्वामी प्रवक्तानंद।

पंडाल में वर-वधुओं पर पुष्प वर्षा करते विधायक स्वामी प्रवक्तानंद। ● अमृत विचार

सामूहिक विवाह समारोह में मौजूद वर-वधु एवं उनके परिजन। ● अमृत विचार

विवाह समारोह में व्यवस्थाएं छिन्न-भिन्न न हो, इसको लेकर पंडाल को सेक्टरवार बांटा गया। वर-वधुओं के बायोमैट्रिक सत्यापन के लिए आठ काउंटरों की व्यवस्था की गई थी। जहां बारी-बारी से जोड़ों ने पहुंचकर बायोमैट्रिक सत्यापन कराया और फिर पंडाल में पहुंचे। इस बीच बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद ने समारोह स्थल पर पहुंचकर दीप प्रज्ज्वलन करने के साथ भगवान गणेश को पुष्प अर्पित कर शुभारंभ किया।

इस दौरान विधायक ने डीएम ज्ञानेंद्र सिंह के साथ पंडाल का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और वर-वधुओं पर पुष्प वर्षा कर उनके सुखी जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि गरीब एवं निर्धन परिवारों की बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक एवं धार्मिक रीति-रिवाज से संपन्न हो सके, इसके लिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की शुरुआत की गई है। समारोह में ब्लाक प्रमुख मरौरी सभ्यता देवी वर्मा, डीडीओ संजय कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी प्रताप नारायण, जिला पूर्ति अधिकारी विकास कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी चंद्रमोहन विश्नोई, देवस्वरूप पटेल, डॉ. बांके लाल गंगवार, धर्मपाल, प्यारे लाल कश्यप, महेंद्र राजपूत, महेश लोधी आदि ने भी प्रणय सूत्र में बंधे नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया।

नहीं पहुंचे 39 जोड़े

समाज कल्याण विभाग की ओर से हुए विवाह समारोह में 626 शादियां संपन्न कराई जानी थीं। जिला समाज कल्याण अधिकारी चंद्रमोहन विश्नोई के मुताबिक बुधवार को हुए सामूहिक विवाह समारोह में 587 जोड़े ही शामिल हुए। इसमें 550 हिंदू जोड़े और 37 मुस्लिम जोड़े निकाह करने के लिए पहुंचे। समारोह में 39 जोड़े नहीं पहुंच सके। उन्होंने बताया कि गुरुवार को बीसलपुर विधानसभा क्षेत्र, नगर पालिका क्षेत्र एवं नगर पंचायत बिलसंडा क्षेत्र के पात्र लाभार्थियों को सामूहिक विवाह संपन्न कराया जाएगा।

समारोह में वर-वधु को आशीर्वाद देतीं ब्लाक प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा।

70 से अधिक विवाह वेदियों पर वर-वधुओं ने लिए सात फेरे

विवाह समारोह को भव्य पंडाल में लेकर 70 से अधिक विवाह वेदी स्थापित की गई। प्रत्येक विवाह वेदी पर 07-07 वर-वधुओं को बिठाया गया। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विवाह संस्कार शुरू हुए। पंडाल में मौजूद वर-वधुओं ने एक दूसरे को वरमाला पहनाई। इसके बाद कन्यादान की रस्म संपन्न हुई। विवाह वेदियों में अग्नि प्रज्ज्वलित होने के बाद मंत्रोच्चारण के बीच वर-वधुओं ने सात फेरे लिए। व्यवस्थाएं छिन्न-भिन्न न हो, इसको लेकर पंडाल को 12 सेक्टरों में विभाजित कर विवाह संस्कार संपन्न कराए गए।

न्यूज ब्रीफ

संकीर्तन के समापन पर खेली होली

अमरिया, अमृत विचार : तहसील के नगरिया कॉलोनी में आयोजित तीन दिवसीय भव्य अखंड हरिनाम संकीर्तन का समापन बुधवार को हर्षोल्लास से किया गया। श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली खेली। संकीर्तन स्थल पर भक्ति और उल्लास का अनोखा संगम देखने को मिला। भजन-कीर्तन की धुनों के बीच श्रद्धालु झूमते नजर आए। आयोजन में नगरिया कॉलोनी सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। तीन दिनों तक चले इस अखंड हरिनाम संकीर्तन में कई कीर्तन मंडलियों ने भक्ति गीतों के माध्यम से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

वसूली से जुड़ा वीडियो वायरल

अमरिया, अमृत विचार : क्षेत्र के भंगा मोहम्मदगंज में देवहा नदी पर लकड़ी की पटरी डालकर लोगों से आने-जाने के नाम पर बीस रुपये की वसूली की जा रही है। बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था के इसी संकरी पटरी से लोगों और बाइक को नदी पार कराया जा रहा है। जिससे हादसे का खतरा बना हुआ है। कई बार बाइक पटरी से फिसलकर नदी में गिर चुकी हैं, लोग घायल भी हो चुके हैं। वहीं नदी में मगरमच्छ होने की बात भी कही जाती है। इससे जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बताते हैं कि इसमें लोग वसूली करते दिख रहे हैं। मामला चर्चा का विषय बना रहा।

ग्रामीण पर लाठी से किया वार, रिपोर्ट दर्ज

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव कबूलपुर के निवासी अर्जुन पुत्र भगवान दास ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह नौ मार्च की रात करीब 11 बजे मकान के बाहर बैठे थे। तभी गांव के फतेहचंद, रामपाल ने हमला कर पिटाई कर दी। डंडे से किए गए वार में सिर में चोट आई। लोगों के जमा होने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की बैठक संपन्न

पीलीभीत, अमृत विचार : कस्बा गजरौला में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की बैठक अजय गुप्ता के प्रतिष्ठान पर हुई। व्यापारियों की समस्याओं पर चर्चा करते हुए समाधान पर विचार किया गया। होली मिलन समारोह हुआ। रमजान और ईद की बधाई दी गई। पीलीभीत में 18 मार्च की शाम सात बजे से होने वाले शपथ ग्रहण कार्यक्रम में सम्मिलित होने की अपील की गई। इस मौके पर डालचंद सक्सेना, जिला अध्यक्ष अर्जुन सिंह टहलानी, जिला महामंत्री स्वतंत्र देवल, पीयूष अग्रवाल, राकेश गंगवार, विजय गुप्ता, कपिल गुप्ता, निशान सिंह, मुरलीधर देव शर्मा, राम औतार शर्मा, शकील, तारिक अली, कफील अहमद आदि मौजूद रहे।

साहब! बीएलओ नहीं बना रहा हमारा वोट

एसडीएम से शिकायत करते ग्रामीण। ● अमृत विचार

संवाददाता, मझोला

अमृत विचारः तहसील अमरिया क्षेत्र के भरा पचपेड़ा के ग्रामीणों ने एसडीएम मयंक गोस्वामी को प्रार्थना पत्र दिया। इसमें बीएलओ पर आरोप लगाए।

उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायती का वोट बनाने में बीएलओ द्वारा पक्षपात किया जा रहा है। पूछने पर बताया जाता है कि उच्च अधिकारियों से आदेश कराकर लाओ फिर वोट बनाया जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि उनका आधार कार्ड, पहचान पत्र, सामान्य निवास प्रमाण पत्र, बिजली के बिल, एवं जन्म प्रमाण पत्र सभी दस्तावेज हैं। इसके बाद भी वोट नहीं बनाया जा रहा है। शिकायत करने वालों में शिवली अधिकारी, जतिन ओझा, राहुल, पुष्पा मंडल, ममता, सुखदेव वडोई आदि ग्राम थे। एसडीएम ने मामले की जांच एडीओ पंचायत को दी है।

खिलाड़ियों को दी क्रिकेट-वॉलीबाल किट

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः आगामी पंचायत चुनाव को लेकर क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मियां तेज होने लगी हैं। पूरनपुर ब्लॉक क्षेत्र के वार्ड नंबर आठ से जिला पंचायत सदस्य पद के दावेदार कजरी निरंजनपुर के वर्तमान ग्राम प्रधान यादविंदर पाल सिंह सोढ़ी ने जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। क्षेत्र में सक्रियता और जनसंपर्क के चलते सोढ़ी को मजबूत दावेदार के रूप में देखा जा रहा है।

इसी क्रम में बुधवार को यादविंदर पाल सिंह सोढ़ी वार्ड नंबर आठ के गांव चलतुआ पहुंचे। वहां उन्होंने युवाओं और खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से क्रिकेट और वॉलीबॉल की खेल किट वितरित की। खेल सामग्री पाकर खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखने को मिला। उन्होंने सोढ़ी का आभार व्यक्त किया। खिलाड़ियों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन संसाधनों के अभाव में कई बार युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका नहीं मिल पाता। ऐसे में खेल सामग्री उपलब्ध कराना युवाओं के लिए प्रेरणादायक है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में भी युवाओं और खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए इसी तरह सहयोग मिलता रहेगा। यादविंदर पाल सिंह सोढ़ी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं में खेल प्रतिभा को आगे बढ़ाना बेहद जरूरी है। इसके लिए आगे भी प्रयास किए जाते रहेंगे। इस मौके पर धर्मेंद्र सिंह, राजकुमार श्रीवास्तव, दिनेश, अभिषेक कुमार, कुंदन, लालबहादुर आदि मौजूद रहे।

युवा खिलाड़ियों को किट वितरित करते यादविंदर पाल सिंह सोढ़ी। ● अमृत विचार

- बोले- ग्रामीण क्षेत्र में युवाओं की खेल प्रतिभा को आगे बढ़ाना जरूरी
- वार्ड आठ से दावेदार यादविंदर पाल सिंह सोढ़ी ने किया जनसंपर्क

शिक्षा का स्तर मजबूत होने से गांव में आएगी खुशहाली

विधायक विवेक वर्मा का स्वागत करते आयोजक। ● अमृत विचार

संवाददाता, बीसलपुर

- शिक्षा संगोष्ठी और प्रधान उन्मुखीकरण कार्यशाला संपन्न

अमृत विचारः रामलीला मार्ग पर स्थित एक बरात घर में शिक्षा संगोष्ठी और प्रधान उन्मुखीकरण कार्यशाला हुई। मुख्य अतिथि विधायक विवेक वर्मा रहे। उन्होंने कहा कि गांवों में शिक्षा का स्तर मजबूत होने से खुशहाली आएगी। सरकार गांव-गांव में शिक्षा के स्तर में गुणात्मक सुधार लाने के लिए प्रयास कर रही है।

सरकार बेसिक विद्यालयों में स्मार्ट क्लास संचालित कराकर निजी विद्यालयों की भांति सुविधा दे रही है। खंड शिक्षाधिकारी डॉ. हर्षित शर्मा ने बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत चल रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। कंपोजिट विद्यालय कन्या बख्तावर लाल की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस मौके पर एआरपी प्रवीण कुमार, तुषार अरोड़ा, गेंदनलाल, कुलदीप सिंह, भारतेन्दु कुमार, गांधी प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक आलोक कुमार सैनी आदि मौजूद रहे।

रेलवे क्रासिंगों पर चलाया जागरुकता अभियान

रेल ट्रैक के नजदीक बसे गांवों के ग्रामीणों को संरक्षा नियमों की जानकारी देते रेल अफसर।

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- बताए संरक्षा के नियम और बांटे संरक्षा पोस्टर
- परिषदीय स्कूलों में शिक्षा अदालत लगाकर दी जानकारी

अमृत विचारः रेलवे की ओर से रेलवे क्रॉसिंग, रेल ट्रैक के नजदीक बसे गांवों में अभियान चलाकर लोगों को नियमों के प्रति जागरुक किया गया है। साथ ही परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा अदालत लाकर रेल अफसरों ने स्कूली बच्चों को रेल संरक्षा से संबंधित जानकारियां दीं।

इज्जतनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी डॉ. हरीश रैडतोलिया के निर्देश पर बुधवार को इज्जतनगर मंडल के संरक्षा, रेल सुरक्षा बल एवं इंजीनियर विभाग के संयुक्त सरंक्षा कार्यक्रम के तहत रेल अफसरों एवं कर्मचारियों की टीम द्वारा जागरुकता अभियान चलाया गया। टीम ने पीलीभीत-न्योरिया हुसैनपुर रेल खंड के मध्य स्थित रेलवे क्रॉसिंगों समेत रेल ट्रैक के नजदीक बसे गांवों में जागरुकता अभियान चलाया। रेलवे क्रॉसिंग से गुजरने वाले लोगों को संरक्षा नियमों की जानकारी दी गई। इसके अलावा रेलखंड के नजदीक के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा अदालत का आयोजन किया गया। जिसमें रेल अफसरों द्वारा स्कूली बच्चों को रेल संरक्षा से संबंधित जानकारियां दी गई। इस दौरान स्कूली बच्चों को अनाधिकृत स्थानों से रेलवे ट्रैक पार न करने, रेलवे फाटकों से ही रेल ट्रैक पार करने, समपार पर कार्यरत गेटमैनों पर फाटकों को खोलने के लिए अनाधिकृत दबाव नहीं डालने, क्षतिग्रस्त रेलवे फाटकों पर सावधानी बरतने के साथ-साथ रेलवे ट्रैक और विद्युत पोल से सुरक्षित दूरी बनाए रखने, मवेशियों को रेलवे ट्रैक के पास न चराने, रेल लाइन के पास पतंग न उड़ाने एवं ओएचई मास्ट को न छूने आदि के बारे में जानकारी दी गई।

दिव्यांगों को लगाए जाएंगे बैटरी चालित कृत्रिम हाथ

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- मोतियाबिंद के मरीजों का कराया जाएगा नि:शुल्क ऑपरेशन
- सीएमओ ने सभी सीएचसी पीएचसी के अधीक्षकों को पत्र किया जारी

अमृत विचारः निःशक्तजन सेवा संस्थान का मासिक स्वास्थ्य शिविर 12 मार्च को पूरनपुर रोड पर स्थित अंकुर राइस मिल परिसर में आयोजित किया जाएगा। वहीं, संस्थान की ओर से कोहनी से पंजे के बीच कटे हाथ वाले दिव्यांगों को बैटरी से चलने वाले विदेशी कृत्रिम हाथ निःशुल्क लगवाने के लिए भी योजना बनाई गई है।

व्यांगों को बैटरी से चलने वाले विदेशी कृत्रिम हाथ निःशुल्क लगवाने के लिए पंजीकरण भी किए जा रहे हैं। इसमें अधिकाधिक लोगों को लाभ मिल सके। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से भी पत्र जारी किया गया है।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आलोक कुमार ने समस्त सीएचसी पीएचसी के अधीक्षकों को पत्र जारी किया है। जिसमें कहा है कि निशक्तजन सेवा संस्थान की ओर से 12 मार्च, 15 मार्च और 18 मार्च को कोहनी से पंजे के बीच में कटे हाथ वाले दिव्यांगों को बैटरी से चलने वाले विदेशी हाथ निःशुल्क प्राप्त कराने के लिए शिविर लगाया जाएगा। इस शिविर में मोतियाबिंद से ग्रसित लोगों के निःशुल्क ऑपरेशन की भी सुविधा उपलब्ध होगी। दिव्यांगजन अपने आधार कार्ड की फोटो कापी, हाथ की फोटो, मोबाइल नंबर नाम पता रजिस्ट्रेशन के लिए संस्थान के सचिव अनिल कमल और डॉ. प्रेमसागर शर्मा से संपर्क कर सकते हैं। संस्थान के अध्यक्ष अमृत लाल ने बताया कि मासिक स्वास्थ्य शिविर की समस्त तैयारियां कर ली गई हैं।

महिला से छेड़छाड़ विरोध पर मारपीट

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना न्यूरिया क्षेत्र की एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 23 फरवरी को रात नौ बजे गांव के धर्मेंद्र, शिवदयाल और जगदेई ने उसके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट की। आरोपियों ने उसके साथ अश्लील हरकतें भी की। जब उसने विरोध किया तो धर्मेंद्र और शिवदयान ने उसके कपड़े फाड़ने का प्रयास किया। शोर शराबा होने पर आसपास के लोग एकत्र हो गए। जिस पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। एसओ सुभाष मावी ने बताया कि महिला की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

लग्गा बग्गा में स्थापित होंगे 2 मोबाइल टावर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद के प्रयासों से मिली मंजूरी

अमृत विचारः शारदा नदी पार कलीनगर क्षेत्र के लग्गा बग्गा में पीलीभीत टाइगर रिजर्व और नेपाल सीमा से सटे कई ग्रामीण इलाकों में जल्द ही मोबाइल नेटवर्क की समस्या दूर होगी। नेपाल सीमावर्ती घने वन क्षेत्र के चलते यहां संचार व्यवस्था बेहतर नहीं है। केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद के प्रयासों से यहां पर बीएसएनएल के दो नए टावर लगाने के प्रस्ताव को वन विभाग की मंजूरी मिल गई है।

क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने केंद्रीय राज्यमंत्री से गुहार लगाई थी। जिसका संज्ञान लेते हुए केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने प्रयास किए और दूरसंचार मंत्रालय द्वारा लग्गा बग्गा गांव में बीएसएनएल के दो टावर लगाने की स्वीकृति दी थी। मगर टावर लगाने की जगह पीटीआर क्षेत्र के अंतर्गत होने के चलते फारेस्ट क्लीयरेंस के बिना कार्य संभव नहीं था। इसे लेकर केंद्रीय मंत्री ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव से व्यक्तिगत स्तर पर प्रयास किए। नतीजतन भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 10 मार्च को फारेस्ट क्लियरेंस प्रदान कर दी है। जल्द ही दूर संचार मंत्रालय के निर्देशन में मोबाइल टावर की स्थापना का कार्य शुरू होगा। जिससे ग्रामीणों की समस्या का समाधान होगा। ग्रामीणों ने केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद का आभार जताया है।

> यह पहल सीमावर्ती क्षेत्र के विकास, ग्रामीणों की सुविधा और आधुनिक डिजिटल कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित होगी। क्षेत्र के लोगों को बेहतर नेटवर्क सुविधा मिल सकेगी। – **जितिन प्रसाद**, केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद

प्रोजेक्ट दिव्य दर्शन | अखिल उत्तर प्रदेश बधिर संस्था से जुड़े हैं सभी बच्चे जनपद के 3400 दिव्यांग बच्चे भी रोस्टरवाइज करेंगे जंगल की सैर

लखनऊ के 50 बधिर बच्चे पीटीआर में करेंगे नि :शुल्क जंगल सफारी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

15 को होगी शुरूआत, असरों ने शुरू कराई तैयारी

टाइगर रिजर्व के प्रोजेक्ट दिव्य दर्शन की शुरूआत 15 मार्च से होने जा रही है। प्रोजेक्ट के शुभारंभ पर लखनऊ की अखिल उत्तरप्रदेश बधिर संस्था के 50 बधिर बच्चों को पीलीभीत टाइगर रिजर्व निशुल्क जंगल सफारी कराई जाएगी। ये सभी बच्चे जंगल सफारी के साथ यहां के जंगलों की खूबसूरती को करीब से देखने के साथ-साथ बाघ समेत अन्य वन्यजीवों के दीदार भी कर सकेंगे। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने बताया कि इन बच्चों को भ्रमण कराने का उद्देश्य पर्यावरण, वन्यजीव संरक्षण एवं सामाजिक समावेशन के प्रति जागरुकता बढ़ाना है। इसको लेकर टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से तैयारियां शुरू कर दी गई है।

अमृत विचारः पीलीभीत टाइगर रिजर्व के प्रोजेक्ट दिव्य दर्शन की 15 मार्च से शुरूआत होने जा रही है। टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से प्रथम चरण में लखनऊ की एक बधिर संस्था के 50 बधिर बच्चों को निशुल्क जंगल सफारी कराई जाएगी। बता दें कि टाइगर रिजर्व प्रशासन द्वारा तैयार किए गए प्रोजेक्ट के तहत जनपद के करीब 3400 दिव्यांग बच्चे चिन्हित किए गए हैं, जिन्हें रोस्टरवाइज निशुल्क जंगल सफारी करने की मौका दिया जाएगा।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व अपनी विशिष्ट जैवविविधिता के दम पर देश-दुनिया में एक टूरिज्म आइकॉन के रूप में उभर रहा है। देश के कोने-कोने एवं विदेशी धरती से बड़ी संख्या में सैलानी तराई की गोद में बसे टाइगर रिजर्व की खूबसूरती एवं बाघ समेत अन्य वन्यजीवों का दीदार करने पहुंच रहे हैं। सफारी वाहनों के माध्यम से सैलानी मिनी गोवा कहे जाने वाले इको टूरिज्म स्पॉट चूका बीच, सप्त सरोवर समेत अन्य टूरिज्म प्वाइंटों तक पहुंचते हैं। इन सबके बीच टाइगर रिजर्व प्रशासन ने दिव्यांग नौनिहालों को भी विश्व पटल पर अपनी पहचान बना रहे पीलीभीत टाइगर रिजर्व को करीब से दिखाने का निर्णय लिया, ताकि वे भी अपनी धरोहर के बारे में जान सके।

इसको लेकर टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से प्रोजेक्ट दिव्य दर्शन के तहत पूरा एक प्लान तैयार किया है। इसमें जनपद के विभिन्न शिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत करीब 2700 दिव्यांग बच्चों को चिन्हित किया गया है। इसके अलावा जनपद के करीब 800 दिव्यांग बच्चे ऐसे भी चिन्हित किए गए हैं, जो किसी शिक्षण संस्था से नहीं जुड़े हैं। टाइगर रिजर्व प्रशासन द्वारा इन सभी दिव्यांग बच्चों रोस्टर के अनुसार प्रत्येक बुधवार को पीलीभीत टाइगर रिजर्व में निशुल्क जंगल सफारी कराई जाएगी।

गैस संकट: लोग परेशान, एजेंसियां मौन... जिम्मेदार कौन ?

पीलीभीत जिले में अघोषित रसोई गैस की समस्या का सामना कर रहे उपभोक्ता , घरेलू सिलेंडर को व्यवसायिक इस्तेमाल में खपाने का खेल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- डिलीवरी बॉय कर रहे गड़बड़ी रिफलिंग पर भी नहीं लग पा रही रोक
- जनपद भर में संचालित हैं 38 एजेंसियां, 4.15 लाख हैं घरेलू उपभोक्ता

अमृत विचार : ईरान-इजरायल जंग का हल्ला मचाकर कुकिंग गैस का अघोषित संकट पैदा करने का खेल पीलीभीत में भी होता नजर आ रहा है। आम उपभोक्ता सिलेंडर की समय पर आपूर्ति के लिए जूझ रहे हैं, तो दूसरी ओर रेहड़ी-खोमचों और छोटे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर घरेलू गैस सिलेंडरों का धड़ल्ले से इस्तेमाल हो रहा है। उपभोक्ताओं की जुबानी सामने आ रहीं कड़वी बातों को समझें तो पैसों के लालच में कितने ही डिलीवरी बॉय नियमों घरेलू सिलेंडरों की सप्लाई व्यवसायिक कामों के लिए कर रहे हैं। कई जगह अवैध रिफलिंग का खेल भी जारी है। प्रशासन एजेंसी, गोदामों की चेकिंग की बात कर रहा है, लेकिन तमाम उपभोक्ता समय से गैस नहीं मिल पाने की पीड़ा बयां कर रहे हैं।

पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के कारण गैस आपूर्ति पर असर पड़ने की बात हर तरफ से सामने आ रही है। घरेलू गैस सिलेंडर की ऑनलाइन बुकिंग के लिए 25 दिन का अंतराल तय किए जाने के बाद भी कई उपभोक्ताओं को समय पर गैस नहीं मिल पा रही है। बुधवार को कई उपभोक्ता ऑनलाइन बुकिंग के लिए प्रयास करते रहे, लेकिन बुकिंग नहीं हो सकी, जबकि उनकी तय अवधि भी पूरी हो चुकी थी। वहीं दूसरी ओर व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति पर रोक लगाए जाने के बाद बाजार में इसका असर साफ दिखाई देने लगा है। जिले में कुल 38 गैस एजेंसियां संचालित हैं, जिनके माध्यम से करीब 4.15 लाख घरेलू उपभोक्ताओं को गैस आपूर्ति की जाती है। इसके अलावा लगभग 550 व्यावसायिक (कमर्शियल) कनेक्शन भी पंजीकृत हैं। एजेंसी संचालकों का कहना है कि कंपनी की ओर से ऊपर से कमर्शियल गैस की सप्लाई सीमित कर दी गई है, जिसके कारण जिला स्तर पर बिना पंजीकृत उपभोक्ताओं को कमर्शियल सिलेंडर नहीं दिया जा रहा है।

देखें, किचिन के सिलेंडर दुकानों पर फूंके जा रहे

शहर में कलेक्ट्रेट गेट पर होटल में चल रहे घरेलू सिलेंडर।

आपूर्ति में दिक्कतों के चलते अभी होटल, ढाबे आदि को गैस सप्लाई पर रोक लगा दी है। इसके बाद भी कलेक्ट्रेट तिराहे पर ही खुलेआम घरेलू सिलेंडर का प्रयोग किया जा रहा है। जहां दिन भर विभाग समेत अन्य कर्मचारियों की आवाजाही रहती है। इसके बाद भी निगरानी शून्य है। आरोप है कि इसके पीछे डिलिवरी बॉय गड़बड़ी कर रहे हैं।

एजेंसी गोदाम जाने की जरुरत नहीं, ऐसे कराएं बुकिंग

फोन कॉल से बुकिंग
भारत गैस : 7715012345 / 7718012345
इंडेन गैस : 7718955555
एचपी गैस : 8888823456
मिस्ड कॉल से इन पर करें बुकिंग
भारत गैस : –7710955555
इंडेन गैस : 8454955555
एचपी गैस : 9493602222
व्हाट्सएप से बुकिंग
भारत गैस : 1800224344
इंडेन गैस : 7588888824
एचपी गैस : 9222201122

पुलिस लाइन सभागार कक्ष में रसोई गैस समस्या से पैदा हुए हालात को लेकर बैठक करते एएसपी। ● अमृत विचार

अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई: दहिया

पीलीभीत, अमृत विचार : पुलिस लाइन सभागार में आयोजित बैठक में एएसपी विक्रम दहिया ने गैस एजेंसी संचालकों को निर्देश दिए कि वे प्रतिदिन गैस सिलेंडरों के रिफिल और स्टॉक की जानकारी रखें और ओटीपी के माध्यम से ही उपभोक्ताओं को सिलेंडर उपलब्ध कराएं। जमाखोरी रोकने के लिए दो रिफिल सिलेंडरों की बुकिंग के बीच न्यूनतम 25 दिन का अंतराल सुनिश्चित करने और एजेंसी सॉफ्टवेयर को उसी अनुसार अपडेट रखने के निर्देश दिए गए। संचालकों से एजेंसी और गोदाम पर मौजूद रहकर वितरण व्यवस्था की निगरानी करने, घरेलू एलपीजी का उपयोग होटल, रेस्टोरेंट और अन्य व्यावसायिक संस्थानों में न होने देने को कहा गया। साथ ही हॉकरों को कालाबाजारी, घटतौली और अवैध रिफिलिंग से दूर रहने की सख्त हिदायत दी गई। बैठक में डीएसओ पीलीभीत, सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी सहित गैस एजेंसी संचालक मौजूद रहे।

> जनपद में रसोई गैस की कोई कमी नहीं है। सभी उपभोक्ताओं को नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए हैं। – **विक्रम दहिया**, एएसपी

जहां बैठी पुलिस, वहीं घरेलू सिलेंडर का इस्तेमाल

भले ही पुलिस की ओर से घरेलू सिलेंडर और अफवाह फैलाने वाले लोगों के लिए खिलाफ पुलिस अफसरों ने कार्रवाई के निर्देश दिए हो, मगर इसके बाद भी डिग्री कॉलेज चौराहा पर जहां पुलिस वाले दिन भर जामा रहते है। वहीं घरेलू सिलेंडर का प्रयोग खुलेआम किया जा रहा है। इसके बाद भी कार्रवाई नहीं की जा रही है।

दिखाने को व्यवसायिक, चल रहा घरेलू सिलेंडर

कलेक्ट्रेट तिराहा ही नहीं बल्कि शहर के व्यवस्तम नौगवां चौराहा पर भी घरेलू सिलेंडर का प्रयोग होता है। मगर कार्रवाई के डर से इस ठेला संचालक ने दिखाने के लिए कर्मशियल सिलेंडर को खुले रख दिया। जबकि प्रयोग करने के लिए एक बोरी में घरेलू सिलेंडर को रखकर चाट पकौड़ी बनाता दिखा।

सिलेंडर के रेट बढ़ा दिए गए हैं। साथ ही बुकिंग के समय भी परिवर्तन कर दिया है। गैस की डिलवरी लेट मिल रही है। प्रशासन को घरेलू सिलेंडर का प्रयोग कर्मशियल में होने से रोकना चाहिए। इसे न रोका तो समस्या बन सकती है। – **पूनम सक्सेना**, गृहणी

पश्चिम एशिया में चल रहा तनाव देश में भी दिखाई दे रहा है। गैस बुकिंग करने के लिए 25 दिन का समय दिया गया है। मगर अब गैस ऑनलाइन बुकिंग नहीं हो रही है। नियम ठीक हैं, लेकिन ये भी व्यवस्था रहे कि कोई दिक्कत न हो। –**नीरु**, गृहणी।

इफ्तार गुरुवार	सहरी शुक्रवार
सुन्नी : 6:16	सुन्नी : 4:53
शिया : 6:17	शिया : 4:54

शहर में आज

- अंकुर राइस मिल परिसर में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर सुबह 10 बजे से।
- मंडी समिति में सामूहिक विवाह समारोह सुबह 10 बजे से।
- बेनहर गुरुकुल में जनगणना के संबंध में प्रशिक्षण सुबह 10 बजे से।

न्यूज ब्रीफ

पुरानी रंजिश में महिला से मारपीट, रिपोर्ट

दियोरियाकला, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव बरखेड़ा कटा निवासी सुमन पत्नी कुंवरपाल ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि चार मार्च को शाम छह बजे गांव के संजय, धर्मवीर, सोमपाल ने रंजिश मे गाली–गलौच करते हुए मारपीट की। जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

मजदूर यूनियन के श्याम बहादुर बने अध्यक्ष

बीसलपुर, अमृत विचार : कोऑपरेटिव चीनी मिल मजदूर यूनियन के चुनाव में श्याम बहादुर शर्मा अध्यक्ष और राजेंद्र कुमार पुन : निर्विरोध मंत्री निर्वाचित हुए। इसके अलावा मृत्युंजय शुक्ला, मनोज कुमार उपाध्यक्ष, सचिन कुमार, रुकुम सिंह संयुक्त मंत्री, सोवरन सिंह संगठन मंत्री, रजनीश मिश्रा कोषाध्यक्ष चुने गए। ईश्वरी प्रसाद, रंजीत सिंह, राधेश्याम, जितेंद्र कुमार, शिवराम शर्मा, सर्वेश कुमार और रमेश चंद्र त्रिगुणायत कार्यकारिणी सदस्य चुने गए। चीनी मिल कर्मचारियों ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत किया।

पुलिस ने दर्ज की हादसे की रिपोर्ट

बीसलपुर, अमृत विचार : कोतवाली में दी गई तहरीर में शाहजहांपुर के थाना निगोही क्षेत्र के गांव जिंदपुरा निवासी मैशन शाह ने बताया कि 20 फरवरी को दोपहर अपने पुत्र शहनवाज के साथ बाइक से बीसलपुर जा रहे थे। ग्राम रोहनिया के पास भट्टे पर बाइक सड़क के साइड में खड़ी कर लघुशंका को चले गए। इसी दौरान पुत्र शहनवाज जोकि बाइक के पास खड़ा था। निगोही की ओर से आ रही पिकअप ने टक्कर मार दी। जिसमें पुत्र घायल हो गया। पुलिस ने पिकअप चालक पर रिपोर्ट दर्ज की है।

हत्यारोपी पति और देवर को पुलिस ने भेजा जेल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- बकरी चराने गई वृद्धा की हत्या का मामला

अमृत विचार: बकरी चराने गई वृद्धा की हत्या के मामले में बीते दिनों दर्ज की गई नामजद रिपोर्ट के आधार पर जहानाबाद पुलिस ने दोनों आरोपियों पर कार्रवाई की। मृतका के पति और देवर को जेल भेज दिया है।

घटना जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम पंसोली में हुई थी। बकरी चराने गई 60 वर्षीय धनदेवी पत्नी मंशाराम चार मार्च को बकरी चराने के लिए गई थी। इसके बाद लापता हो गई। दूसरे दिन उनका शव गन्ने के खेत में मिला था। वृद्धा की गला दबाकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में मृतका की पुत्री बरेली जिले के थाना भुता के ग्राम बहुआ मगरासा निवासी ललिता देवी ने जहानाबाद थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें बताया था कि उसकी मां धनदेवी बकरी चराने के लिए घर से निकली थी। उसकी मां की पिता मंशाराम व चाचा पप्पू ने अज्ञात लोगों की मदद से संपत्ति के लालच में हत्या कर दी। ये बताया था कि हत्या जमीन के लालच में की गई है। इंस्पेक्टर जहानाबाद प्रदीप कुमार विश्नोई ने बताया कि आरोपी मंशाराम और लीलाधर उर्फ पप्पू को लालपुर चौराहा से गिरफ्तार किया। कोर्ट में पेश करके दोनों को जेल भेज दिया है।

विनीता का ब्रेन डेड, अंत्येष्टि की तैयारी के बीच लौट आईं सांसें

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- परिवार बोला, यह घटना किसी चमत्कार की तरह
- गड्ढे में एंबुलेंस हिली तो लौट आई शरीर में हरकत
- कुछ दिन इलाज के बाद स्वस्थ हुईं विनीता

अमृत विचार : गम के बाद खुशी में डूबी ये कहानी पीलीभीत कोर्ट में तैनात विनीता शुक्ला की है, जिन्होंने कुदरत के करिश्मे के बाद नव जीवन पाया है। अचानक घर पर बेहोश होकर गिरीं विनीता आंटी को बरेली के अस्पताल में ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया था। रोते-बिलखते परिवारीजन उन्हें एंबुलेंस से अंतिम संस्कार के लिए पीलीभीत ले जा रहे थे मगर रास्ते में गाड़ी सड़क के गड्ढे में हिचकोला खा गई। गाड़ी के साथ विनीता शुक्ला भी हिल गईं और उनके बेजान शरीर में हरकत लौट आई।

परिवार के साथ मौजूद विनीता शुक्ला। ● अमृत विचार

थोड़े बहुत इलाज के बाद वह अब पूरी तरह स्वस्थ हैं। परिवार में होली-दिवाली की खुशियां साथ देखी जा रही हैं। शहर की गुरुकुलपुरम कालोनी में रहने वालीं विनीता शुक्ला (50) जिला न्यायालय के नकल विभाग में सीनियर क्लर्क हैं। कुदरत ने जैसे उन्हें नई जिंदगी दी है। परिजनों के अनुसार, 22 फरवरी की शाम वह घर के काम में व्यस्त थीं कि उन्हें चक्कर आया और बेहोश होकर गिर पड़ीं। परिजन उन्हें जिला अस्पताल ले गए, जहां से बरेली रेफर कर दिया गया था। बरेली के एक निजी अस्पताल में उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया, लेकिन दो दिन तक शरीर में कोई हलचल नहीं हुई। चिकित्सकों ने उन्हें ब्रेन डेड बताकर घर ले जाने को कह दिया।

खबर बरेली से पीलीभीत पहुंची तो वहां घर पर अंतिम संस्कार की तैयारियां भी शुरू कर दी गई थरीं। परिजन एंबुलेंस से उन्हें पीलीभीत वापस ला रहे थे कि रिठौरा के पास सड़क में गड्ढे से गुजरते समय एंबुलेंस को जोरदार झटका लगा। उसी क्षण दो दिनों से निष्क्रिय पड़ी विनीता के शरीर में हलचल हुई और उनकी सांसें लौट आईं। उन्हें पीलीभीत के डॉ. राकेश हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां बिना वेंटिलेटर के इलाज शुरू किया गया। 13 दिन के इलाज के बाद वह स्वस्थ हैं। अस्पताल से से घर आ चुकी है।

न्यूरोसर्जन डॉ. राकेश सिंह ने बताया कि भर्ती के समय विनीता की स्थिति गंभीर थी। पैरों पर दो दांत जैसे निशान दिखे तो स्नेक प्वाइजनिंग की आशंका में एंटी-वेनॉम इंजेक्शन दिए गए। दूसरा इलाज भी शुरू किया गया। देखते-देखते वह ठीक हो गईं। वहीं, विनीता का कहना है कि अब वह सामान्य जीवन जी रही हैं।

परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर परखी गई व्यवस्थाएं

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती–2025 की लिखित परीक्षा चौदह व पंद्रह मार्च को प्रस्तावित है।

एसपी सुकीर्ति माधव के निर्देशन में एएसपी विक्रम दहिया, सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी ने चयनित परीक्षा केंद्र पीएमश्री ड्रमण्ड इंटर कॉलेज, सिद्दीकी नेशनल इंटर कॉलेज, राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, राम इंटर कॉलेज और उपाधि महाविद्यालय का निरीक्षण किया। सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इस दौरान परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी की कार्यशीलता, प्रवेश एवं निकास द्वार, परीक्षार्थियों की तलाशी व्यवस्था, स्ट्रॉन्ग रूम, बैठने की व्यवस्था, पुलिस बल की तैनाती, यातायात व्यवस्था आदि का अवलोकन किया गया। केन्द्र व्यवस्थापकों एवं सम्बन्धित अधिकारियों को परीक्षा को शान्तिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराए जाने के निर्देश दिए। परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, संदिग्ध व्यक्तियों पर सतर्क दृष्टि रखने, अभ्यर्थियों की सघन चेकिंग, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर प्रतिबंध और परीक्षा केन्द्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ न लगने देने के संबंध में निर्देशित किया गया

परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करते एएसपी व सीओ सिटी। ● अमृत विचार

बच्चों को संगीत के प्रति किया प्रेरित

पीलीभीत, अमृत विचार: बल्लभ नगर कालोनी स्थित स्प्रिंगडेल पब्लिक स्कूल में स्पिक मैके कार्यक्रम हुआ। इसका मुख्य उद्देश्य भारतीय संगीत को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम में संतूर वादकों ने अपनी मधुर और मनमोहक धुनों से पूरे वातावरण को संगीतमय बना दिया। शुरुआत निदेशिका चारू धवन और विद्यालय चेयरमैन आरके धवन ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके कराई। संतूर की सुरीली धुनों ने सबको मन्त्रमुग्ध कर दिया। बच्चों को संगीत के प्रति प्रेरित किया।

पुलिस ने पीड़ित पर कर दी कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- भट्ठे पर रहकर मजदूरी कर रहे युवक की झोपड़ी में की थी चोरी
- जहानाबाद क्षेत्र के गुलरिया ईंट भट्ठे पर काम करता है मजदूरी

अमृत विचार : ईंट भट्ठे पर काम करने वाले मजदूर के घर हुई चोरी के आरोपी को पकड़कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। मगर पुलिस ने आरोपी के साथ-साथ शिकायतकर्ता का भी शांति भंग की आशंका में चालान कर दिया।

बरेली जिले के क्योलड़िया थाना क्षेत्र के ग्राम बडेपुरा निवासी रामू पुत्र बुद्धसेन थाना जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम गुलरिया में ईट भट्ठे पर मजदूरी करते हैं। वह अपने परिवार समेत भट्ठे के पास में ही झोपड़ी डालकर रहते हैं। बताते हैं कि 10 मार्च की रात दो बजे अर्जुन पुत्र रामचंद्र उसकी झोपड़ी में घुस आया। आरोपी ने उसकी झोपड़ी से गैस चूल्हा और सिलेंडर चोरी किया और चला गया। थोड़ी देर बाद आरोपी द्वारा उसकी झोपड़ी में आया और चावल का कट्टा चोरी करके ले जाने लगा। जिस पर उसने मौके पर ही आरोपी को पकड़ लिया।

शोर शराबा होने पर भट्ठे के तमाम लोग मौके पर एकत्रित हो गए। इसकी सूचना डायल 112 पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को थाना जहानाबाद ले आई। थाना जहानाबाद पुलिस ने चोरी के आरोपों पर कार्रवाई करने के बजाए आरोपी के साथ-साथ पीड़ित का भी शांतिभंग की आशंका में चालान कर दिया। इंस्पेक्टर जहानाबाद प्रदीप कुमार विश्नोई ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

मढ़ी में रह रहे साधु की संदिग्ध हालत में मौत

घटना के बाद मौके पर लगी भीड़। ● अमृत विचार

संवाददाता, बिलसंडा

अमृत विचार: संदिग्ध परिस्थितियों में एक मढ़ी परिसर स्थित झोपड़ी में रहने वाले बाबा की मौत हो गई। उनका शव फंदे से लटकता मिला। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना कर जानकारी की। परिजन के इन्कार करने पर पोस्टमार्टम नहीं कराया गया है।

घटना थाना क्षेत्र के ग्राम ईंट गांव खेड़ा की है। गांव के रहने वाले 40 वर्षीय संतोष पुत्र सियाराम कई वर्षों से गांव किनारे मढ़ी पर महंत के रूप में सेवा कर रहे थे। वह परिसर में बनी झोपड़ी में रहते थे। बुधवार सुबह ग्रामीणों ने जब मढ़ी में चहल पहल नहीं हुई तो भीतर जाकर देखा। इस दौरान झोपड़ी में संतोष का शव फंदे से लटकता मिला। कुछ ही देर में मौके पर भीड़ जमा हो गई। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। थाना पुलिस ने मौका मुआयना कर जानकारी की। एसओ सिद्धांत शर्मा ने बताया कि सूचना मिलने पर गए थे। परिवार ने शव का पोस्अमर्ज़र्टम कराने से इन्कार करदिया था। इस पर पंचनामा भरकर उनके सुपुर्द कर दिया गया।

दुर्दशा

निर्माणाधीन पुलिया के साथ ही जर्जर पुलों पर बंद है आवागमन, 20 हजार की आबादी करती है सफर

माधौटांडा रोड पर मुश्किलों का सफर, महीनों बाद भी नहीं सुधरे हालात

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: माधोटांडा रोड पर सफर एक साल बीतने के बाद भी जोखिम भरा है। जर्जर पुलों पर आवागमन बंद पड़ा है। वहीं, पुलियों के निर्माण कार्य भी पूरे नहीं हो सके है। कार्य की धीमी गति से अभी आने वाले कई माह और मुश्किल झेलना तय है।

पीलीभीत से कस्बा माधोटांडा की दूरी करीब 28-30 किमी है। इस मार्ग पर 20 हजार के आसपास राहगीर प्रतिदिन सफर करते हैं। बीते साल आई बाढ़ के दौरान कई जगह पुलिया कटकर बह गई थी। जिसके बाद आवागमन लायक सुधार कार्य तो करा दिया गया, लेकिन वह आधा अधूरा है। इसके अलावा नई पुलियों के निर्माण कार्य शुरू कराए गए थे।

शहर से महज पांच किमी दूर सड़ा गौटिया गांव के पास भी पुलिया बनवाई जा रही है। ये भी लंबे साथ बाद अभी पूरी नहीं हो सकी है। कस्बा माधोटांडा के पास भी निर्माण कार्य के चलते साइड से बनाए गए अस्थाई रास्ते से सफर हो रहा है। इसमें भी हादसे का डर बना रहता है।

माधोटांडा, पूरनपुर से जिला मुख्यालय पहुंचने वाले भी अक्सर इसी मार्ग का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में इस मार्ग पर सफर खतरों भरा हो चुका है। दरअसल, निर्माणाधीन पुलियों के चलते सड़कें खोदवा दी गई थी।

निर्माण सामग्री का भी जगह-जगह ढेर लगा हुआ है। इसके अलावा एक साइड से अस्थायी मार्ग राहगीरों के निकलने के लिए बनवाया गया है। मगर, उस मार्ग की स्थिति बेहद खराब है। आलम ये है कि ई-रिक्शा, टेंपो, कार समेत कई वाहन अस्थायी मार्ग पर हुए गहरे गड्ढों में फंस जाते हैं। कई राहगीर गिरकर चोटिल भी हो गए। अधिकांश वाहनों से सवारियां उतार कर गुजरना पड़ता है। रात के वक्त तो रोशनी के इंतजाम न होने पर और खतरा बढ़ा रहता है। बड़े वाहनों की भी आवाजाही होती है। शुरुआत में जरूर कुछ बोर्ड बल्ली लगा दी गई थी, लेकिन अब कोई हालात परखने वाला नहीं है।

सड़ा गौटिया गांव के पास निर्माणाधीन पुलिया के चलते अस्थाई मार्ग से गुजरते राहगीर।

माधोटांडा कस्बे के पास निर्माणाधीन पुलिया के चलते मिट्टी के गुबार से होकर गुजरते वाहन।

मरीजों को ले जाने वाली एंबुलेंस और स्कूली वाहनों को भी मुश्किल

बता दें कि माधौटांडा रोड पर कई निजी अस्पताल और स्कूल हैं। इसके अलावा माधोटांडा से मेडिकल कॉलेज के मरीज रेफर किए जाने पर इसी मार्ग से एंबुलेंस गुजरती हैं। स्कूली बच्चों की आवाजाही भी रहती है। एंबुलेंस और स्कूली वाहन भी फंस जाते हैं। कई बार जाम भी लग जाता है। आसपास के गांव से होकर वाहन निकालने की कोशिश में कई राहगीर नए रास्तों को लेकर भटक भी जाते हैं।

कब शुरू होगा काम कोई नहीं बता रहा

एक तरफ निर्माणाधीन पुलियों की वजह से दिक्कत है। वहीं, दशकों से अनदेखी का शिकार हो रहे पुराने पुल भी जर्जर हो चुके हैं। पीलीभीत–माधोटांडा रोड पर कलीनगर के पास स्थित हरदोई ब्रांच नहर पुल भी दरारें पड़ने पर बंद कर दिया गया था। यहां पर बीते साल से आवागमन बंद है। दोनों तरफ दीवार का पिलर लगा दिए गए हैं ।ऐसे में नहर किनारे और ग्रामीण आबादी क्षेत्र से होकर सफर करते हैं। रात के वक्त वहां से सफर करने में भी परेशानियां कम नहीं है। इसके अलावा माधोटांडा खटीमा मार्ग पर डगा पुल पर भी पहले से आवागमन बंद है।

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता
M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक
अब डॉ. मोहित गुप्ता रविवार को भी मिलेंगे प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक

सुविधायें
ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन
Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana — Ayushman Bharat PM-JAY
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस
सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

घोटालेबाज इलहाम की मुश्किलें बरकरार

नहीं मिली अग्रिम जमानत, जिला जज ने सुनवाई के बाद मामला गंभीर पाकर निरस्त किया प्रार्थना पत्र

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- डीआईओएस दफ्तर में नियम विरुद्ध करता था बाबूगिरी
- एक करोड़ से अधिक पत्नी के खाते में भेजने का मामला

अमृत विचारः डीआईओएस दफ्तर में नियम विरुद्ध तरीके से बाबूगिरी करते हुए एक करोड़ से अधिक सरकारी रकम का घोटाला करने वाले बीसलपुर इंटर कॉलेज के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी इल्हाम उर्रहमान शम्सी को न्यायालय से राहत नहीं मिल सकी है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने उसकी ओर से डाली गई अग्रिम जमानत की याचिका खारिज कर दी है।

बीसलपुर के एक इंटर कॉलेज में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी इल्हाम उर्रहमान शम्सी सात साल से अधिक समय से डीआईओएस कार्यालय में बाबूगिरी करते हुए महत्वपूर्ण पटल संभाल रहा था। आरोप है कि उसने अपनी पत्नी अर्शी खातून के खाते में शिक्षकों के वेतन मद की एक करोड़ से अधिक सरकारी रकम जालसाजी करते हुए भिजवाई और गबन कर लिया। पहले जिम्मेदार इस मामले पर पर्दा डालने में जुटे रहे और फिर जांच के बाद डीआईओएस राजीव कुमार की ओर से इल्हाम उर्रहमान शम्सी और उसकी पत्नी अर्शी खातून के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

मुख्य आरोपी इल्हाम उर्रहमान शम्सी।

अर्शी खातून को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। मुख्य आरोपी इल्हाम अभी फरार है। उसने जिला जज की अदालत में अग्रिम जमानत के लिए प्रार्थना पत्र दिया था। मगर, उसे न्यायालय से राहत नहीं मिल सकी है। इल्हाम उर रहमान शम्सी की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने इसे नामंजूर कर दिया है।

कॉलोनाइजर वेदप्रकाश की भी जमानत याचिका खारिज

जिला जज न्यायालय से एक और बहुचर्चित मामले में जमानत याचिका पर फैसला लिया गया है। शहर के मोहल्ला देश नगर स्थित मधुरवाणी इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के कार्यालय में पूर्व कर्मचारी अनिल कुमार का शव बीते दिनों फंदे से लटका मिला था। इसमें कोतवाली पुलिस पर तहरीर देने के 30 घंटे बाद भी एफआईआर दर्ज न करने पर पीड़ित परिवार राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार के समक्ष पेश हुआ था। कोतवाल के संतोषजनक जवाब न देने पर राज्यमंत्री ने फटकार लगाई थी। जिसके बाद एफआईआर दर्ज हुई और फिर मुख्य आरोपी कॉलोनाइजर वेद प्रकाश कश्यप को जेल भेज दिया था। बचाव पक्ष द्वारा दाखिल की गई रेगुलर जमानत याचिका को ज़िला जज ने मामले की गंभीरता को देखते हुए खारिज कर दिया है।

हत्यारोपी वेद प्रकाश कश्यप।

पुलिस नहीं कर सकी गिरफ्तार, अन्य पर कार्रवाई का इंतजार

एक करोड़ से अधिक का घोटाला पकड़े जाने के बाद जांच चल रही है। मामला शासन स्तर तक भी पहुंच चुका है। कई अन्य खाते भी फ्रीज करने के आदेश दिए जा चुके हैं। जिसमें आरोप है कि इल्हाम उर्रहमान शम्सी ने जालसाजी करते हुए रकम भिजवाई है। इसमें ट्रेजरी और डीआईओएस कार्यालय के कई अन्य जिम्मेदारों की भूमिका पर सवाल उठ चुके हैं। मगर अभी तक उन पर कोई एक्शन नहीं लिया जा सका है। इधर, कोतवाली पुलिस के स्तर से भी लापरवाही बरती जा रही है। उसे पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी है। गैर जनपद में दबिश देने की बात तो पुलिस कर रही है, लेकिन कोई ठोस प्रयास नहीं किए जा सके हैं। अब जमानत याचिका निरस्त होने के बाद जरुर सख्ती बढ़ने की उम्मीद है।

होली पर आए परिवार को पीटा

बीसलपुर, अमृत विचारः कोतवाली में दी तहरीर में ग्राम उगनपुर मरौरी निवासी गुरदयाल ने बताया कि वह होली मनाने के लिए गांव में परिवार के साथ थे। वह अनुसूचित जाति के हैं। पुत्र अरुण कुमार, सचिन कुमार, अभिषेक कुमार और पत्नी बाला देवी बाहर रहकर मेहनत मजदूरी करते हैं। वह भी गांव आए हुए थे। आरोप है कि गांव के ही अंशुल, नितिन, अर्पित, आलोक, अंकित और शिवम गंगवार ने हमला कर पीटा और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित किया। मंगलवार शाम को पुनः घर आकर धमकी दी। पुलिस ने नामजद रिपोर्ट दर्ज की है।

400 सुरक्षा जवान व 50 सुपरवाइजर की होगी भर्ती

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- ब्लॉकों में 14 से 30 मार्च तक आयोजित होंगे भर्ती शिविर
- डीएम ने सभी बीडीओ को प्रचार-प्रसार के दिए निर्देश

अमृत विचारः जनपद के शिक्षित बेरोजगारों को भी अब रोजगार मिल सकेगा। भारतीय सुरक्षा दक्षता परिषद एवं एसआईएस इंडिया लिमिटेड के संयुक्त तत्वाधान में जनपद में 14 मार्च से 30 मार्च तक सुरक्षा जवान एवं सुपरवाइजर भर्ती शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसको लेकर डीएम ने सभी ब्लाकों के बीडीओ को विकास खंड कार्यालयों में प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए हैं।

भर्ती अधिकारी प्रेम प्रकाश ने बताया कि ग्रामीण व शहरी शिक्षित बेरोजगार अभ्यर्थियों को रोजगार प्रदान करने के लिए सिक्योरिटी स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसआईएस) जो एक सुरक्षा एजेंसी है। भारत सरकार की पांचवी सबसे बड़ी रोजगार उपलब्ध कराने एवं 31वी सबसे बड़ी अपने कर्मचारियों को सुविधा देने वाली कंपनी है। यह कंपनी भारतीय सुरक्षा दक्षता परिषद के अंतर्गत ही कार्यरत है। जिसमे प्रशिक्षण के उपरांत चयनित उम्मीदवारों को 65 वर्ष की स्थायी नियुक्ति सरकारी संस्थान गैर सरकारी संस्थान में प्रदान की जाती है।

उन्होंने बताया कि शुरुआती वेतनमान सुरक्षा जवान 16000-22000 तथा सुरक्षा पर्यवेक्षक फायरमैन 18000 से 30000 है। इसके साथ ही पीएफ, ईएसआई बीमा एंश्योरेंस, पेंशन,नौकरी के दौरान दो बच्चों को आईपीएस स्कूल में पढ़ाने की सुविधा, नौकरी के दौरान दुर्घटना होने पर एक लाख से लेकर छह लाख तक सहयोग राशि दी जाती है। भर्ती शिविर सभी खंड विकास कार्यालय में प्रातः 10.00 बजे से 3.00 बजे तक आयोजित किए जाएंगें।

उन्होने बताया कि जनपद के इच्छुक बेरोजगार अभ्यर्थी जिनकी योग्यता सुरक्षा जवान के लिए 10वीं पास/असफल, उम्र 19 से 40 वर्ष, लंबाई 167.5 सेंटीमीटर एवं सुपरवाइजर के लिए 12वीं पास, उम्र 21 से 40 वर्ष, लंबाई 170 सेंटीमीटर हो, आवेदन कर सकते हैं। दो पासपोर्ट साइज फोटो, दसवीं की मार्कशीट की फ़ोटो कॉपी एवं आधार कार्ड की फ़ोटो कॉपी लाना अनिर्वाय है।

अमरिया ब्लॉक से होगी शुरुआत

जनपद में सुरक्षा जवान व सुपरवाइजर के चयन प्रक्रिया 14 मार्च व 16 मार्च अमरिया ब्लॉक परिसर, 17 व 18 मार्च बरखेड़ा ब्लॉक परिसर, 19 व 20 मार्च बिलसंडा ब्लॉक परिसर, 21 व 25 मार्च ललौरीखेड़ा ब्लॉक परिसर, 23 व 24 मार्च 2026 बीसलपुर ब्लॉक परिसर, 26 व 27 मार्च मरौरी ब्लॉक परिसर एवं 28 व 30 मार्च पूरनपुर ब्लॉक परिसर में शिविर आयोजित किए जाएंगें।अधिक जानकारी के लिए भर्ती अधिकारी प्रेम प्रकाश (मो.नं.9917529293) से संपर्क कर सकते है।

रेल मंत्री से मुलाकात के दौरान केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद, राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार, पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान। ● अमृत विचार

पूरनपुर विधायक ने रेल मंत्री के समक्ष रखी मांगें

पीलीभीत, अमृत विचार : रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव से केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद, राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार, पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान ने मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान पूरनपुर विधायक ने रेल मंत्री से पूरनपुर माधोटांडा रेलवे क्रॉसिंग पर ऊपरगामी सेतु, लखनऊ से पूरनपुर होते हुए बरेली दिल्ली अमृतसर एक्सप्रेस व लखीमपुर वाया पूरनपुर पीलीभीत बरेली तक शटल पैसेंजर ट्रेन की मांग की है।

एसपी के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज

दियोरियाकला, अमृत विचारः कोतवाली क्षेत्र के गांव बढ़ैरा निवासी प्रीती पुत्री मुन्नालाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी 6 वर्ष पूर्व बरेली के थाना क्योलड़िया के गांव नकटी नरायनपुर निवासी कालीचरन के पुत्र मनोज से हुई थी। ससुराल वाले दहेज से संतुष्ट नहीं थे। अतिरिक्त दहेज में दो लाख रुपये की मांग करते हुए महिला को प्रताड़ित करने लगे। बताया कि महिला ने थाना क्योलड़िया में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। जिस पर कुछ दिन तक सब कुछ ठीक रहा। इस बीच दो बच्चों को जन्म दिया। डिलिवरी का खर्चा पिता ने किया। कुछ दिन बाद ससुराल वाले फिर 2 लाख रुपये की मांग को लेकर मारपीट करने लगे। आरोप है कि दहेज में दी गई बाइक पति द्वारा जुएं में गिरवी रख दी गई, जिसे उसके पिता ने छुड़ाया था। ससुराल वालों ने दहेज का दबाव बनाते हुए ज़ेवर छीनकर घर से निकाल दिया। पुलिस ने पति मनोज, ससुर कालीचरन, देवर शनि, देवरानी सुषमा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

मृत व्यक्ति के नाम पर की बीमा पॉलिसी, 2 माह बाद दिखाई मौत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- पिथौरागढ़ अस्पताल के फर्जी दस्तावेजों से क्लेम लेने की कोशिश
- जांच में खुला राज, साइबर थाने में महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज

अमृत विचार : दो साल पहले मर चुके व्यक्ति के नाम बीमा पॉलिसी कराई गई और महज दो माह बाद पिथौरागढ़ के अस्पताल में उसकी मौत दिखाकर बीमा क्लेम लेने की कोशिश की गई। कंपनी की जांच में पूरा मामला सामने आया तो फर्जीवाड़े का पर्दाफाश हो गया। बीमा कंपनी के अधिकारी की तहरीर पर साइबर सेल थाने में धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में एफआईआर कराई है।

चंडीगढ़ के सेक्टर-39 स्थित पालसोरा निवासी उमेश कुमार ने एसपी के आदेश पर साइबर सेल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2022 में उत्तराखंड के जनपद पिथौरागढ़ के गूंगाकिन्ना क्षेत्र के ग्राम म्योली निवासी दलजीत सिंह के नाम से बीमा पॉलिसी के लिए आवेदन किया गया था। इसके आधार पर कंपनी ने 28 दिसंबर 2022 को पॉलिसी जारी कर दी। इसके बाद रणजीत कौर निवासी सात म्यूली गुंगा किन्ना पिथौरागढ़ की ओर से चार मार्च 2023 को कंपनी में मृत्यु दावा प्रस्तुत किया गया।

दावे में बीमित व्यक्ति दलजीत सिंह की मृत्यु 11 फरवरी 2023 को पिथौरागढ़ के एक अस्पताल में दिखाई थी। इसके समर्थन में मृत्यु प्रमाण पत्र, स्वलिखित बयान और अस्पताल से जुड़े चिकित्सा दस्तावेज जमा कराए थे। चूंकि पॉलिसी जारी होने के महज दो माह के भीतर बीमित व्यक्ति की मौत दिखाई थी, इसलिए कंपनी ने मामले की जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान कंपनी की टीम जब पिथौरागढ़ पहुंची तो पता चला कि उस नाम का कोई व्यक्ति वहां रहता ही नहीं है।

बाद में जांच में सामने आया कि दलजीत सिंह का वास्तविक पता पीलीभीत जिले के पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बंजरिया में है। टीम ने वहां पहुंचकर उसके पिता से बातचीत की तो उन्होंने बताया कि उनके बेटे की नवंबर 2020 में बीमारी से मौत हो चुकी है, उन्हें किसी बीमा पॉलिसी की जानकारी नहीं है। ग्राम प्रधान ने इसकी पुष्टि की। जब बीमा पॉलिसी में लगाए गए दस्तावेजों की जांच की तो वे फर्जी निकले। पुलिस ने पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बंजरिया निवासी रणजीत कौर पत्नी दलजीत सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY — अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
नि : शुल्क परामर्श
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली।
महीने के प्रत्येक रविवार को
समय : सुबह 10 से 5 बजे तक
डॉ. दीपक माहेश्वरी
MBBS., MD, Consultant Physucuan & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

जीनियस ने फिर बढ़ाया मान, मिला सम्मान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः बीसलपुर तहसील के बबूरा गांव के संजीव कुशवाहा के बेटे जीनियस कुशवाहा ने जिले और मंडल का नाम रोशन किया है। जीनियस कुशवाहा कंपोजिट स्कूल मीरपुर हररायपुर में कक्षा चार के छात्र हैं।

बेसिक शिक्षा विभाग की 36 वीं राज्य स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता अंतर्राष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान अयोध्या में नौ मार्च से 11 मार्च के बीच कराई गई। जीनियस कुशवाहा ने पहले जिले में ही सबको पछाड़ते हुए गोल्ड जीता। फिर मंडलीय प्रतियोगिता शाहजहांपुर में कराई गई। वहां भी जीनियस कुशवाहा ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया और प्रथम स्थान हासिल कर राज्य स्तरीय क्रीडा प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए अयोध्या पहुंचे। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में कराटे अपने बेहतरीन धुआंधार प्रदर्शन से सभी को चौंका दिया। निर्णायक मंडल ने जैसे ही निर्णय सुनाया तो जीनियस कुशवाहा के साथ उनके पिता संजीव कुशवाहा खुशी से फूले नहीं समाए। जीनियस को उच्च अधिकारियों ने रजत पदक और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया है। जीनियस की बहन अक्षरा कुशवाहा पहले से ही कुश्ती खेल में अंतरराष्ट्रीय क्रीड़ा संस्थान अयोध्या में प्रशिक्षण ले रही हैं। जीनियस के पिता संजीव कुशवाहा मीरपुर हर रायपुर स्कूल में ही शिक्षामित्र हैं।

जीनियस कुशवाहा के पिता ही उनके कोच हैं। राज्य स्तर की प्रतियोगिता में संजीव कुशवाहा अपने बेटे को प्रतिभाग कराने खुद लेकर गए। जबकि मां जया कुशवाहा बबूरा गांव की ग्राम प्रधान रह चुकी हैं। जिला व्यायाम शिक्षक राजीव कुमार ने बताया कि जीनियस कुशवाहा एक प्रतिभावान खिलाड़ी छात्र है। इस उपलब्धि पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रोशनी सिंह ने बधाई देते हुए प्रसन्नता जाहिर की है।

छात्र जीनियस कुशवाहा।

- 36वीं राज्य स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता में जीता रजत पदक

न्यूज ब्रीफ

कहासुनी के बाद देवरानी को पीटा

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना ईसानगर के गांव शेखपुर मजरा सुल्तानापुर निवासी उपमा देवी ने बताया कि शाम करीब 4 बजे उसकी जेठानी रन्नो, जेठ उमाशंकर और कमलेश कुमारी ने कहासुनी के बाद गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी-डंडों से हमला कर उसे घायल कर दिया। जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लाठी-डंडों से हमला, दो लोगों के सिर फोड़े

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : मोहम्मदी कोतवाली क्षेत्र के कंधरापुर निवासी दर्शन सिंह पुत्र सिपाही सिंह ने बताया कि मंगलवार को उसके भाई जय सिंह और गांव के आनंद सिंह का गांव के ही कल्लू और मल्लू से विवाद हो रहा था। सूचना मिलने पर वह और उसके चाचा ज्ञान सिंह मौके पर झगड़ा छुड़ाने पहुंचे। आरोप है कि इसी दौरान कल्लू और मल्लू ने दोनों को लाठी-डंडों से पीटना शुरू कर दिया, जिससे उनके सिर में गंभीर चोटें आ गईं। जान से मारने की धमकी देकर आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया है।

खंभारखेड़ा मिल बंदी की दूसरा नोटिस जारी

खंभारखेडा, अमृत विचार : बजाज चीनी मिल खंभारखेडा ने मिल बंदी की दूसरी नोटिस जारी की है ।ची नी मिल के यूनिट हेड अवधेश गुप्ता ने बताया कि हमारे क्षेत्र के कृषकों के पास चीनी मिल को आपूर्ति योग्य गन्ना समाप्त हो गया है,जिस कारण हमारी चीनी मिल को मांग के अनुसार गन्ना उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। इससे मिल का पेराई कार्य बाधित हो रहा है। क्षेत्र के जिन किसानों के पास गन्ना है। वह 14 मार्च तक चीनी मिल को अपना आपूर्ति योग्य कर दें।

विधायक का होली मिलन समारोह आज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : विधायक अमन गिरि के प्रतिनिधि जवाहर लाल वर्मा ने बताया कि 12 मार्च को शाम छह बजे से नगर की अलीगंज रोड स्थित जयशंकर बारात घर में विधायक अमन गिरि की उपस्थिति में होली मिलन समारोह होगा, जिसमें समाज के प्रति उत्कृष्ट कार्य करने वाले नगर के कुछ प्रतिष्ठितजनों को अरविंद गिरि फाउंडेशन से छोटी काशी गौरव सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

महिलाओं पर फब्तियां कसने वाला गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना खीरी एसओ निराला तिवारी ने बताया कि पुलिस ने राह चलती महिलाओं पर अश्लील टिप्पणियां करने वाले थाना शारदानगर के गांव हजारिया निवासी अनीस को सुंसी मोड़ से गिरफ्तार किया है। एसआई प्रियंका गौतम ने आरोपी को मुखबिर की सूचना पर दबोच लिया। रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

दो वांछितों को गिरफ्तार कर चालान किया

कुकरा, अमृत विचार : मैलानी थाना की कुकरा चौकी इंचार्ज अवलीश पवार ने पुलिस टीम के साथ सोनू पुत्र रमेश और रमेश पुत्र रामजियावन निवासी बरौछा को गिरफ्तार करने के बाद चालान भेज दिया है।

अजब गैस का गजब संकट... यहां ग्राहकों को ना, ब्लैकियों को हां

घरों के लिए गैस सिलेंडर की वेटिंग होने से उपभोक्ता परेशान, सड़क-बाजारों में रेडी-खोमचों पर खुलेआम होता दिख रहा घरेलू गैस का इस्तेमाल

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: रसोई गैस की आपूर्ति और दावों की कहानी जिले में बेमानी सी नजर आ रही है। उपभोक्ताओं को समय पर गैस नहीं मिल पा रही। वहीं, दूसरी ओर सड़क, बाजार, चौराहों पर ठेले-खोमचे वाले बेखौफ होकर रसोई गैस का सिलेंडर उड़ा रहे हैं। प्रशासन का कहना है कि गैस की कोई कमी नहीं है और रोज 15 हजार सिलिंडर की डिलीवरी की जा रही है। इसके बाद भी कितने ही परिवारों को घर का चूल्हा जलाने को समय से सिलेंडर क्यों नहीं मिला रहा, इसका जवाब किसी के पास नही है। हालात देखते तो ऐसा लगता है कि मुनाफाखोरी के चक्कर में जबरदस्ती गैस संकट पैदा करने की कोशिशें चल रही हैं।

ईरान-इजरायल जंग के चलते दुनिया के कई देशों में ऊर्जा-ईंधन संकट जरूर देखने को मिल रहा है, लेकिन भारत सरकार वैकल्पिक इंतजामों के जरिए गैस, पेट्रोल, डीजल की पर्याप्त आपूर्ति की बात लगातार कह रही है। अमृत विचार की टीम ने मैदान में उतरकर कुकिंग गैस को लेकर हो रहीं दिक्कतों के बारे में जानकारी जुटाई तो सच कुछ और सामने आता दिखा है। जमीनी स्थिति यह है कि जहां आम परिवार गैस सिलिंडर के लिए एजेंसी और डिलीवरी का इंतजार करते हैं, वहीं शहर की सड़कों और बाजारों में रेडी-खोमचों पर घरेलू लाल सिलिंडर खुलेआम जलते दिख रहे हैं। चाय, चाट और नाश्ते की रेहड़ियों पर वही सिलेंडर इस्तेमाल होता नजर आता है, जो घरों की रसोई के लिए निर्धारित है। उपभोक्ताओं को कहना है कि मुनाफाखोरी के इस खेल में गैस एजेंसियों से जुड़े हॉकर और बिचौलियों की भूमिका का हाथ होने की आशंका है। कुछ एजेंसी कर्मचारी भी इसमें मिले हो सकते हैं। आरोप है कि कई बार डिलीवरी ब्वॉय रास्ते में ही घरेलू सिलिंडर रेडी-खोमचे वालों को दे देते हैं, जबकि उपभोक्ताओं को सप्लाई नहीं आई या स्टॉक नहीं है जैसे जवाब दे दिए जाते हैं।

अफसरों के अनुसार, जिले में 83 गैस एजेंसियां संचालित हैं और लगभग आठ लाख से अधिक उपभोक्ता गैस कनेक्शन से जुड़े हैं। प्रतिदिन करीब 16 हजार सिलिंडर की आपूर्ति मिलने और उसमें से 15 हजार की डिलीवरी का दावा है। इसके बावजूद कई इलाकों में उपभोक्ताओं की शिकायतें सामने आ रही हैं। बाजारों में घरेलू सिलेंडर के खुले इस्तेमाल ने यह सवाल भी खड़ा कर दिया है कि जब बुकिंग से लेकर डिलीवरी तक पूरी व्यवस्था ऑनलाइन और ओटीपी आधारित बताई जाती है, तो बिना वैध बुकिंग के सिलिंडर रेडी-खोमचों तक कैसे पहुंच रहे हैं? स्थानीय लोगों का कहना है कि इस व्यवस्था की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, ताकि घरेलू गैस के दुरुपयोग पर रोक लग सके।

लखीमपुर शहर की चटपटी गली में ठेले पर लगा घरेलू गैस सिलेंडर।

बाईपास पर एक दुकान पर प्रयोग किया जा रहा घरेलू सिलिंडर।

मुख्य मार्ग पर लगे ठेले पर घरेलू सिलिंडर प्रयोग करते हुए।

- गैस की मुनाफाखोरी के चक्कर में हो रही परेशानी
- सिलेंडर के लिए गैस एजेंसियों की दौड़ लगा रहे हैं लोग
- सरकार की सख्ती के बाद भी नहीं रुक रहा खेल

पलिया: 25 दिन का नियम, उपभोक्ताओं का गम

पलिया कलां, अमृत विचार : घरेलू गैस उपभोक्ता के लिए गैस बुकिंग का 25 दिन बाद वाला नियम जी का जंजाल बन गया है। पलिया नगर में तीन गैस एजेंसियां हैं। इनसे पूरे शहर व आसपास के गांवों को गैस सिलिंडरों की सप्लाई की जाती है। अब जब गैस बुकिंग के बदले हुए नियमों के तहत घरेलू गैस उपभोक्ताओं को दूसरा सिलिंडर 25 दिन बाद दिए जाने की व्यवस्था की गई है, तो वे परेशान हो उठे हैं। इनमें सबसे ज्यादा दिक्कत उन उपभोक्ताओं को है, जिनके परिवार बड़े हैं। उनका कहना है कि एक सिलेंडर 25 दिन नहीं चल पाता है। उधर पलिया नगर के होटलों , रेस्टोरेंटों सहित सड़क पर ठेला खोमचा लगाकर चाय- नाश्ता बनाकर बिक्री करने वालों के यहां अब व्यावसायिक सिलिंडरों की जगह घरेलू गैस सिलिंडरों से ही काम हो रहा है। डिलीवरी मैन कुछ अधिक दाम लेकर आसानी से इन्हें गैस सिलेंडर दे देते हैं। उधर, नगर के मेला सिंह चौराहे से लेकर मोहल्ला पठान में स्थित बेसिक प्राइमरी स्कूल तक कई स्थानों पर बड़े सिलिंडरों से छोटे सिलिंडरों में रिफिलिंग की जाती हुई अभी भी दिख जा रही है। प्रशासन को इस ओर ध्यान देना चाहिए।

खोमचों पर कैसे पहुंच रहे रसोई सिलेंडर

शहर के कई इलाकों में यह चर्चा है कि गैस एजेंसियों से जुड़े डिलीवरी ब्वॉय इस पूरे खेल की अहम कड़ी बने हुए हैं। आरोप है कि कई बार रास्ते में ही घरेलू सिलिंडर रेडी-खोमचे वालों को अतिरिक्त शुल्क लेकर दे दिए जाते हैं। इससे रेडी वालों को सस्ता ईंधन मिल जाता है, जबकि आम उपभोक्ताओं को कई बार इसके चलते सप्लाई नहीं आई या स्टॉक खत्म है जैसे जवाब सुनने पड़ते हैं।

जनपद में खपत-आपूर्ति का गणित

खीरी जिले में करीब 83 गैस एजेंसियां संचालित हैं और लगभग आठ लाख से अधिक उपभोक्ता गैस कनेक्शन से जुड़े हैं। अधिकारियों के अनुसार रोजाना औसतन करीब 15 हजार सिलिंडरों की डिलीवरी की जाती है, जबकि जिले के अधिकांश परिवार अब भी रसोई गैस सिलेंडर पर ही निर्भर हैं।

शासन की सख्ती पर मैदान में उतरी टीमें, गोदामों में शुरू की चेकिंग

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: गैस की कमी को लेकर फैल रही अफवाहों पर सख्ती दिखाते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़े निर्देश जारी किए हैं। सीएम के निर्देश बाद जिला प्रशासन गैस को लेकर अलर्ट है।

बुधवार को डीएओ अंजनी कुमार सिंह ने अधिकारियों के साथ गैस एजेंसियों पर बुकिंग व्यवस्था, सर्वर समस्या को दूर करने को कोशिश की। वहीं गैस गोदामों पर स्टॉक को भी चेक किया। उन्होंने शहर में इंडियन गैस एजेंसी रानी सती लखीमपुर में जिला पूर्ति अधिकारी अंजनी कुमार सिंह एजेंसी का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने एजेंसी मालिक राजेश अग्रवाल से जानकारी की। यहां एजेंसी पर पूरी तरह सर्वर ठीक मिला। इसके बाद उन्होंने गैस गोदामों पर स्टॉक चेक किया।

लखीमपुर में गैस गोदाम पर स्टॉक चेक करते डीएसओ। ● अमृत विचार

ऑनलाइन व्यवस्था पर उठ रहे सवाल

गैस कंपनियों का दावा है कि बुकिंग से लेकर डिलीवरी तक पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन और ओटीपी आधारित की जा रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि बिना वैध बुकिंग के घरेलू सिलेंडर रेहड़ी-खोमचों तक कैसे पहुंच रहे हैं। यदि ऐसा हो रहा है तो वितरण व्यवस्था की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

क्या कहते हैं उपभोक्ता

बुकिंग के बाद भी नहीं मिल रहा सिलेंडर

पांच मार्च को गैस सिलिंडर की बुकिंग कराई थी। सात मार्च को मोबाइल पर मैसेज भी आ गया कि सिलिंडर डिलीवरी के लिए निकल चुका है और डिलीवरी कोड भी भेजा गया, लेकिन 11 मार्च तक भी उनके घर सिलिंडर नहीं पहुंचा। इसके बाद कई बार एजेंसी से संपर्क करने के बावजूद संतोषजनक जवाब नहीं मिला। – **रोहित कुशवाहा**, उपभोक्ता– भारत गैस

कोशिश पर भी नहीं हो पा रही बुकिंग

हिंदुस्तान पेट्रोलियम का सिलिंडर है। होली के बाद खाली हो गया था। सात मार्च से बुकिंग की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ओटीपी नहीं मिल रहा है। एजेंसी पर भी कोई समुचित जवाब नहीं मिल रहा है। हालांकि अभी एक सिलिंडर है, लेकिन वह भी खाली होने वाला है। ऐसे में यदि सिलिंडर न मिला तो दिक्कत हो जाएगी। –**राजेश कुमार गुप्ता**, मो. ईदगाह– लखीमपुर

बुकिंग न हो पाने से लगा रहे चक्कर

भारत गैस कंपनी के उपभोक्ता है। आठ मार्च से बुकिंग की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ओटीपी ही नहीं मिल रहा है। सिलिंडर खत्म हो गया है। रिश्तेदार से मांगकर काम चला रहे हैं। जल्द ही बुकिंग न हुई तो काफी परेशानी होगी। इसी तरह उनके अन्य रिश्तेदार भी गैस बुकिंग के लिए भटक रहे हैं।
–**बूटानी खान**, मो. थरबरनगंज– लखीमपुर

क्या कहते हैं जिम्मेदार

जिले में हर दिन 15 हजार घरेलू गैस सिलिंडरों की मांग है, जिसके सापेक्ष हमें 16 हजार सिलिंडर मिल रहे हैं। इससे घरेलू गैस की कोई दिक्कत नहीं है। सर्वर में दिक्कत जरूर आई थी, जिसे दूर कर लिया है। आवश्यकता के अनुसार ही बुकिंग कर उपभोक्ता सहयोग बनाएं। गैस की न तो कोई दिक्कत है और न ही होने दी जाएगी।
– **अंजनी कुमार सिंह**, डीएसओ।

जिले में गैस आपूर्ति में कहीं कोई दिक्कत नहीं है। अफवाह के चलते उपभोक्ता एहतिहातन अधिक से अधिक सिलेंडर मंगाकर रखने के लिए अतिरिक्त बुकिंग कर रहे हैं, जिससे समस्या आ रही है। हालांकि होली के बाद सदैव मांग बढ़ती है, लेकिन इस बार युद्ध के कारण अफवाह से उपभोक्ता परेशान हैं। सभी से अपील है कि जिसे जरूरत है, वही गैस की बुकिंग करे। –**डॉ. अरुण कुमार सिंह**, अध्यक्ष खीरी एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन।

खीरी में 14-15 मार्च को 16 केंद्रों पर होगी दरोगा भर्ती परीक्षा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की ओर से उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की परीक्षा जिले के 16 परीक्षा केंद्रों पर 14 और 15 मार्च को आयोजित की जाएगी। परीक्षा दोनों दिन दो-दो सत्रों में होगी। प्रथम पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और द्वितीय पाली अपराह्न 3 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगी। प्रत्येक सत्र में 4800 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे।

परीक्षा को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं नकलविहीन ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और पुलिस अधीक्षक डॉ. ख्याति गर्ग ने कलेक्ट्रेट में अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक का संचालन एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने किया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम ने नोडल अधिकारी (पुलिस), नोडल अधिकारी (प्रशासन), सभी स्टेटिक मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक और सहायक केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिया कि परीक्षा निर्धारित नियमों के अनुरूप ही कराई जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर छोटी से छोटी गलती भी अक्षम्य होगी। सभी संबंधित अधिकारी बोर्ड द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का भली-भांति अध्ययन कर लें और परीक्षा से जुड़ी सभी तैयारियां समय से पूरी कर लें। डीएम ने केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिए कि शासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार परीक्षा केंद्रों की सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी कराई जाएं। उन्होंने स्टेटिक मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने केंद्रों पर भ्रमणशील रहकर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से कंट्रोल रूम से सभी कक्षों की निगरानी करते रहें।

पुलिस अधीक्षक डॉ. ख्याति गर्ग ने बताया कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की भ्रामक खबरों पर रोक लगाने के लिए सोशल मीडिया पर भी कड़ी निगरानी रखी जाएगी। वहीं अपर पुलिस अधीक्षक पवन गौतम ने परीक्षा से संबंधित जरूरी जानकारी देते हुए अधिकारियों की शंकाओं का समाधान किया। एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक और सहायक केंद्र व्यवस्थापकों को उनके दायित्वों की विस्तार से जानकारी दी। बैठक में नोडल अधिकारी (पुलिस), नोडल अधिकारी (प्रशासन), सभी स्टेटिक व सेक्टर मजिस्ट्रेट, वरिष्ठ कोषाधिकारी, केंद्र व्यवस्थापक, केंद्र प्रभारी पुलिस, जनपदीय कंट्रोल रूम प्रभारी मौजूद रहे।

बैठक को संबोधित करतीं डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल। ● अमृत विचार

बैठक में मौजूद अधिकारी। ● अमृत विचार

- प्रत्येक पाली में 4800 परीक्षार्थी होंगे शामिल
- डीएम-एसपी ने अधिकारियों को दिए निर्देश

एसपी दफ्तर के स्टेनो पर महिला ने लगाए आरोप

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- सीओ गोला को सौंपी जांच, सहारनपुर की महिला ने भेजा प्रार्थना पत्र

अमृत विचार: सहारनपुर निवासी एक महिला ने एसपी कार्यालय में तैनात स्टेनो पर गंभीर आरोप लगाए हैं। एसपी ने प्रकरण को गंभीरता से लेकर जांच सीओ गोला रमेश कुमार तिवारी को सौंपी है।

महिला ने एसपी से की शिकायत में कहा है कि स्टेनो गौरव शर्मा से उसका निकाह हुआ था। कुछ समय से उसे जानमाल की धमकियां दी जा रही हैं। महिला का आरोप है कि कुछ वर्ष पहले गौरव शर्मा ने उसे कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म किया और उसका वीडियो भी बना लिया। जब उसे होश आया और उसने विरोध किया तो आरोपी ने वीडियो वायरल करने और फर्जी मुकदमे में जेल भेजने की धमकी दी। महिला का कहना है कि बाद में 27 दिसंबर 2018 को गौरव शर्मा ने निकाह कर अपना नाम समीर रख लिया था। महिला ने यह भी बताया कि कुछ दिन पहले एक मोबाइल नंबर से उसे धमकाया गया। महिला ने किसी भी अनहोनी की स्थिति में गौरव उर्फ समीर को जिम्मेदार ठहराया है। वहीं स्टेनो गौरव शर्मा का कहना है कि मामला कई साल पुराना है, जिसकी जांच पहले ही हो चुकी है और प्रकरण समाप्त हो चुका है। उनका कहना है कि महिला ने फिर से प्रार्थना पत्र दिया है। एसपी डॉ. ख्याति गर्ग ने बताया कि शिकायत पर जांच कराई जा रही है। जांच गोला क्षेत्राधिकारी रमेश कुमार तिवारी को सौंपी गई है। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एआरटीओ परिसर में पकड़े गए दलाल पर रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- वाहन स्वामित्व परिवर्तन के नाम पर मांगे थे दो हजार रुपये
- सीडीओ के औचक निरीक्षण में सामने आया था मामला

अमृत विचार: एआरटीओ कार्यालय पर सीडीओ के छापामार कार्रवाई के दौरान वाहन स्वामित्व परिवर्तन कराने के नाम पर वाहन स्वामी से दो हजार रुपये मांगे जाने के मामले में पुलिस ने प्रधान सहायक की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बतादें कि डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल के आदेश पर मंगलवार को सीडीओ अभिषेक कुमार अचानक एआरटीओ कार्यालय पहुंच गए थे। उन्होंने कार्यालय के मेन गेट को बंद करा कर जांच पड़ताल की। इस दौरान कैमाखादर टीकर निवासी इस्तियाक ने शिकायत सीडीओ को पूछने पर बताया की कि वह अपने वाहन का स्वामित्व परिवर्तन कराने के लिए कार्यालय आया था। आरोप है कि कार्यालय में मौजूद रवी ने उसका काम कराने के लिए दो हजार रुपये की मांग की और कहा कि रुपये देने के बाद ही उसका काम कराया जाएगा। शिकायत सामने आने पर सीडीओ ने संबंधित व्यक्ति के खिलाफ थाने में तहरीर देने के निर्देश एआरटीओ शांति भूषण पांडेय को दिए थे। एआरटीओ के प्रधान सहायक अशोक कुमार वर्मा की ओर से कोतवाली सदर में तहरीर दी गई। शहर कोतवाल राजेश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी रवी पुत्र प्रेम शंकर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मामले की जांच एसआई संचित यादव को सौंपी गई है।

नो स्मोकिंग डे पर सीएमओ ने सबको तंबाकू छोड़ने की दिलाई शपथ

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत नो स्मोकिंग डे पर बुधवार को सीएमओ कार्यालय सभागार में जागरूकता कार्यक्रम एवं हस्ताक्षर अभियान आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता ने की। अधिकारियों और कर्मचारियों को तंबाकू सेवन न करने व समाज को इसके प्रति जागरूक करने की शपथ दिलाई गई।

अधिकारियों, कर्मचारियों और स्वास्थ्य कर्मियों ने हस्ताक्षर अभियान में भाग लेते हुए तंबाकू मुक्त समाज बनाने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि तंबाकू सेवन आज के समय में एक गंभीर जनस्वास्थ्य समस्या बन चुका है, जिससे लाखों लोगों की जान हर वर्ष जा रही है। इसलिए इसके दुष्प्रभावों को लेकर व्यापक स्तर पर जागरूकता फैलाना बेहद जरूरी है।

गोष्ठी में शपथ दिलाते सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता। ● अमृत विचार

सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता ने कहा कि धूम्रपान निषेध दिवस की शुरुआत वर्ष 1984 में मार्च के दूसरे बुधवार को की गई थी। इसका उद्देश्य लोगों को धूम्रपान और तंबाकू के सेवन से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक करना है। भारत में हर वर्ष लगभग 13 लाख से अधिक लोगों की मौत तंबाकू सेवन के कारण होती है। इसके अलावा सेकेंड हैंड स्मोक यानी दूसरों के धूम्रपान के धुएं के संपर्क में आने से भी लगभग 10 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है।

तंबाकू का सेवन व्यक्ति के शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाता है। एक सिगरेट पीने से व्यक्ति अपने जीवन के 5 से 20 मिनट तक कम कर लेता है। तंबाकू से 10 से अधिक प्रकार के कैंसर, हृदय रोग, स्ट्रोक, फेफड़ों की गंभीर बीमारियां और अस्थमा जैसी समस्याएं हो सकती हैं। धूम्रपान करने वाले लोग सामान्य लोगों की तुलना में औसतन 10 वर्ष पहले मृत्यु का शिकार हो जाते हैं। सीएमओ ने कहा कि सबसे चिंताजनक बात यह है कि किशोरों और युवाओं में तंबाकू का चलन तेजी से बढ़ रहा है। आंकड़ों के अनुसार 13 से 15 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 8 प्रतिशत बच्चे तंबाकू का उपयोग करते पाए गए हैं। यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई तो आने वाले समय में यह एक बड़ी स्वास्थ्य चुनौती बन सकती है। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डिप्टी सीएमओ डॉ. प्रमोद वर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जिले में नियमित रूप से जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर भी लोगों को तंबाकू के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया जा रहा है।

- हस्ताक्षर अभियान के जरिए किया गया जागरूक
- तंबाकू से होने वाली बीमारियों पर दी गई जानकारी

डिप्टी सीएमओ डॉ. धनीराम ने कहा कि तंबाकू का सेवन केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि परिवार और समाज पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ. पूनम ने कहा कि तंबाकू सेवन से कैंसर, हृदय रोग और श्वसन संबंधी बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। यदि लोग समय रहते तंबाकू का सेवन छोड़ दें तो कई गंभीर और जानलेवा बीमारियों से बचा जा सकता है।

कार्यक्रम में एसीएमओ डॉ. एसपी मिश्रा, एसीएमओ डॉ. आरएम गुप्ता, डिप्टी सीएमओ डॉ. लालजी पासी, डॉ. राकेश गुप्ता, जिला मलेरिया अधिकारी हरिशंकर, डैम सतपाल सिंह, एनसीडी सेल से विजय वर्मा, देवनंदन श्रीवास्तव, अभिषेक कश्यप, अनुज श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

अम्बा हैल्थ क्लीनिक

डॉ. आर. एस. सिंह
B.A.M.S.
(आयुर्वेदाचार्य)
स्त्री-पुरुष रोग विशेषज्ञ
30 वर्षों से चिकित्सा का अनुभव प्राप्त
ISO.9001:2015 Certify Tredmark Clinic

★पतले-दुबले ★गाल पिचके ★कमजोर स्त्री-पुरुष ★मोटापा व वजन बढ़ाने के लिए परामर्श लें।

चिकित्सा जानकारी
भूख न लगना, अपच, कब्ज, गैस बनना, खाने के बाद शौचालय जाना, बच्चों का शारीरिक विकास न होना, पुलिस व फोर्स आदि नौकरी में नाप तौल में कमी होना, बच्चों का बिस्तर गीला करना, मोटे पेट व थुल-थुले व्यक्ति का वजन कम करना, कील-मुंहासे, झाइयां, सफेद दागों व सावलापन हटाना, सुन्दर दिखाना, बालों का समय से पहले झड़ना, टूटना, सफेद होना एवं गंजापन होना, खूनी व वादी बवासीर आदि सभी बिमारियों का परामर्श लें।

किसी भी प्रकार का नशा जैसे
शराब, अफीम, गुटखा, सुल्फा, गांजा बीड़ी, सिगरेट आदि नसा छुड़ाने की रोगी को बिना लाये बिना बताये जानकारी प्राप्त करें।

स्त्री-पुरुष गुप्त समस्याएं
- स्वपन दोष, शीघ्रपतन, मर्दाना कमजोरी होना
- हस्तमैथुन, धात जाने से कमी होना
- इन्द्री का ढीलापन-छोटापन व पतलापन होना
- वीर्य में शुक्राणु का कम होना
- ल्यूकोरिया, बांझपन, बच्चेदानी में रसोली होना
- यौन अंगो का ढीलापन या इच्छा कम होना
- मासिक धर्म अनियमित होना या उम्र से पहले बन्द होना

वैवाहिक जीवन को सफल बनायें अविकसित सीना को सुडौल आकर्षक बनायें

Sexually Transmitted Bacterial Disease
सुजाक, गिनोरिया, एड्स, यौन अंगो पर खुजली या छाले पड़ने पर तुरन्त डाक्टर से सम्पर्क करें

गलत फिल्में देखने व फोन पर बातें करने से या पेशाब में चिपचिपा पदार्थ निकलने पर तुरन्त सम्पर्क करें

डॉ. साहब
आपके विश्वास पर सभी बिमारियों को ठीक करने की कोशिश कर सकते हैं दावा या गारंटी नहीं दे सकते

मिलें सुबह 11 से सायं 5 बजे तक
दिनांक :-
22 मार्च 2026, रविवार
5 अप्रैल 2026, रविवार
निकट बरेली कॉलेज, होटल मोती महल काली बाड़ी चौराहा, बरेली
9837069463
7599211076

गड्ढों में तब्दील सिंगाही-सिन्हौंना सड़क

सैकड़ों ग्रामीण रोज जोखिम उठाकर गुजरने को मजबूर, शिकायतों के बाद भी जिम्मेदार बेखबर

संवाददाता, सिंगाही

जर्जर सडक पर निकलते वाहन। ● अमृत विचार

अमृत विचारः सिंगाही से सिन्हौना को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग इन दिनों बदहाली की मिसाल बन गया है। सिंगहां खुर्द और अयोध्यापुरवा के पास सड़क इतनी जर्जर हो चुकी है कि वह सड़क कम और गड्ढों का जाल ज्यादा नजर आती है। हालत यह है कि बिना बारिश के ही सड़क पर जगह-जगह पानी भरा हुआ है, जिससे राहगीरों को हर समय हादसे का डर बना रहता है।

यह मार्ग क्षेत्र के कई गांवों को जोड़ने वाली प्रमुख सड़क है, जिससे प्रतिदिन किसान, छात्र-छात्राएं, मजदूर और छोटे व्यापारी सिंगाही बाजार और आसपास के क्षेत्रों में आते-जाते हैं। लेकिन सड़क की बदहाली ने लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को मुसीबत में डाल दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पर बने गहरे गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता। ऐसे में बाइक और साइकिल सवार अचानक असंतुलित होकर गिर जाते हैं। कई लोग अब तक चोटिल हो चुके हैं। सबसे ज्यादा परेशानी स्कूल जाने वाले बच्चों को हो रही है, जिन्हें रोजाना इसी खस्ताहाल रास्ते से होकर गुजरना पड़ता है।

बरसात के मौसम में स्थिति और भी भयावह हो जाती है। उस समय पूरी सड़क तालाब में तब्दील हो जाती है। लोगों का कहना है कि अभी बिना बारिश के ही जलभराव होना इस बात का साफ संकेत है कि सड़क की जल निकासी व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है और लंबे समय से इसकी मरम्मत नहीं कराई गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस समस्या को लेकर कई बार पीडब्ल्यूडी विभाग और संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। विभागीय लापरवाही के कारण ग्रामीणों में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि प्रदेश में सड़कों के विकास के बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग नजर आती है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, पीडब्ल्यूडी विभाग और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि सड़क की तत्काल मरम्मत कराकर जल निकासी की समुचित व्यवस्था की जाए, ताकि लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

सड़क की हालत इतनी खराब हो गई है कि पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। गड्ढों में भरे पानी के कारण आए दिन लोग गिरकर चोटिल हो रहे हैं। **-श्याम मोहन दीक्षित**, अध्यक्ष प्रधान संघ।

बिना बरसात के ही सड़क पर पानी भरा रहना यह साबित करता है कि जल निकासी व्यवस्था चौपट हो चुकी है। प्रशासन शिकायतों के बाद भी ध्यान नहीं दे रहा है। **-दिनेश कनौजिया**, अयोध्यापुरवा।

स्कूल जाने वाले बच्चों को रोजाना इसी रास्ते से गुजरना पड़ता है। कई बार बच्चे साइकिल से गिरकर घायल हो चुके हैं, जिससे अभिभावकों में डर बना रहता है। **-रामू जायसवाल**, ग्रामीण।

यदि जल्द सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। क्योंकि सड़क की हालत काफी खराब है। जनप्रतिनिधियों को भी ठोस कदम उठाएं। **-लक्ष्मी देवी**, सिंगहा खुर्द।

सड़क की स्थिति संज्ञान में है और अप्रैल में प्रस्तावित योजना के तहत सड़क के चौड़ीकरण का प्रस्ताव भेजा जाएगा। बाकी आवश्यक कार्रवाई भी की जाएगी। **-आरके नागर** जेई, पीडब्ल्यूडी।

मामले की जानकारी लेकर संबंधित अधिकारियों को अवगत कराकर सड़क को ठीक कराया जाएगा। - **अभिषेक कुमार**, सीडीओ।

आबकारी निरीक्षक को लौटाने पड़े किसान के पैसे

आबकारी निरीक्षक से बातचीत करते पटेल श्रीकृष्ण वर्मा और किसान मदनलाल।

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- **राकिशसं के हस्तक्षेप से किसान को वापस किए पांच हजार रुपये**

अमृत विचारः पहली मार्च को थाना हैदराबाद क्षेत्र के गांव भैंसटा निवासी किसान मदनलाल से आबकारी निरीक्षक अविनाश रावत द्वारा वसूली का मामला राष्ट्रीय किसान शक्ति संगठन के हस्तक्षेप से सुलट गया है। आबकारी निरीक्षक ने किसान के 5000 रुपए भी वापस कर खेद व्यक्त किया।

पहली मार्च को गन्ना किसान मदनलाल चीनी मिल में गन्ना बेचकर घर वापस जा रहा था। तभी आबकारी विभाग के कर्मचारियों ने अपनी गाड़ी में ट्राली से टक्कर मारने की बात कहकर किसान को रोक लिया था और चीनी मिल ऑफिस में ले जाकर 5000 रुपये वसूल लिये थे। इस घटना के समाचार अखबारों में प्रकाशित हुए, जिस पर राष्ट्रीय किसान शक्ति संगठन के प्रदेश अध्यक्ष पटेल श्रीकृष्ण वर्मा ने 6 मार्च को एसडीएम गोला को ज्ञापन देकर आंदोलन की चेतावनी दी थी। तो आबकारी निरीक्षक अविनाश रावत ने संगठन के नेताओं से संपर्क किया। मंगलवार की शाम को पीड़ित किसान मदनलाल, आबकारी निरीक्षक अविनाश रावत, रामनरेश वर्मा, अविनाश चंद्र वर्मा, संजय कुमार के साथ बैठकर बातचीत हुई और समझौता हो जाने पर आबकारी निरीक्षक ने मदनलाल को पांच हजार रुपये वापस दे दिए।

गन्ना छीलने से मना किया, मजदूर को पीटा

लखीमपुर खीरी, अमृत विचारः फरधान थाना क्षेत्र में गांव विलरिया निवासी रविंद्र ने पुलिस को बताया कि सुबह करीब 7 बजे वह पिता को इलाज के लिए लखीमपुर ले जा रहा था। इसी दौरान गांव के कृष्णा और पुत्र सुनील उसके घर पहुंच गए और खेत में गन्ना छीलने के लिए कहा। जब उसने इंकार किया तो आरोपियों ने डंडों से उसकी पिटाई की। सुनील ने बाएं हाथ पर डंडा मारा, जिससे हाथ टूट गया। शोर सुनकर बचाने आई पत्नी रामज्योति को भी मारपीट कर घायल कर दिया। आसपास के लोग जुटने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग निकले। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर घायल मजदूर को अस्पताल में भर्ती कराया है।

राहतः बौधिया कला में चल रही चकबंदी प्रक्रिया निरस्त

संवाददाता, निघासन

अमृत विचारः तहसील क्षेत्र की ग्राम पंचायत बौधिया कला में पिछले एक वर्ष से चल रही चकबंदी प्रक्रिया को आखिरकार निरस्त कर दिया गया है। चकबंदी आयुक्त के इस फैसले से गांव के किसानों और ग्रामीणों ने राहत महसूस की है। लंबे समय से चल रही इस प्रक्रिया के कारण ग्रामीणों को कई तरह की प्रशासनिक और कृषि संबंधी दिक्कतें हो रही थी।

चकबंदी प्रक्रिया के चलते किसानों के आवश्यक राजस्व संबंधी कार्य प्रभावित हो रहे थे। खतौनी निकलवाने और खसरा बनवाने जैसे जरूरी कामों में लगातार बाधा आ रही थी, जिससे ग्रामीणों में असंतोष बढ़ता जा रहा था। इसी समस्या को लेकर गांव के लोगों ने न्यायालय की शरण ली और चकबंदी प्रक्रिया निरस्त करने की मांग की। इस मामले में गांव के पूर्व प्रधान यशपाल सिंह और भीम सिंह ने याचिकाकर्ता के रूप में पैरवी की। वहीं ग्रामीणों ने क्षेत्रीय विधायक शशांक वर्मा से भी मुलाकात कर अपनी समस्या से अवगत कराया और चकबंदी निरस्त कराने की मांग रखी।

विधायक ने प्रमुख सचिव से मुलाकात की और पैरवी को तेज कराया। मुख्यमंत्री के समक्ष भी उठाया। न्यायालय में प्रस्तुत प्रत्यावेदन और विभिन्न पक्षों की सुनवाई के बाद अंततः चकबंदी आयुक्त ने ग्राम पंचायत बौधिया कला की चकबंदी प्रक्रिया को निरस्त करने का आदेश जारी कर दिया। आदेश की जानकारी मिलते ही गांव में खुशी की लहर दौड़ गई।

राजराजेश्वरी दुर्गा मंदिर बना आस्था का केंद्र

झंडी, अमृत विचारः क्षेत्र के ग्राम गुलरी पुरवा स्थित मां राजराजेश्वरी दुर्गा मंदिर श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। यहां हर माह की 11 तारीख को विशाल मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें दूर-दराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर माता के चरणों में मत्था टेकते हैं। भक्तों की मान्यता है कि इस दरबार से कोई भी खाली हाथ नहीं लौटता और मां राजराजेश्वरी अपने भक्तों की झोली खुशियों से भर देती हैं।क्षेत्रीय लोगों और श्रद्धालुओं का विश्वास है कि जो भी भक्त सच्चे मन से यहां मन्नत मांगता है, उसकी मनोकामना अवश्य पूरी होती है।

मंदिर की महिमा के कारण न केवल स्थानीय बल्कि आसपास के जनपदों से भी लोग अपनी समस्याएं और मनोकामनाएं लेकर माता के दरबार में पहुंचते हैं।

वन्यजीवों से बचाव को चला अभियान

संवाददाता, पलिया कलां

- **दुधवा टाइगर रिजर्व क्षेत्र के गांवों में दी गई सुरक्षा की जानकारी**
- **वन्यजीव दिखने पर तुरंत वन विभाग को सूचना देने की अपील**

अमृत विचारः दुधवा टाइगर रिजर्व क्षेत्र से बाहर निकल रहे हिंसक वन्यजीवों को देखते हुए आसपास के गांवों में इन दिनों जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। बुधवार को कई गांवों में गोष्ठियां आयोजित कर ग्रामीणों और विद्यार्थियों को वन्यजीवों से बचाव के उपायों की विस्तार से जानकारी दी गई।

दुधवा टाइगर रिजर्व वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यहां हाथी और बाघ सहित कई दुर्लभ वन्यजीव अच्छी संख्या में पाए जाते हैं। इसके साथ ही गैंडा पुनर्वास योजना के तहत यहां 52 गैंडे भी संरक्षित हैं। विगत वित्तीय वर्ष में इनमें से चार गैंडों को स्वच्छंद विचरण के लिए छोड़ा जा चुका है, जबकि छह अन्य गैंडों को भी जल्द ही खुले क्षेत्र में छोड़ने पर विचार किया जा रहा है।

दुधवा टाइगर रिजर्व के दुधवा बाघ संरक्षण फाउंडेशन के कार्मिक आसपास के गांवों में लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं।

धनीराम मोटिवेटर ने दक्षिण सोनारीपुर रेंज के सीमावर्ती गांव बुद्धापुरवा और इटैया के प्राथमिक विद्यालयों में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें छात्र-छात्राओं, अध्यापकों, स्थानीय लोगों और ईको विकास समिति के सदस्यों ने भाग लिया। वहीं बेलरायां रेंज के समीप स्थित पचपेड़ा और रिछिया गांवों में ग्राम प्रधानों के आवास पर मोटिवेटर नाजरुन निशा ने जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।

ग्राम प्रधानों के साथ ग्रामीणों और बेलरायां रेंज के स्टाफ शरीफ अहमद, वन दरोगा विकास तिवारी तथा वन रक्षक भी मौजूद रहे। मोटिवेटर और वन विभाग के कर्मचारियों ने ग्रामीणों को वन्यजीवों से बचाव के उपाय बताए और सलाह दी कि यदि गांव या खेतों के आसपास कोई वन्यजीव दिखाई दे तो तत्काल वन विभाग को सूचना दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

नाले की खुदाई बनी मुसीबत, लोग परेशान

संवाददाता, कुकरा

गोला तहसील में एसडीएम को शिकायती पत्र देने जाते ग्रामीण। ● अमृत विचार

नाला खोदकर सड़क पर डाला मलबा।

- **सड़क तक मलबा पड़ा होने से आवागमन प्रभावित**
- **आक्रोशित ग्रामीणों ने एसडीएम को सौंपा शिकायती पत्र**

अमृत विचारः कस्बा कुकरा में लोक निर्माण विभाग द्वारा जेसीबी से कराई गई नाले की खुदाई अब स्थानीय लोगों के लिए बड़ी परेशानी बन गई है। नाले का मलबा सड़क तक पड़ा होने से लोगों को आवागमन में दिक्कतें हो रही हैं। परेशान लागों ने एसडीएम को पत्र सौंपकर सड़क से मलबा हटवाने की मांग की है।

कसबा के लोगों का कहना है कि लोक निर्माण विभाग के जेई आलोक कुमार पटेल और प्रधान प्रतिनिधि की देखरेख में मेन चौराहे से पहाड़पुर रोड तक बने नाले की सफाई के नाम पर जेसीबी से खुदाई करा दी गई, जिससे नाला टूट गया और उसका मलबा पिछले 15 दिनों से सड़क किनारे ही पड़ा हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि नाले की खुदाई के बाद उसकी मरम्मत नहीं कराई गई, जिससे जल निकासी व्यवस्था पूरी तरह बाधित हो गई है। इससे मुकीम, अशहद और रहीस के घरों के सामने नाला टूटने से गंदा पानी भरने लगा है और जलभराव की समस्या पहले से अधिक गंभीर हो गई है।

लगातार समस्या झेल रहे ग्रामीणों का सब्र आखिरकार टूट गया और दर्जनों लोग एकत्र होकर गोला तहसील पहुंचे। करीब 40 ग्रामीणों के हस्ताक्षरयुक्त शिकायती पत्र उपजिलाधिकारी गोला प्रतीक्षा त्रिपाठी को सौंपकर मामले की जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और नाले की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की गई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि नाले की सफाई के नाम पर मनमाने तरीके से खुदाई कर दी गई, लेकिन उसके बाद मलबा हटाने और नाले को ठीक कराने की कोई व्यवस्था नहीं की गई। इससे आसपास के घरों के सामने गंदा पानी जमा हो रहा है और लोगों को आवागमन में भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बताया जाता है कि उपजिलाधिकारी प्रतीक्षा त्रिपाठी ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया है कि शिकायत की जांच कराकर जल्द ही समस्या का समाधान कराया जाएगा।

महिला आयोग सदस्य ने की सुनवाई

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

जनसुनवाई करतीं महिला आयोग की सदस्य सुजीता कुमारी। ● अमृत विचार

- **कलेक्ट्रेट के अटल सभागार में पीड़ित महिलाओं की सुनीं समस्याएं**
- **संबंधित विभागों के अधिकारियों को दिए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश**

अमृत विचारः उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य सुजीता कुमारी ने बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित अटल सभागार में महिला जनसुनवाई कर महिलाओं से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता दिखाई। उन्होंने घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, संपत्ति विवाद, पारिवारिक कलह और अन्य प्रकार के महिला उत्पीड़न से जुड़े 49 नए मामलों की सुनवाई की। साथ ही आयोग के समक्ष पहले से लंबित प्रकरणों की प्रगति की समीक्षा की गई।

जनसुनवाई के दौरान पीड़ित महिलाओं ने अपनी समस्याएं और व्यथा आयोग सदस्य के सामने खुलकर रखीं। महिलाओं ने पुलिस, पारिवारिक और सामाजिक उत्पीड़न से जुड़े मामलों की जानकारी दी। इस पर सुजीता कुमारी ने प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता से सुनते हुए मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पीड़ित महिलाओं को समयबद्ध न्याय दिलाना प्रशासन की जिम्मेदारी है और इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिला समाज कल्याण अधिकारी वंदना सिंह, नायब तहसीलदार सुनील कुमार, थानाध्यक्ष शिल्पी शुक्ला, वन स्टॉप सेंटर प्रभारी रश्मि चतुर्वेदी, संरक्षण अधिकारी अनुज चतुर्वेदी सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

महिला उत्थान मंडल ने उठाई आशाराम बापू की रिहाई की मांग

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन करतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

- **राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन डीएम को सौंपा**

अमृत विचारः संत आशाराम बापू की स्थायी रिहाई की मांग को लेकर बुधवार को महिला उत्थान मंडल से जुड़ी महिलाएं कलेक्ट्रेट पहुंची। महिलाओं ने राष्ट्रपति के नाम संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी कार्यालय में सौंपते हुए संत की रिहाई की मांग उठाई।

बुधवार दोपहर महिला उत्थान मंडल के बैनर तले महिलाएं नारेबाजी करते हुए डीएम कार्यालय पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने संत आशाराम बापू की स्थायी रिहाई की मांग करते हुए अपनी आवाज बुलंद की।

संगठन से जुड़ी नीलम वर्मा ने बताया कि संत आशाराम बापू द्वारा स्थापित महिला उत्थान मंडल लंबे समय से समाज में महिलाओं के जागरूकता अभियान, संस्कार निर्माण और सामाजिक उत्थान के लिए कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि संत आशाराम बापू ने समाज में नैतिक मूल्यों, संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना के प्रचार-प्रसार के लिए कई सेवा कार्य किए हैं, जिनसे देश-विदेश में लाखों लोग प्रभावित हुए हैं।

ज्ञापन में महिलाओं ने कहा कि संत आशाराम बापू पिछले कई वर्षों से जेल में हैं और उनकी आयु लगभग 87 वर्ष हो चुकी है। बढ़ती उम्र और स्वास्थ्य की स्थिति को देखते हुए उन्हें अंतरिम जमानत भी मिल चुकी है। ऐसे में मानवीय आधार पर उन्हें सम्मानपूर्वक स्थायी रिहाई दी जानी चाहिए। महिलाओं ने राष्ट्रपति से मामले में हस्तक्षेप कर संत आशाराम बापू को स्थायी रिहाई देने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने के बाद महिलाएं शांतिपूर्वक वापस लौट गईं।

अपनी समस्याएं लिखित रूप में दें पेंशनर्स

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

कार्यक्रम में मौजूद पेंशनर्स। ● अमृत विचार

- **कार्यक्रम में काव्यधारा और होली गीतों की धूम, वरिष्ठ सदस्यों का सम्मान**
- **पेंशनर्स कल्याण संस्था की मासिक बैठक व होली मिलन समारोह आयोजित**

अमृत विचारः उत्तर प्रदेश पेंशनर्स कल्याण संस्था जनपद शाखा की मासिक बैठक एवं होली मिलन समारोह बुधवार को पेंशनर्स भवन जिला कोषागार परिसर में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. ओपी श्रीवास्तव ने की। बैठक का आरंभ संरक्षक अशोक कुमार श्रीवास्तव ने सरस्वती वंदना के साथ किया। मंचासीन पदाधिकारियों ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर तथा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया।

महामंत्री नरेश चंद्र वर्मा ने सदस्यों से अपनी समस्याएं लिखित रूप में देने का अनुरोध किया।

कोषाध्यक्ष महताब अली ने संस्था की गत माह की आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। बैठक का संचालन डॉ. सुशीला सिंह ने किया। बैठक में राम बहादुर मित्रा, केपी त्रिपाठी, रघुनंदन झा, बालक राम मौर्य, दयाशंकर वर्मा, राम टहल वर्मा, अरविंद वर्मा, आरपी त्रिपाठी सहित कई सदस्यों ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में नए सदस्यों व मार्च माह में जन्म लेने वाले पदाधिकारियों और सदस्यों को माल्यार्पण कर जन्ममाह की शुभकामनाएं दी गईं।

साथ ही 80 वर्ष से अधिक आयु के अति वरिष्ठ सदस्यों का माल्यार्पण और उत्तरीय ओढ़ाकर सम्मान किया गया। अध्यक्ष डॉ. ओपी. श्रीवास्तव ने संस्था की गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए मार्गदर्शन दिया। होली मिलन का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

कवि सम्मेलन में आमंत्रित कवियों ने काव्य की रसधारा बहाकर माहौल को उल्लासमय बना दिया। संदीप मोहन ने सरस्वती वंदना से काव्यपाठ की शुरुआत की और भारतीय संस्कृति तथा होली पर्व की महिमा पर कविताएं सुनाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतिष्ठित कवि इंद्रपाल वर्मा ने अवधी भाषा में देशभक्ति और होली पर्व पर आधारित भावपूर्ण रचनाएं प्रस्तुत कीं। डॉ. स्वाति पांडेय ने देशभक्ति, सामाजिक व्यवस्था और होली मिलन पर आधारित कविताएं सुनाईं।

डॉ. सुशीला सिंह ने स्वरचित होली गीत प्रस्तुत कर श्रोताओं को आनंदित किया, वहीं अशोक कुमार श्रीवास्तव ने होली गीत और शायरी से कार्यक्रम में रंग भर दिया।कवियों को प्रमाण पत्र, उत्तरीय और माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया।

न्यूज ब्रीफ

स्मैक के साथ युवक को किया गिरफ्तार

पलिया कलां, अमृत विचार : थानाध्यक्ष पंकज त्रिपाठी ने बताया कि पुलिस ने चेकिंग के दौरान मोहल्ला माहिगिरान द्वितीय निवासी सदाकत अली को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 4 .45 ग्राम स्मैक बरामद हुई है। एनडीपीएस एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने आरोपी का चालान भेजा है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी सदाकत अली का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके खिलाफ पहले भी थाना पलिया में वर्ष 2022 में एनडीपीएस एक्ट के तहत तथा वर्ष 2024 में अन्य धाराओं में मुकदमे दर्ज हो चुके हैं।

दुष्कर्म के आरोपी का चालान, कोर्ट ने भेजा जेल

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : सदर कोतवाली के अपराध निरीक्षक दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म करने के आरोपी मोहनपुरवा निवासी सुहेब अली का पुलिस ने बुधवार को चालान कर कोर्ट में पेश किया। जहां से कोर्ट ने उसे न्याकि अभिरक्षा में जेल भेज दिया। बता दें कि सदर कोतवाली के एक गांव निवासी 14 वर्षीय किशोरी मंगलवार की दोपहर घर से शौच करने खेतों की तरफ गई थी। गन्ने के खेत में घुसते ही पहले से घात लगाए बैठे सुहेब ने उसे दबोच लिया था और दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर चालान भेजा है।

सोशल मीडिया पर डाली अशोभनीय पोस्ट

बरवर, अमृत विचार : सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और हिंदुओं के खिलाफ कथित तौर पर अशोभनीय पोस्ट किए जाने से क्षेत्र में माहौल गरमा गया है। मामले को लेकर एक युवक ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। बताया जा रहा है कि सुफरान खान नाम के व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया पर गाली-गलौज और अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए पोस्ट की गई थी, जिसके बाद लोगों में नाराजगी फैल गई। इस मामले में बरवर के गांधीनगर निवासी अंकित ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

बस की टक्कर से ग्राम विकास अधिकारी घायल

रोशननगर, अमृत विचार : जनपद प्रयागराज निवासी ऋतुराज की पत्नी रितु यादव (30) ब्लॉक की ग्राम पंचायत कुंभी में ग्राम विकास अधिकारी पद पर तैनात हैं। बताया जाता है कि दोपहर में वह स्कूटी पर कुभी से गोला वापस आ रही थीं। तभी मोहम्मदी रोड पर गांव झारा मोड़ के पास बस ने सामने से टक्कर मार दी, जिससे वी स्कूटी सहित सड़क पर गिरकर गंभीर घायल हो गई।

पुलिया पर बाइक पलटने से युवक की मौत, दो घायल

गुस्साए ग्रामीणों ने जाम लगाकर किया प्रदर्शन, निर्माण कार्य में बरती गई लापरवाही के लिए जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी।

अमृत विचारः कोतवाली तिकुनिया क्षेत्र में कौड़ियाला-तिकुनिया मार्ग पर बन रही निर्माणाधीन पुलिया पर मंगलवार देर शाम अधूरे और असुरक्षित हिस्से पर बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके दो साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे से आक्रोशित ग्रामीणों ने बुधवार को पुलिया पर जाम लगाकर जोरदार प्रदर्शन किया और निर्माण कार्य में बरती गई लापरवाही के लिए जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की।

हादसा सूरतनगर टांडा गांव के पास हुआ। कोतवाली तिकुनिया क्षेत्र के सूरतनगर टांडा निवासी मनोज (25) अपने साथियों सोनू और अर्जुन के साथ एक ही बाइक पर सवार होकर कौड़ियाला घाट से घर लौट रहे थे। बताया जाता है कि गांव के पास बन रही निर्माणाधीन पुलिया का एक हिस्सा अधूरा और ऊबड़-खाबड़ है। इसी दौरान बाइक अनियंत्रित होकर पुलिया के अधूरे हिस्से में पलट गई। हादसे में तीनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना

निर्माणाधीन पुलिया के पास जाम लगाकर प्रदर्शन करते ग्रामीण। ● अमृत विचार

● **दो घंटे तक कौड़ियाला-तिकुनिया मार्ग रहा जाम**

की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। रोते-बिलखते परिवार के लोग और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों की मदद से तीनों घायलों को एंबुलेंस के जरिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निघासन भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने मनोज को मृत घोषित कर दिया। वहीं हालत गंभीर होने पर घायल सोनू और अर्जुन को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

हादसे की खबर फैलते ही इलाके में आक्रोश फैल गया। बुधवार सुबह तमाम ग्रामीण निर्माणाधीन पुलिया पर एकत्र हो गए और कौड़ियाला-तिकुनिया मार्ग पर जाम लगाकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि पुलिया निर्माण के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई है। न तो वहां कोई चेतावनी बोर्ड लगाया गया है और न ही बैरिकेडिंग की गई है, जिससे आए दिन हादसे की आशंका बनी रहती है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई।

पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। करीब दो घंटे तक जाम रहने के बाद यातायात दोबारा बहाल हो सका। उधर पुलिस ने मृतक मनोज के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के पिता राजकरन ने कोतवाली तिकुनिया में तहरीर देकर पुलिया निर्माण में बरती गई लापरवाही को हादसे के लिए जिम्मेदार ठहराया है। कोतवाल पुष्पराज कुशवाहा का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

मैलानी खुटार रोड पर ट्राला की टक्कर से क्षतिग्रस्त कार। ● अमृत विचार

अर्टिका और ट्राला की टक्कर में बाल-बाल बच्चे कार सवार

मैलानी, अमृत विचार : खुटार रोड पर आर्टिका कार और ट्राला की हुई टक्कर में कार क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि कार सवार बाल बाल बच गये। कार में टक्कर मारने वाला ट्राला चालक मय वाहन मौके से भाग गया।

सड़कों पर तेज रफ्तार में चल रही गाड़ियां हादसों का कहर अब रुकने का नाम नही ले रहा है। इससे संबंधित अधिकारियों के कान पर जूं तक नहीं रेंगती है। तेज रफ्तार गाड़ियों की टक्कर में अक्सर रोडें लाल होती रहती हैं। मैलानी से खुटार रोड पर पड़ने वाली गदनिया वीट जंगल में दोपहर खुटार की तरफ से एक नयी सफेद अर्टिका कार दिल्ली से चलकर नेपाल जा रही थी। गाड़ी में सवार सभी नेपाल के ही निवासी थे।

गाड़ी अभी एक हफ्ता पूर्व ही खरीदी गई थी, सभी पूजा पाठ में शामिल होने नेपाल जा रहे थे। रास्ते में ही हादसा हो गया, कार में एक महिला सहित सात लोग सवार थे। कार सवारों में जनक (30) पुत्र धन बहादुर, विनीता (40) पत्नी वीर बहादुर, कमलेश (22) पुत्र भरत बहादुर, प्रदीप कोष्हिर (21) पुत्र वीरेंदर, प्रेम (46) पुत्र विश्वनाथ, गणेश (66) पुत्र मंगल बहादुर, राम बहादुर (50) पुत्र नरेश बहादुर शामिल थे। तभी विपरीत दिशा मैलानी की तरफ से आ रहे ट्राला ने कार में टक्कर मार कर मौके से भाग गया। गनीमत रही कि कार तो क्षतिग्रस्त हो गई किंतु उसमें सवार बाल बाल बच गए। उनके हल्की फुल्की छोटे आई। घटना की सूचना पाकर पीआरबी 112 पुलिस कर्मी और 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंच गई। जिन्होंने घायलों को अस्पताल पहुंचाया है। खुटार अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को छुट्टी दे दी गई।

महिला को फंदे पर लटकाने की कोशिश

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: थाना शारदानगर क्षेत्र में दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को प्रताड़ित करने और मारपीट कर फांसी लगाकर जान से मारने की कोशिश की गई। पुलिस ने पीड़ित महिला की तहरीर पर पति समेत चार लोगों के खिलाफ जानलेवा हमला समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव खमरिया निवासी कामिनी ने बताया कि उसका विवाह 26 अप्रैल 2024 को रोहित कुमार पुत्र रामसागर निवासी जमुनिहा थाना शारदानगर के साथ हुआ था। शादी में उसके परिवार ने दान-दहेज दिया था, लेकिन ससुराल पक्ष इससे संतुष्ट नहीं था। आरोप है कि पति रोहित, ससुर रामसागर, सास सुशीला और ननद नीलू सोने की चेन और अंगूठी की मांग करते हुए उसे लगातार प्रताड़ित करते थे। 8 मार्च की सुबह करीब 10 बजे आरोपियों ने उसे पीटकर रस्सी से गला बांधकर लटका दिया।

शोर सुनकर पहुंचे पड़ोसियों ने किसी तरह उसे बचाया। पीड़िता का कहना है कि आरोपियों ने उसके जेवर और कपड़े भी छीन लिए और जान से मारने की धमकी दी। सूचना मिलने पर उसके पिता उसे ससुराल से घर ले आए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर महिला का मेडिकल परीक्षण कराया है। प्रकरण की जांच एसआई शिव कुमार को सौंपी है।

घटना के छह दिन बाद पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट

संवाददाता, पलिया कलां

● **घर में घुसकर महिला से छेड़छाड़ और मारपीट का आरोप**

अमृत विचारः महिला अपराधों को लेकर स्थानीय पुलिस कितना संजीदा है। इसकी बानगी थाना क्षेत्र के एक गांव में घर में घुसकर महिला के साथ छेड़छाड़ की। आरोपी ने विरोध करने पर महिला को पीटा भी। पुलिस ने छह दिन बाद रिपोर्ट दर्ज की।

नगर से सटे एक गांव की पीड़िता ने बताया कि घटना बीते 4 मार्च 2026 को दोपहर करीब एक बजे की है। गांव का ही दिनेश कुमार यादव उसके घर में घुस आया। उस समय वह घर में अकेली थी। आरोप है कि युवक ने गलत नीयत से उसे पकड़ लिया और जबरन छेड़छाड़ करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने महिला के कपड़े फाड़ दिए और उसके साथ अभद्रता की। महिला के शोर मचाने पर उसका पति, पड़ोस की महिलाएं और अन्य लोग मौके पर पहुंच गए। इसके बाद आरोपी वहां से भाग गया। पीड़िता का आरोप है कि थोड़ी देर बाद आरोपी अपने परिवार के कई लोगों के साथ फिर से घर पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए पति-पत्नी के साथ मारपीट की, जिसमें उन्हें चोटें आईं।

उन्होंने घटना की सूचना यूपी 112 पुलिस को भी दी, जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। घटना के दिनही उसने पति के साथ थाने पर जाकर मुख्य आरोपी समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी थी, लेकिन पुलिस आज कल करती टहलाती ही। मंगलवार की देर शाम पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच एसआई अरविंद कुमार मौर्य को सौंपी है। एसओ पंकज त्रिपाठी ने बताया कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पलिया में आज आएंगे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता रवि तिवारी ने बताया कि गुरुवार को पलिया कलां के माल गोदाम रोड स्थित हरिशंकर लाल परिसर में कार्यक्रम उत्तर प्रदेश किसान कांग्रेस के अध्यक्ष बृज मौर्य की ओर से किया जा रहा है। सम्मेलन की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व सांसद एवं राष्ट्रीय महासचिव उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी की उपस्थिति रहेंगे। विशिष्ट अतिथियों में नेता विधान मंडल दल कांग्रेस आराधना मिश्रा मोना, सीतापुर सांसद राकेश राठौर, पूर्व सांसद जफर अली नकवी और पूर्व सांसद रवि प्रकाश वर्मा शामिल रहेंगे। जिला अध्यक्ष प्रहलाद पटेल ने स्वागत की जिम्मेदारी स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं को सौंपी है। मरखापुर में जिलाध्यक्ष प्रहलाद पटेल की अगुवाई में अतिथियों का स्वागत किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।

होली मिलने आई मां-बेटियों व नवविवाहिता को पीटा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● **धारदार हथियारों से हमले का आरोप, कई लोग**

अमृत विचारः थाना भीरा कोतवाली क्षेत्र में दो लाख रुपये की मांग पूरी न होने पर ससुरालियों ने नवविवाहिता, उसकी मां और रिश्तेदारों पर कुल्हाड़ी व धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर घायलों को अस्पताल भेजा है।

पीलीभीत जिले के माधौटांडा थाना क्षेत्र के रुद्रपुर निवासी नरेंद्र सिंह ने बताया कि करीब चार माह पहले उसने अपनी भांजी संजना देवी की शादी भीरा थाना क्षेत्र के दिदारू टांडा निवासी नरेश सिंह पुत्र लालता सिंह से से की थी। 9 मार्च को होली के अवसर पर नरेंद्र सिंह की मां कुसमा देवी और उनकी दो बेटियां गीता देवी व अनीता देवी, संजना देवी के ससुराल होली मिलने पहुंची थीं। इसी दौरान ससुराल पक्ष के लालता सिंह, महेश, रूप सिंह, बसंत सिंह, कुलदीप सिंह और श्रवण सिंह ने दो लाख रुपये की अतिरिक्त दहेज मांग की और कहा कि पहले उनकी मांग पूरी की जाए, तभी उन्हें घर में रुकने दिया जाएगा। विरोध करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए कुल्हाड़ी और अन्य धारदार हथियारों से हमला कर दिया। इस हमले में कुसमा देवी, गीता देवी, अनीता देवी, संजना देवी और नरेश सिंह घायल हो गए। बताया गया कि कुछ घायलों की हालत गंभीर है। पीड़ित पक्ष का यह भी आरोप है कि आरोपी इससे पहले भी अपनी बड़ी बहू के साथ ऐसी घटना कर चुके हैं, जिसमें उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मामले की जांच एसआई अनिल कुमार यादव को सौंपी गई है।

अफसरों के आदेश पर लिखी गई पूर्व इंस्पेक्टर की रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● **रिटायर्ड इंस्पेक्टर ने लगाया मकान पर कब्जा करने और चोरी का आरोप**

अमृत विचारः शहर के संकटा देवी मोहल्ले में मकान पर कब्जा और चोरी के मामले में कार्रवाई न होने पर एक सेवानिवृत्त पुलिस इंस्पेक्टर ने उच्च अधिकारियों से शिकायत की है। रिटायर्ड इंस्पेक्टर ने आरोप लगाया है कि कोर्ट के आदेश और जांच रिपोर्ट के बावजूद पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की। अफसरों के आदेश पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोहल्ला संकटा देवी निवासी 78 वर्षीय सेवानिवृत्त इंस्पेक्टर सुरेंद्र कुमार संड ने अतिरिक्त आयुक्त (लॉ एंड ऑर्डर) को शिकायती पत्र भेजा था, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह वर्ष 1971 के भारत-बांग्लादेश युद्ध में सेवा दे चुके हैं और कई पदकों से सम्मानित हैं। उन्होंने बताया कि उनकी मां सावित्री देवी और अविवाहित भाई त्रिभुवन संड की मृत्यु के बाद वसीयत के आधार पर मकान उनके नाम नगर पालिका में दर्ज है। शिकायत के अनुसार वाराणसी निवासी रजनी सारस्वत और उसके परिवार ने मकान पर कब्जा करने की नीयत से पहले झूठा आरोप लगाकर विवाद खड़ा किया। बाद में मामला न्यायालय में गया, जहां कोर्ट कमिश्नर की जांच और अदालत के निर्णय में मकान का मालिक और कब्जाधारी सुरेंद्र कुमार संड को माना गया। आरोप है कि इसके बावजूद 25 अप्रैल 2025 को रजनी सारस्वत, उसके बेटे शिवम, सत्यम, सुंदर और खुशी समेत अन्य लोगों ने मकान के कमरों के ताले तोड़ दिए और अंदर रखा सामान चोरी कर कब्जा कर लिया। उसने कई बार पुलिस चौकी, कोतवाली, एएसपी और पुलिस अधीक्षक से शिकायत की, लेकिन अब तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपियों ने मकान की दुकानों और गोदाम पर भी अवैध कब्जा कर किराये पर दे दिया तथा घर के मुख्य गेट पर ताला लगाकर आवागमन रोक दिया। रिटायर्ड इंस्पेक्टर ने मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। सदर कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खेत में संदिग्ध हालात में मिला ग्रामीण का शव

संवाददाता, बेहजम

● **घास काटने के लिए खेतों की तरफ गया था ग्रामीण**

अमृत विचारः थाना नीमगांव क्षेत्र के बेहटा गांव के पास बुधवार को एक 48 वर्षीय व्यक्ति का शव संदिग्ध हालात में मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक की पहचान राजकिशोर (48) पुत्र निवासी ग्राम गौरिया थाना फरधान के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक राजकिशोर बुधवार दोपहर जानवरों के लिए घास काटने खेतों की ओर गया था, लेकिन देर शाम तक नहीं लौटा तोपरिजनों को चिंता हुई और उन्होंने उसकी तलाश शुरू की। इस दौरान नीमगांव थाना क्षेत्र के बेहटा गांव के पास खेतों में राजकिशोर का शव संदिग्ध हालत में पड़ा मिला। शव मिलने की सूचना फैलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई।

बेहजम पुलिस चौकी प्रभारी संदीप यादव पुलिस टीम के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने मौके का बारीकी से निरीक्षण किया और आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ कर जानकारी जुटाई। इसके बाद पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि फिलहाल मौत के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह सामने आ सकेगी। पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच कर रही है।

83 परिषदीय स्कूलों के बच्चों को मिलेंगी लर्निंग किट

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः सीडीओ अभिषेक कुमार की पहल पर बुनियादी शिक्षा को रचनात्मक बनाने की दिशा में नई शुरुआत की गई है। विकासखंड नकहा के कंपोजिट विद्यालय धोबाहा में सीडीओ अभिषेक कुमार ने विंटर आर्ट किट वितरण एवं प्लेग-ऑफ कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों के चेहरों पर उत्साह साफ नजर आया। सीडीओ ने परिषदीय स्कूलों की बालिकाओं के साथ वितरण वाहन को हरी झंडी दिखाकर अभियान की शुरुआत की और बच्चों को किट वितरित की। उन्होंने कहा कि शिक्षा को केवल किताबों तक सीमित न रखकर कला और पर्यावरण से जोड़ना समय की आवश्यकता है। सीडीओ ने बताया कि एजुकेट गर्ल्स संस्था के सहयोग से जिले के 83 परिषदीय विद्यालयों के 4150 छात्र-छात्राओं को लर्निंग किट उपलब्ध कराई जाएंगी। पहले चरण में कंपोजिट विद्यालय धोबाहा के 60 बच्चों को यह किट दी गई। ज्ञान का पिटारा मॉडल बच्चों के सीखने की प्रक्रिया को अधिक रोचक और प्रभावी बनाएगा। इससे उनकी रचनात्मक क्षमता विकसित होगी और विद्यालय के प्रति उनका जुड़ाव भी मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि ऐसी पहलें शासन के निपुण भारत मिशन जैसे लक्ष्यों को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

बच्चों के साथ कार्यक्रम में मौजूद सीडीओ अभिषेक कुमार। ● अमृत विचार

● **सीडीओ ने धोबाहा विद्यालय में विंटर आर्ट किट वितरण व प्लेग-ऑफ कार्यक्रम का किया आरंभ**

सीडीओ ने बच्चों से जीवन कौशल से जुड़े विषयों पर संवाद करते हुए उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। वहीं बीईओ शत्रुघ्न सरोज, प्रधानाध्यापक जगदीश कुमार तथा शिक्षक बृजेंद्र वर्मा, कुसुमलता और ज्योति ने इस पहल को विद्यालय के लिए नई ऊर्जा देने वाला बताया। सीडीओ ने छात्रा सृष्टि और लक्ष्मी के साथ विंटर कैंप वाहन को हरी झंडी दिखाकर अभियान को आगे बढ़ाया। इस मौके पर एजुकेट गर्ल्स टीम के इंद्रदेव तिवारी, अंकित दीक्षित, प्रमोद कुमार, हरदीप सिंह, अमित कुमार सिंह और विपिन कुमार सहित कई लोग मौजूद रहे।

रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल
RMCH BAREILLY Excellence towards profession
पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली की ओर से
नि:शुल्क नेत्र, दन्त व हृदय चिकित्सा शिविर
12 मार्च 2026, (बृहस्पतिवार) प्रातः 10 से दोपहर 2 बजे तक स्थान : अंकुर राईस मिल, निकट असम चौराहा, पूरनपुर रोड, पीलीभीत
- आँखो के कैम्प में आये मरीजों को दवाईयाँ मुफ्त।
- मोतियाबिंद का ऑपरेशन व दवाईयाँ एवं लैंस मुफ्त।
- मोतियाबिन्द के भर्ती मरीज को खाना मुफ्त एवं बस द्वारा लेकर जाना मुफ्त।
- यदि मोतियोबिन्द निकलता है तब आपरेशन रोहिलखण्ड हास्पिटल में ले जाकर मुफ्त में किया जायेगा।
- मोतियाबिन्द के मरीज घर से आधार कार्ड व कम्बल साथ लाना न भूलें।
- दन्त रोग परीक्षण व इलाज मुफ्त।
शिविर में उपलब्ध जाचें
नि:शुल्क परामर्श | नि:शुल्क ई.सी.जी. | नि:शुल्क ब्लड शुगर | ब्लड प्रेशर की जांच | नि:शुल्क दवाईयाँ
सौजन्य से :- • स्वामी प्रवक्ता नन्द, विधायक 128-बरखेड़ा विधान सभा, पीलीभीत • डॉ. आस्था अग्रवाल अध्यक्ष नगर पालिका परिषद पीलीभीत • कविता बंसवाल, अध्यक्ष, हीमोफीलिया सोसायटी पीलीभीत
नि:शक्त जन सेवा संस्थान पीलीभीत
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें। शकीब उद्दीन मो. नं. 8534088093

सब्जी लेकर आ रहे युवक को रास्ते में घेरकर पीटा

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● **रंजिश के चलते मिथुन को गालियां देते हुए शुरू की मारपीट**

अमृत विचारः थाना खीरी क्षेत्र के नकहा बाजार में रंजिश को लेकर युवक के साथ आरोपियों ने मारपीट की। पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नकहा निवासी मुकेश कुमार ने बताया कि उसका भाई मिथुन नकहा बाजार सब्जी लेने गया था। वापस लौटते समय रास्ते में काशीराम के घर के पास घात लगाए बैठे राजू गुप्ता, छोटा और राजू गुप्ता का नौकर राहुल ने उसे पकड़ लिया। आरोपियों ने रंजिश के चलते मिथुन को गालियां देते हुए मारपीट शुरू कर दी। शोर-शराबा सुनकर जब मुकेश कुमार मौके पर पहुंचा तो आरोपियों ने उसके साथ भी धक्का-मुक्की की और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी दबंग प्रवृत्ति के हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच एसआई सत्येंद्र कुमार वर्मा को सौंपी है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद कार्रवाई होगी।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पासपोर्ट पर दलजीत सिंह छाबड़ा दर्ज है जबकि मेरे आधार कार्ड व हाईस्कूल की मार्कशीट आदि पर दलजीत सिंह दर्ज है। जो कि सही है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जायेगा। **दलजीत सिंह पुत्र सुरजीत सिंह निवासी 177 पंजाबी कॉलोनी, लखीमपुर जिला खीरी**

सूचना
मैंने अपने पुत्र जावेद व उसकी पत्नी साबरून को उनके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **नजरूल्ला पुत्र नसरूल्ला निवासी मो. हुसैनी नगर कस्बा व थाना कोतवाली भीरा जनपद खीरी**

सूचना
बलस्टर बनाम गीता आदि
प्रा 0दी 0 सं 0 – 24/25
हेतु संदर्भित गीता देवी पत्नी शंभू निवासी 790 रामविहार लोनी देहात गाजियाबाद आपको सूचित किया जाता है कि आप दिनांक 19/03/2026 को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का आदेश न्यायालय सिविल जज जू 0 डि 0 मोहम्मदी खीरी द्वारा किया गया है । उक्त दिनांक को उपस्थित होने में कोई व्यतिक्रम न हो ।

सूचना
मैं अपने पुत्र वसीमुद्दीन को उसके गलत आचरण के कारण उसे अपनी चल व अचल सम्पत्ति से दिनांक 11.03.2026 को बेदखल करता हूं। उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **कासामुद्दीन पुत्र श्री जमालुउद्दीन नि. किरपिया तह. व जिला बदायूं**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाई स्कूल वर्ष 2018 अनुक्रमांक 0980996 व इंटरमीडिएट वर्ष 2020 अनुक्रमांक 0728096 यूपी बोर्ड का अंक पत्र व प्रमाण पत्र वास्तव में खोया है नष्ट हो गया है जिसका प्रयोग अवैध होगा। **महीपाल पुत्र दयाराम निवासी ग्राम नगला चोई परगना व तहसील सहसवान जिला बदायूं।**

डी.पी.पी. डिग्री कालेज
धनकुना, पीलीभीत
आवश्यकता है
- बी.ए. राजनीति शास्त्र शिक्षण हेतु प्रवक्ता-01 पद
- बी.ए. संस्कृत शिक्षण हेतु प्रवक्ता-01 पद
योग्यता : यू.जी.सी. के मानकानुसार
प्रबन्धक मो. 7060007653

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

कार्यालय ग्राम पंचायत गोपालपुर, वि.खं. फरीदपुर (बरेली)

निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो व बिक्रेताओं को सूचित किया जाता है, कि ग्राम पंचायत गोपालपुर में ग्राम निधि/मनरेगा योजना के कन्वर्जेंस से निम्न निर्माण कार्य हेतु स्थल पर सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है, सामग्री विवरण निम्नवत है–

ईट,बजरफुट,सरिया,सीमेंट,रेत व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है।

क्र0	निर्माण कार्य का नाम जिसकी निविदा जारी की जाती है	अनु लागत, लाख में
1	ग्राम पंचायत गोपालपुर में आंगनबाडी केंद्र निर्माण कार्य	11.84/–

उक्त कार्य हेतु सीलबंद निविदायें प्रकाशन से तीसरे दिन तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन दोपहर 02 बजे निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना ग्राम पंचायत पर उपलब्ध है जो किसी भी कार्यालय दिबस में देखी जा सकती है।

ग्राम प्रधान — सचिव

कार्यालय ग्राम पंचायत दिवनापुर विकासखंड नवाबगंज (बरेली)

अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो/विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025 – 26 में ग्राम पंचायत दिवनापुर में मनरेगा योजना से निम्न निर्माण कार्य हेतु कार्य स्थल पर सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका सामग्री विवरण निम्नवत है – प्रथम श्रेणी ईट, बजरी, बजरफुट, सीमेंट, रेत, रोड़ी, सरिया व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	योजना
01.	कैलाश चंद्र के घर से पंचायत घर तक सीसी व नाली निर्माण कार्य।	347000/–	मनरेगा
02.	ओम प्रकाश के घर से मोहनलाल की जगह तक सीसी व नाली निर्माण कार्य	484000/–	मनरेगा

उक्त कार्य हेतु सीलबंद निविदाएं दिनांक 12/03/2026 से दिनांक 16/03/2026 दोपहर 1:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।जो उसी दिनांक 16/03/2026 दोपहर 3:00 बजे निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जाएगी। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपलब्ध है जो किसी भी कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है। किसी भी विवाद की स्थिति में ग्राम पंचायत का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

भूपेन्द्र कुमार (प्रधान) — पुष्पेन्द्र शाक्य (सचिव)

कार्यालय ग्राम पंचायत बकैनिया वीरपुर विकासखंड शेरगढ़ जनपद बरेली

अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो/विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025 – 26 में ग्राम पंचायत बकैनिया वीरपुर में मनरेगा योजना से निम्न निर्माण कार्य हेतु कार्य स्थल पर सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका सामग्री विवरण निम्नवत है – प्रथम श्रेणी ईट, बजरी, बजरफुट, सीमेंट, रेत, रोड़ी, सरिया व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लम्बाई	अनुमानित लागत
01.	मेन रोड से गोविन्दराम के घर तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य।	100 मी.	214000/–
02.	ओमपाल के घर से भगवान दास के घर तक सी.सी. रोड व नाली निर्माण कार्य।	95 मी.	220000/–

उक्त कार्य हेतु सीलबंद निविदाएं दिनांक 12/03/2026 से दिनांक 13/03/2026 दोपहर 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो दिनांक 13/03/2026 सायं 04:00 बजे निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जाएगी। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपलब्ध है जो किसी भी कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है। किसी भी विवाद की स्थिति में ग्राम पंचायत का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

महेन्द्र पाल वर्मा (ग्राम प्रधान) — विकास गंगवार (सचिव)

कार्यालय ग्राम पंचायत आसपुर खेड़ा विकासखंड शेरगढ़ जिला बरेली

अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो/विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025 – 26 में ग्राम पंचायत आसपुर खेड़ा में मनरेगा/आर.जी.एस.ए. योजना से निम्न निर्माण कार्य हेतु कार्य स्थल पर सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका सामग्री विवरण निम्नवत है – प्रथम श्रेणी ईट, बजरी, बजरफुट, सीमेंट, रेत, रोड़ी, सरिया व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	योजना का नाम
01.	आर.जी.एस.ए. पंचायत भवन का निर्माण।	17.46 लाख	आर.जी.एस.ए.
02.	आर.जी.एस.ए. पंचायत भवन की बाउन्ड्रीवाल व गेट निर्माण।	7.50 लाख	मनरेगा

उक्त कार्य हेतु सीलबंद निविदाएं दिनांक 12/03/2026 से दिनांक 15/03/2026 सायं 5:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो दिनांक 16/03/2026 प्रात: 11:00 बजे निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जाएगी। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपलब्ध है जो किसी भी कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है। किसी भी विवाद की स्थिति में ग्राम पंचायत का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

कु. आशिया (ग्राम प्रधान) — सुनील कुमार मौर्या (सचिव)

जनगणना-2027 की तैयारियां की गईं तेज, दिया गया प्रशिक्षण

जिलाधिकारी ने जनगणना कार्य की रूपरेखा व दायित्वों की प्रक्रिया की दी जानकारी

संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: आगामी अप्रैल और मई माह में जनगणना होनी है। जिसकी तैयारी शुरू हो गई है। जनगणना-2027 की तैयारियों के अंतर्गत नामित अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया। जिलाधिकारी अवनीश राय ने संबंधित अधिकारियों को जनगणना कार्य की रूपरेखा, उनके दायित्वों तथा समन्वय प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही सीएमएमएस पोर्टल तथा एचएलबीसी पोर्टल का तकनीकी प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

अधिकारियों को जनगणना संबंधी जानकारी देते डीएम अवनीश कुमार राय। ● अमृत विचार

- सीएमएमएस पोर्टल एवं एचएलबीसी पोर्टल का तकनीकी प्रशिक्षण भी प्रदान किया

डीएम ने अधिकारियों को बताया कि आगामी जनगणना डिजिटल मोड में कराई जाएगी। जनगणना का कार्य दो चरणों में संपन्न होगा। पहला चरण 22 मई से 20 जून तक संचालित किया जाएगा, जबकि दूसरा चरण फरवरी 2027 में आयोजित किया जाएगा। बताया कि पहली बार स्वजनगणना की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी, जिसके माध्यम से नागरिक स्वयं भी अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे।

प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को जनगणना कार्य को सुचारु एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा तकनीकी प्रक्रियाओं से भी अवगत कराया गया। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वैभव शर्मा, जिला राजस्व अधिकारी राजेश कुमार सिंह, अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

मेडिकल कॉलेज में हुई विभागाध्यक्षों की बैठक

बैठक में मौजूद विभागाध्यक्ष। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचारः स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं सम्बद्ध अस्पताल में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) द्वारा निर्धारित एमबीबीएस पाठ्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन एवं शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से तृतीय प्रोफेशनल पार्ट-1 एमबीबीएस पाठ्यक्रम की समीक्षा को विभागाध्यक्षों की बैठक आयोजित की गई।

इसमें फॉरेंसिक मेडिसिन, कम्युनिटी मेडिसिन, जनरल मेडिसिन, सर्जरी, प्रसूति एवं स्त्री रोग, बाल रोग, नेत्र रोग, अस्थि रोग, एनेस्थिसियोलॉजी, मनोचिकित्सा सहित तृतीय प्रोफेशनल से संबंधित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों ने प्रतिभाग किया। डॉ. पीसी श्रीवास्तव, डॉ. अरुण सिंह ने संचालन किया और पाठ्यक्रम के संबंध मे जानकारी दी। विभागाध्यक्षों से अपेक्षा की गई कि वे अपने विभागों की लॉग बुक, रिकॉर्ड बुक, मैनुअल, विषयवार कम्पीटेंसी आधारित टीचिंग शेड्यूल एवं अकादमिक कैलेंडर निर्धारित समयावधि से पूर्व तैयार करें। प्राचार्या डॉ. संगीता अनेजा ने कहा कि इस प्रकार की शैक्षणिक बैठकों से पाठ्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन में सहायता मिलेगी।

किशोरी लापता, रिपोर्ट दर्ज

पीलीभीत,अमृत विचार : थाना न्यूरिया में दी गई तहरीर में एक ग्रामीण ने बताया कि नौ मार्च को उसकी 16 वर्षीय पुत्री को मोहल्ले का सूरज बहला फुसलाकर ले गया। उसने अपनी पुत्री की काफी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। पीड़ित ने अनहोनी की आशंका जताते हुए पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। एसओ सुभाष मावी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

बिना फिटनेस के सड़क पर दौड़ रहे छह वाहन सीज

चेकिंग करते एआरटीओ। ● अमृत विचार

पीलीभीत, अमृत विचारः एआरटीओ वीरेंद्र सिंह ने विशेष चेकिंग अभियान चलाया। पूरनपुर और बीसलपुर मार्ग पर बिना फिटनेस संचालित हो रहे छह वाहनों को सीज कर दिया गया। उत्तराखंड नंबर के दो यात्री वाहन बरखेड़ा क्षेत्र से बिना परमिट सवारियां ले जाते पकड़े गए। उनका चालान किया गया। चेकिंग के दौरान दो स्कूली वाहनों के अभिलेख अपूर्ण मिलने पर चालान किया। फिटनेस परमिट फेल होने पर 6 वाहनों के चालान किए।

अग्निवीर भर्ती : 850 युवाओं ने लगाई उम्मीदों की दौड़, 550 के चमके सितारे

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- पहले दिन टेक्निकल पद के लिए युवाओं ने झोंकी पूरी ताकत
- सफल हुए युवाओं का गुरुवार को कराया जाएगा मेडिकल परीक्षण

अमृत विचार : जाट रेजिमेंट केंद्र परिसर में आयोजित अग्निवीर भर्ती रैली में बुधवार को टेक्निकल पद के लिए 12 जनपदों से कुल 850 अभ्यर्थियों ने उम्मीदों की दौड़ लगाई। जिसमें से 550 अभ्यर्थी सफल हुए और कई कारणों से असफल रहे। सफल युवाओं को गुरुवार को मेडिकल परीक्षण समेत अन्य औपचारिकताओं के लिए बुलाया है।

सेना भर्ती कार्यालय बरेली के तहत आने वाले 12 जिलों हरदोई, पीलीभीत, सीतापुर, बरेली, बहराइच, बलरामपुर, बदायूं, फर्रुखाबाद, लखीमपुर, संभल, शाहजहांपुर और श्रावस्ती से युवाओं का आना मंगलवार शाम से शुरू हो गया। भर्ती रैली 11 से 23 मार्च तक चलेगी। पुलिस-प्रशासन, नगर निगम, स्वास्थ्य समेत अन्य विभाग कई दिन से इसको लेकर तैयारियां कर रहे थे, लेकिन पहले दिन ही भर्ती में आने वाले युवाओं को कई समस्याओं का सामना करना पड़ा।

भर्ती रैली के समय जाट रेजिमेंट के सामने नकटिया रोड को वन-वे कर दिया गया। भर्ती में शामिल होने आए युवाओं के संबंधी जाट रेजिमेंट के बाहर पूरा दिन पेड़ों की छांव में डेरा डाल कर इंतजार करते दिखे। सुरक्षा व्यवस्था के लिए यहां दो प्लाटून पीएसी के साथ पुलिस और ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की गई है। जाट रेजिमेंट के बाहर भीड़ जमा नहीं होने दी गई। इसके लिए सुरक्षा चाक चौबंद रखा गया। शुक्रवार को भी 12 जिलों के युवाओं की भर्ती रैली होगी। इसके लिए कड़ी सुरक्षा की गई है।

ई-बसों को भी लगाया गया

जंक्शन और बस अड्डों से भर्ती देखने आ रहे युवाओं को आसानी से जाट रेजिमेंट तक पहुंचने के लिए ई-बसों को भी लगाया गया है। आसपास के जिलों से तमाम युवा अपने साधनों से भी भर्ती में हिस्सा लेने पहुंचे। भर्ती के दौरान 23 अप्रैल तक नकटिया रोड वन-वे किया गया है। जिसे संचालित करने के लिए ट्रैफिक पुलिस पूरी मुस्तैदी से तैयार दिखाई दी। इस बीच पीएसी और पुलिस लगातार सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पैनी नजर बनाए रखे।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बदायूॅ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक 1451/7निविदा(पी0डी0)(ई–टेण्डर)–08/2025–26 — दिनांक 05.03.2026

अल्पकालीन ई0–निविदा आमंत्रण सूचना

1- महामहिम राज्यपाल उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बदायूॅ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बदायूॅ के क्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ई–निविदा प्रतिशत दरों पर आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र बेवसाइट/पोर्टल पर दिनांक 13.03.2026 से दिनांक 20.03.2026 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक उपलब्ध रहेगें एवं तकनीकी बिड दिनांक 20.03.2026 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जायेगी।

कार्य का नाम	लागत (लाख रू0 में) अनुमानित निर्माण लागत	05 वर्षीय अनुरक्षण की लागत	कुल अनुमानित लागत	विड सिक्यूरिटी (रू0 लाख में)	बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय	फर्म/ठेकेदारों की आवश्यक पंजीकरण श्रेणी (मार्ग कार्य)
1	2	3	4	5	6	7	8
जनपद बदायूँ में दातागंज विधानसभा के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025–26 में शंकरपुर से तालिबगंज मार्ग का नवनिर्माण कार्य।	74.00	5.55	79.55	6.00	2714.00	06 माह	A & B
जनपद बदायूँ में शेखूपुर विधानसभा के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025–26 में निजामपुर (निजामाबाद) से जलालपुर सम्पर्क मार्ग का नवनिर्माण कार्य।	132.00	9.90	141.90	9.10	2714.00	12 माह	A & B

2. निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग इन किया जा सकता है।

UP - 247822 दिनांक: 10/03/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(नरेष कुमार)
अधिषासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,बदायूॅ

(के0के0सिंह)
अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0,बरेली

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–2, लो0नि0वि0, बदायूँ।

अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

No. : 417 / Nivida(E-T.)/ 2025-26 — Date : 06.03 .2026

1. महामहिम राज्यपाल, उ0 प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड–2, लोनिवि बदायूँ द्वारा निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार क्षतिग्रस्त सड़को की सतह सुधार एवं यातायात सुगम किये जाने हेतु अल्पकालीन ऑनलाइन ई–निविदा दिनांकः 13.03.2026 से 18.03.2026 की दोपहर 12.00 बजे तक आमंत्रित की गयी हैं:–

2. वित्तीय वर्ष 2026–27 में पैच मरम्मत योजनान्तर्गत–

Sr. No.	District	Name of work	Cost of Construction Work (in Rs.lac)	Bid Security (in Rs.lac)	Cost of Bid Document (Rs.)	Time of completion	Eligible category of Contractor
1	Budaun	विकासखण्ड–उझानी के अन्तर्गत विभिन्न ग्रामीण मार्गो पर पैच मरम्मत का कार्य।	15.00	1.50	944.00	6 Month	A,B,C,D
2	Budaun	विकासखण्ड–सलारपुर के अन्तर्गत विभिन्न ग्रामीण मार्गो पर पैच मरम्मत का कार्य।	20.00	2.00	944.00	6 Month	A,B,C,D
3	Budaun	विकासखण्ड–बजीरगंज के अन्तर्गत विभिन्न ग्रामीण मार्गो पर पैच मरम्मत का कार्य।	20.00	2.00	944.00	6 Month	A,B,C,D
4	Budaun	विकासखण्ड–अम्बियापुर के अन्तर्गत विभिन्न ग्रामीण मार्गो पर पैच मरम्मत का कार्य।	20.00	2.00	944.00	6 Month	A,B,C,D
5	Budaun	विकासखण्ड–सहसवान के अन्तर्गत विभिन्न ग्रामीण मार्गो पर पैच मरम्मत का कार्य।	20.00	2.00	944.00	6 Month	A,B,C,D
6	Budaun	विधानसभा–बदायूँ एवं बिल्सी के अन्तर्गत विभिन्न राज्य राजमार्ग एवं अन्य जिला मार्गो पर पैच मरम्मत का कार्य।	25.00	2.50	944.00	6 Month	A,B,C,D

3- बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट http://etender.up.nic.in. पर दिनांकः दिनांकः 13.03.2026 से 18.03.2026 की दोपहर 12.00 बजे तक उपलब्ध है, निविदाये दिनांक 18.03.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक अपलोड की जा सकती हैं। इसकी तकनीकी बिड दिनांक 18.03.2026 को दोपहर 12.30 बजे खोली जायेगी।

निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

UP - 247816 दिनांक: 10/03/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(वन्दना सोनकर)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–2, लो.नि.वि., बदायूँ।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक: 1832/141सी0 (ई0 टेण्डर)–3/26 — दिनांक: 05.03.2026

आन–लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार आन लाइन ई–निविदा दिनांक 13.03.2026 से दिनांक 20.03.2026 की अपरान्ह 12: 00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 20.03.2026 को ही अपरान्ह 12.30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्र. सं.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	सिविल कार्य की लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क स्टेशनरी+ जी0 एस0टी0) (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारों की पात्रता श्रेणी (मार्ग कार्य हेतु
1	2	3	4	7	8	9	10
1	जनपद शाहजहाँपुर में विकास खण्ड पुवायों में हेलीपैड का निर्माण ।(वित्तीय वर्ष 2025–26)	प्रान्तीय खण्ड, लो0 नि0 वि0, शाहजहांपुर	40.01	4.01	2725.00	03 माह	ए, बी, सी (मार्ग कार्य)
2	जनपद शाहजहाँपुर में विकास खण्ड निगोही में हेलीपैड एवं पहुँच मार्ग का निर्माण । (वित्तीय वर्ष 2025–26)		61.30	5.07	2725.00	03 माह	ए, बी, सी (मार्ग कार्य)
3	जनपद शाहजहाँपुर में विकास खण्ड सिंधौली में हेलीपैड एवं पहुँच मार्ग का निर्माण। (वित्तीय वर्ष 2025–26)		88.40	6.42	2725.00	03 माह	ए, बी, सी (मार्ग कार्य)

निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

UP - 247807 दिनांक: 10/03/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(महेन्द्र कुमार पाल)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,शाहजहांपुर

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0,बरेली

कार्यालय सहायक निबन्धक फर्म्स, सोसाइटीज एवं चिट्स बरेली मण्डल बरेली
193/ए सिविल लाइन्स, बरेली

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री भूपेन्द्र सिंह द्वारा बजाज पब्लिक स्कूल सोसाइटी, बजाज हिन्दुस्थान शुगर लिमि. शुगर यूनिट, मकसूदपुर तह. पुवायां जिला शाहजहांपुर जो पत्रावली संख्या बी–39042 पर पंजीकृत है, के चेयरमैन की हैसियत से संस्था के नवीनीकरण की अनुमति हेतु प्रपत्र अद्योहस्ताक्षरी कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। प्रस्तुत प्रबन्धसमिति की सूची वर्ष 2025–26 में निम्नलिखित पदाधिकारी व सदस्य दर्शाये गये है:–

क्र.	नाम	पद
1	अजय कुमार शर्मा	पैटरान
2	भूपेन्द्र सिंह	चेयरमैन
3	अवधेश कुमार गुप्ता	वाइस चेयरमैन
4	राकेश यादव	वाइस चेयरमैन
5	अजीत कुमार तिवारी	सेकेट्री
6	आर.बी. खोखर	एडवाइजर (एकडमिक)
7	ओ.पी. चौहान	एडवाइजर (पब्लिक रिलेशन)
8	अवनी कुमार पाण्डेय	स्पोक पर्सन एडवाइजर लीगल
9	पंकज पवार	ज्वाइन्ट सेकेट्री
10	हरीश सिंह ज्याला	ज्वाइन्ट सेकेट्री
11	संजीव शर्मा	ज्वाइन्ट ट्रेजरार
12	जितेन्द्र कुमार	आडिटर
13	संजीव कुमार श्रीवास्तव	ट्रेजरार
14	पंकज वर्मा	ज्वाइट एडवाइजर (आडिट एकाउन्ट)

उक्त के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशन से दो सप्ताह के अन्दर अभिलेखीय साक्ष्यों सहित नोटरी शपथपत्र के माध्यम से अद्योहस्ताक्षरी कार्यालय में प्रस्तुत करना सुनिश्चित निर्धारित तिथि के पश्चात् आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा तथा गुण–दोष के आधार पर संस्था के नवीनीकरण के संबंध में नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जायेगी। विदित हो कि उक्त नोटिस सोसा. रजि. अधि. 1860 की धारा 3(1) के अन्तर्गत जारी किया जा रहा है।

नीरज उर्फ यादवेन्द्र पाठक
सहायक रजिस्ट्रार

व अदालत न्यायालय नायब तहसीलदार फरीदपुर जिला बरेली

मुकदमा नं. T-202612130300560 सन् 2026
रामवेटी बनाम रामवेटी पत्नी श्री स्व. जगपाल सिंह नि. मो. शान्ति विहार मढ़ीनाथ रोड शराव भट्टी के पास, शहर व जिला बरेली

चूंकि मुसम्मी ने आपके नाम एक नालिस वास्ते विगमठ के दायर की है लिहाजा आपको हुक्म दिया जाता है कि आप बतारीख 23.03.2026 असालतन या मारफत किसी वकील के जो हालात मुकदमा में बखूबी वाकिफ हो मय कागजात मुतलका के हाजिर हो वरना आपकी गैरहाजरी में मुकदमा हाजा फैसला होगा। आज बतारीख 09.03.2026 को मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया गया।

जज

100 और छात्राओं ने देखा आईवीआरआई

पीलीभीत, अमृत विचार : महानिदेशक स्कूल शिक्षा के आदेश पर कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय ललौरीखेड़ा की 100 छात्राओं को एक्स्पोज़र विजिट के लिए आईवीआरआई बरेली छात्राओं को ले जाया गया। छात्राओं ने संस्थान की ओर से दी जाने वाली सुविधाओं को करीब से देखा। पशु पक्षियों के बारे में बारीकी से जाना। वन्यजीव प्राणी संस्थान में छात्राओं की बारह सिंघा, हिरन को करीब से देखा। म्यूजियम में मोर कछुआ शुतुरमुर्ग हेमू पक्षियों की जानकारी संस्थान की ओर से दी गई। एक्स्पोज़र विजिट में जिला व्यायाम शिक्षक राजीव कुमार, केके सागर, केके सिंह ,कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की वार्डेन किरन देवी आदि मौजूद रहे।

कार्यालय नगर पंचायत रूदायन (बदायूं)

पत्रांक: 239/न.पं.रूदायन/2025–26 — दिनांक: 10.03.2026

ठेका नीलामी सूचना 2026-27

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत रूदायन का वार्षिक ठेका बाजार (बृहस्पति बाजार) सत्र 2026–27 की सार्वजनिक नीलामी माह अप्रैल 2026 से माह 31 मार्च 2027 तक की अवधि के दिनांक 19.03.2026 को समय दोपहर 12 बजे से कार्यालय नगर पंचायत रूदायन पर की जायेगी। बोली बोलने का अधिकार उसी व्यक्ति को होगा, जो बोली बोलने से पूर्व रू. 50000/– (पचास हजार रूपये मात्र) अग्रिम जमानत स्वरूप कार्यालय में जमा कर देगा। बोलीदाताओं को बोली से पूर्व अपना हैसियत व चरित्र प्रामण पत्र जमा करना भी अनिवार्य होगा। बोली छूटने के उपरान्त ठेका नीलामी की समस्त धनराशि एकमुश्त नगद जमा करना अनिवार्य होगा। अन्तिम बोलीदाता को नियत स्टाम्प पर अनुबन्ध पत्र लिखकर देना अनिवार्य होगा। अन्य नियम व शर्ते किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में आकर देखी जा सकती है। कोई भी बकायेदार नीलामी बोली में शामिल नहीं हो सकता।

1. ठेका नीलाम ठेका बाजार (बृहस्पति बाजार), अप्रैल 2026 से मार्च 2027 तक।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत रूदायन

ग्रामीण से मारपीट

पीलीभीत। थाना गजरौला क्षेत्र के ग्राम शेरगंज खुर्द निवासी परशुराम वर्मा ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि गांव के ही सत्यपाल ने पूर्व में उसको काफी प्रताड़ित किया है। वह गांव छोड़कर कुछ दिन के लिए सितारगंज चले गए थे। आरोपी ने उसके और उसके भाई आनंद कुमार के ऊपर भैंस चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, शाहजहॉपुर

पत्रांक : 587/ई0–टेण्डर/4ए — दिनांक: 06.03.2026

ऑन–लाइन अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, शाहजहॉपुर के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन लाइन ई–निविदा (स्वीकृति की प्रत्याशा में) दिनांक 13.03.2026 से दिनांक 20.03.2026 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 20.03.2026 को ही अपरान्ह 12:30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्रम सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	निविदा की जमानत धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (टेण्डर फीस + स्टेशनरी चार्ज+जी0एस0टी0)	कार्य पूर्ण करने का समय	फर्म/ठेकेदारों का आवश्यक पंजीकरण
1	2	3	4	5	6	7
1	जनपद शाहजहॉपुर के विकासखण्ड मदनापुर में हैलीपैड का निर्माण कार्य।	31.40	3.14	944.00	90 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (मार्ग कार्य हेतु)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

UP - 247806 दिनांक: 10/03/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0
शाहजहॉपुर

समाज कल्याण विभाग में 'घोटाला सिंडिकेट' से लड़ना आसान नहीं

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

- वर्षों पुराने फर्जीवाड़े पर कार्रवाई में हुई देर, नेता-लिपिक और दलालों का भंडाफोड़ मुश्किल
- पांच महीने में छह समाज कल्याण अधिकारी हुए बर्खास्त, अभी कार्रवाई की जद में दर्जनों

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सालों पुराने समाज कल्याण विभाग के 'घोटाला सिंडिकेट' कार्रवाई तेजी से आगे बढ़ रही है। पांच माह में छह समाज कल्याण अधिकारियों की बर्खास्तगी के बाद अभी दर्जनों कतार में हैं। हालांकि तत्कालीन मंत्री-शासन-प्रशासन से लेकर रातोंरात करोड़पति बनने वाले लिपिकों और दलालों को अंजाम तक पहुंचाना सपने जैसा है।

समाज कल्याण विभाग की कई योजनाओं में लंबे समय से फर्जीवाड़े के आरोप सामने आते रहे हैं। जांच में छात्रवृत्ति, शुल्क प्रतिपूर्ति, वृद्धावस्था पेंशन और आर्थिक सहायता योजनाओं में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं उजागर हुई हैं। कई मामलों में करोड़ों रुपये की वसूली और सेवानिवृत्त अधिकारियों की पेंशन में कटौती तक के आदेश दिए गए हैं। ताजा कार्रवाई में अमेठी के तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी मनोज कुमार शुक्ला और हरदोई के तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी हर्ष मवार को सेवा से बर्खास्त किया गया है। अमेठी में विभाग के ही प्रधान लिपिक गोकुल प्रसाद जायसवाल ने आरोप लगाया कि अधिकारी ने उन्हें चैंबर में बुलाकर धमकाया और मोबाइल छीनकर फोन-पे के जरिए उनकी पत्नी के खाते में 40 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। विभागीय जांच में आरोप सही पाए गए। हरदोई में तत्कालीन अधिकारी हर्ष मवार पर भुगतान और खरीद में टेंडर प्रक्रिया को दरकिनार कर वित्तीय नियमों के विपरीत काम कराने के आरोप सिद्ध हुए। जांच में पाया गया कि कोटेशन के आधार पर भुगतान कर सरकारी धन के उपयोग में गंभीर अनियमितताएं की गईं।

जिम्मेदारों तक कार्रवाई पहुंचेगी : असीम अरुण

समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण का कहना है कि कई ऐसे मामले सामने आए हैं जो वर्षों से दबे पड़े थे। अब सभी मामलों में जांच कर एफआईआर दर्ज कराई जा रही है। दोषी पाए जाने पर किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

ऐसे चलता था घोटाले का खेल

- योजनाओं में फर्जी लाभार्थी जोड़कर भुगतान
- छात्रवृत्ति के नाम पर मान्यता विहीन संस्थानों को धनराशि
- रिकॉर्ड में हेरफेर कर खातों में बदलाव
- टेंडर प्रक्रिया को दरकिनार कर भुगतान
- कर्मचारियों पर दबाव और वसूली के आरोप

अब तक की बड़ी कार्रवाई

- पांच माह में 6 जिला समाज कल्याण अधिकारी बर्खास्त
- कई मामलों में करोड़ों रुपये की वसूली के आदेश
- 3 सेवानिवृत्त अधिकारियों की पेंशन में स्थायी कटौती
- कई अन्य अधिकारी-कर्मचारी अभी जांच के दायरे में

इससे पहले श्रावस्ती की तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी मीना श्रीवास्तव को भी सेवा से बर्खास्त किया जा चुका है। उन पर मुख्यमंत्री महामाया गरीब आर्थिक मदद योजना और छात्रवृत्ति योजनाओं में लाभार्थियों के खातों में हेरफेर कर सरकारी धन का गबन कराने के आरोप सिद्ध हुए। मथुरा के तत्कालीन अधिकारी करुणेश त्रिपाठी के मामले में जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। 11 मान्यता विहीन संस्थानों को 2.53 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति जारी कर दी गई और फर्जी छात्रों के नाम पर भुगतान हुआ। यहां तक कि 2 साल से 51 साल तक की उम्र के लोगों को आईटीआई छात्र दिखाया गया। हापुड़ के संजय कुमार ब्यास और शाहजहांपुर के राजेश कुमार के खिलाफ भी करोड़ों रुपये की अनियमितताओं के बाद बर्खास्तगी और वसूली की कार्रवाई हो चुकी है। वहीं औरैया के श्रीभगवान, मथुरा के विनोद शंकर तिवारी और उमा शंकर शर्मा जैसे सेवानिवृत्त अधिकारियों की पेंशन में स्थायी कटौती के आदेश दिए गए हैं।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, विभाग में घोटालों का नेटवर्क सिर्फ जिलों तक सीमित नहीं था। योजनाओं के नाम पर फर्जी लाभार्थी जोड़ना, रिकॉर्ड में हेरफेर और मान्यता विहीन संस्थानों को भुगतान कर करोड़ों रुपये का खेल चलता रहा। अब जांच की आंच कई अन्य अधिकारियों, लिपिकों और कथित दलालों तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है।

कृषि क्षेत्र के लिए 31.43 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में करीब 31.43 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृतियां जारी की हैं। यह धनराशि बीज स्वावलंबन, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, मुख्यमंत्री खेत सुरक्षा योजना और कृषि विश्वविद्यालयों के सुदृढ़ीकरण पर खर्च की जाएगी।

सरकारी जानकारी के अनुसार बीज स्वावलंबन नीति के तहत खाद्यान्न, दलहन और तिलहन के बीज उत्पादन के लिए 10 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। वहीं राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन और मृदा स्वास्थ्य कार्ड कार्यक्रम के लिए 12.26 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इसके अलावा सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ में शिक्षकों व कर्मचारियों के वेतन और एरियर के भुगतान के लिए 8.79 करोड़ रुपये दिए गए हैं। वहीं कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के अंतर्गत इटावा स्थित कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के कार्मिकों के वेतन-भत्तों के लिए 3.47 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि इन योजनाओं से कृषि अनुसंधान, बीज उत्पादन और मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन को बढ़ावा मिलेगा।

न्यूज ब्रीफ

प्रयागराज में दो मंदिरों के विकास पर खर्च होंगे 3.46 करोड़ रुपये

अमृत विचार, लखनऊ/प्रयागराज : संगम नगरी प्रयागराज में पर्यटन विभाग करछना स्थित फलाहिरी बाबा मंदिर और सोरांव तहसील के दुर्गा मंदिर देवी धाम पचदेवा के विकास पर कुल 3.46 करोड़ रुपये से अधिक खर्च करेगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि फलाहिरी बाबा मंदिर के विकास के लिए 1.64 करोड़ रुपये और दुर्गा मंदिर देवी धाम पचदेवा के सौंदर्यीकरण व पर्यटन सुविधाओं के लिए लगभग 1.82 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। परियोजना के तहत फलाहिरी बाबा मंदिर के लिए 40 लाख रुपये और दुर्गा मंदिर के लिए 45 लाख रुपये की पहली किस्त भी जारी कर दी गई है।

अभ्यर्थियों को नहीं मिलेगी निःशुल्क बस यात्रा

अमृत विचार, लखनऊ : उप निरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों के लिए 14 व 15 मार्च 2026 को प्रस्तावित लिखित परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों को परिवहन बस की निशुल्क यात्रा की सुविधा नहीं मिलेगी। विभागीय अधिकारी ने सोशल मीडिया पर प्रसारित उक्त सूचना को भ्रामक बताया है, जिसमें बताया गया है कि परिवहन निगम की बसों में एडमिट कार्ड दिखाकर निःशुल्क यात्रा की सुविधा मिलेगी। परिवहन निगम में प्रधान प्रबंधक (संचालन) अनिल कुमार ने बुधवार को समस्त क्षेत्रीय-सहायक क्षेत्रीय प्रबंधकों को निर्देश दिए हैं कि सोशल मीडिया पर प्रसारित उक्त भ्रामक सूचना के खंडन के सम्बन्ध में बस अड्डों पर हेल्प डेस्क के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार करना सुनिश्चित करें।

सभी जिलों में राष्ट्रीय लोक अदालत 14 को

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्य सचिव एसपी गोयल ने कहा कि 14 मार्च को प्रदेश के सभी जिलों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा, जिसके लिए विभागवार नोडल अधिकारी नामित किए जाएं और अधिक से अधिक प्री-लिटिगेशन मामलों की पहचान कर उनका निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। मुख्य सचिव बुधवार को मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जाए और आमजन को इसके लाभों के बारे में जागरूक किया जाए। बैंक रिकवरी, बिजली कंपाउंडिंग, मोटर वाहन अधिनियम के लंबित चालान, राजस्व, नगर निगम कर, अतिक्रमण और अन्य विभागीय मामलों के निस्तारण पर विशेष जोर दिया गया।

रेसिपी आधारित पुष्टाहार लागू करने वाला पहला राज्य बनेगा यूपी

अप्रैल से आंगनबाड़ी केंद्रों में शुरू होगी नई पौष्टिक भोजन व्यवस्था

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कुपोषण के खिलाफ प्रदेश सरकार के अभियान को मिलेगी मजबूती

अमृत विचार: प्रदेश में बच्चों, गर्भवती और धात्री महिलाओं के बेहतर पोषण के लिए योगी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। अप्रैल से प्रदेश के आंगनबाड़ी केंद्रों में रेसिपी आधारित अनुपूरक पुष्टाहार व्यवस्था लागू की जाएगी। भारत सरकार की गाइडलाइन और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के तहत लागू होने वाली इस व्यवस्था के साथ उत्तर प्रदेश ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य बन जाएगा।

नई व्यवस्था के तहत लाभार्थियों को तय पोषण मानकों के अनुरूप भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एसआरएलएम) के माध्यम से रेसिपी आधारित पुष्टाहार तैयार कर सीधे आंगनबाड़ी केंद्रों तक पहुंचाया जाएगा। जिन जिलों या परियोजनाओं में इसकी व्यवस्था उपलब्ध नहीं होगी, वहां नैफेड के माध्यम से आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। पुष्टाहार वितरण में पारदर्शिता और निगरानी सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने चेहरा पहचान प्रणाली (फेस रिकग्निशन सिस्टम) लागू करने का निर्णय लिया है। इसके तहत अनुपूरक पुष्टाहार का ऑफलाइन वितरण अमान्य होगा और केवल एफआरएस प्रणाली के माध्यम से ही वितरण मान्य माना जाएगा। इससे लाभार्थियों तक सही तरीके से पोषण सामग्री पहुंचाने और धांधली पर रोक लगाने में मदद मिलेगी।

किसे क्या मिलेगा

- 6 माह–1 वर्ष : आटा-बेसन हलवा
- 1–3 वर्ष : आटा-बेसन हलवा
- 3–6 वर्ष : आटा-बेसन बर्फी व दलिया-मूंग-सोया खिचड़ी
- गर्भवती व धात्री महिलाएं : आटा-बेसन-सोया बर्फी व दलिया-मूंग-दाल खिचड़ी

अतिकुपोषित बच्चों के लिए विशेष व्यवस्था

- 6 माह–1 वर्ष : पौष्टिक हलवा
- 1–3 वर्ष : 'बाल संजीवनी' पौष्टिक हलवा
- 3–6 वर्ष : पौष्टिक हलवा और पौष्टिक दलिया

व्यवस्था की खास बातें

- आंगनबाड़ी केंद्रों में रेसिपी आधारित पुष्टाहार
- फेस रिकग्निशन सिस्टम से वितरण
- 301.19 करोड़ रुपये का फंड मंजूर
- पोषण मानकों में 11 माइक्रोन्यूट्रिएंट शामिल

सरकार का मानना है कि रेसिपी आधारित पुष्टाहार व्यवस्था लागू होने से प्रदेश में कुपोषण के खिलाफ चल रही लड़ाई को नई ताकत मिलेगी और आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों तथा महिलाओं को बेहतर पोषण उपलब्ध कराया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री योगी की मां पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर लखनऊ के हजरतगंज चौराहे पर मौलाना सलीम का पुतला जलाते लोग।

प्रधानमंत्री 14 को जारी करेंगे किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त

अमृत विचार, लखनऊ : प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 13 मार्च को असम के गुवाहाटी में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी योजना की 22वीं किस्त जारी करेंगे। इस अवसर को पूरे देश में 'पीएम किसान उत्सव दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। यूपी सरकार ने इस संबंध में सभी मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और कृषि विभाग के अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। शासनादेश के अनुसार कार्यक्रम का सीधा प्रसारण pmindiawebcast.nic.in पर होगा। प्रदेश के सभी जिलों, विकासखंडों और ग्राम पंचायतों में किसानों को इस कार्यक्रम से वर्चुअल रूप से जोड़ने के लिए आयोजन किए जाएंगे।

जिलों में बनेंगे मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कार्यदायी संस्थाओं को धनराशि जारी की गई

अमृत विचार : प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए योगी सरकार विभिन्न जिलों में मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय स्थापित करने जा रही है। इन विद्यालयों में प्री-प्राइमरी से कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों को एक ही परिसर में आधुनिक सुविधाओं के साथ शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी।

यह जानकारी बुधवार को बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि लखनऊ के मलिहाबाद सहित बहराइच, चंदौली, मिर्जापुर, लखीमपुर खीरी, फतेहपुर, गाजियाबाद, कानपुर देहात, वाराणसी, कौशांबी, फर्रुखाबाद, अमेठी और उन्नाव समेत कई जिलों में मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालयों के निर्माण के लिए शासनादेश जारी कर दिए गए हैं। प्रत्येक परियोजना के लिए लगभग 23 से 28 करोड़ रुपये तक की लागत स्वीकृत की गई है तथा प्रथम किश्त के रूप में संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को धनराशि भी जारी कर दी गई है। उन्होंने बताया कि इन विद्यालयों में आधुनिक कक्षाएं, विज्ञान प्रयोगशालाएं, खेल मैदान, पुस्तकालय और अन्य आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इससे विशेष रूप से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

भाजपा के 'अच्छे दिनों' का सिलेंडर अब खाली हो चुका है : अखिलेश यादव

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने रसोई गैस सिलेंडर वितरण व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भाजपा के "अच्छे दिनों" का सिलेंडर अब खाली हो चुका है और आम जनता गैस सिलेंडर के लिए परेशान हो रही है। सपा प्रमुख ने कहा कि कई जगह उपभोक्ताओं को घंटों लाइन में लगने के बाद बताया जा रहा है कि बिना डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) के सिलेंडर नहीं मिलेगा। ऐसे में अगर गैस कंपनियों का सर्वर डाउन है तो इसके लिए जनता जिम्मेदार नहीं है। उन्होंने कहा कि सर्वर चलाना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन उसकी खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भोजन बनाने के संकट से जूझ रहे परिवारों की मजबूरी का फायदा उठाकर ब्लैक मार्केट में सिलेंडर कई गुना अधिक कीमत पर बेचे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले कोरोना काल में लोग ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए भटकते रहे और अब रसोई गैस के सिलेंडर के लिए भटक रहे हैं।

नगर निकायों को 1350 करोड़ मंजूर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुति के तहत मार्च माह के लिए स्वीकृति

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में मार्च 2026 के लिए नगरीय निकायों को 1350 करोड़ रुपये की सामान्य समनुदेशन राशि जारी करने की स्वीकृति दे दी है। यह धनराशि नगर निगम, नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों को निर्धारित नियमों के तहत उपलब्ध कराई जाएगी।

वित्त विभाग के आय-व्ययक अनुभाग-2 की ओर से जारी शासनादेश के अनुसार यह राशि लेखा शीर्ष 3604 (स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं को क्षतिपूर्ति तथा समनुदेशन) के अंतर्गत जारी की जाएगी। कुल स्वीकृत धनराशि निदेशक, स्थानीय निकाय के निवर्तन पर रखी जाएगी और वहीं से विभिन्न नगरीय निकायों में आवंटित की जाएगी। शासनादेश में कहा गया है कि धनराशि का आवंटन पंचम राज्य वित्त आयोग की संस्तुतियों पर राज्य सरकार द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार किया जाएगा। संबंधित निकायों को कोषागार के माध्यम से धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। यदि किसी निकाय पर पहले से कोई समायोजन या कटौती लंबित है तो पहले उसका समायोजन किया जाएगा, उसके बाद ही शेष राशि जारी की जाएगी। इसके साथ ही निदेशक, स्थानीय निकाय को निर्देश दिया गया है कि निकायों द्वारा धनराशि के आहरण की सूचना वाउचर संख्या और तिथि सहित प्राप्त कर वित्त विभाग और नगर विकास विभाग को उपलब्ध कराएं। शासन स्तर पर धनराशि के उपयोग की समीक्षा भी की जाएगी।

स्वीकृत राशि

- कुल स्वीकृति : 1350 करोड़ रुपये
- नगर निगम : 607.50 करोड़ रुपये
- नगर पालिका/नगर पालिका परिषद : 472.50 करोड़ रुपये
- नगर पंचायत : 270.00 करोड़ रुपये

एक रनवे के साथ शुरू होगा नोएडा एयरपोर्ट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पहले चरण का 95 प्रतिशत निर्माण पूरा, प्रतिदिन औसतन 150 उड़ानों का अनुमान

अमृत विचार: गौतमबुद्ध नगर जिले के जेवर क्षेत्र में बन रहा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तेजी से संचालन की ओर बढ़ रहा है। प्रदेश सरकार की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के पहले चरण का करीब 95 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, जबकि शेष कार्य 10 नवंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। पहले चरण में एयरपोर्ट एक रनवे के साथ संचालित होगा और इसकी वार्षिक यात्री क्षमता करीब 1 करोड़ 20 लाख यात्रियों की होगी।

अधिकारियों के अनुसार, एयरपोर्ट से प्रतिदिन औसतन 150 उड़ानों के संचालन का अनुमान है। जैसे ही यात्रियों की संख्या एक करोड़ के पार पहुंचेगी, एयरपोर्ट पर दूसरे रनवे के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। दो रनवे के साथ यह एयरपोर्ट लगभग 7 करोड़ यात्रियों को सेवा देने में सक्षम होगा। एयरपोर्ट के पहले चरण में करीब 3,300 एकड़ क्षेत्र में विकसित किए जा रहे हिस्से का लोकार्पण किया जाएगा। परियोजना के लिए कुल 6,700 एकड़ भूमि का अधिग्रहण पहले ही किया जा चुका है, जबकि अतिरिक्त 5,100 एकड़ भूमि अगले तीन महीनों में अधिग्रहित करने की योजना है। एयरपोर्ट के लिए भूमि खरीद पर लगभग 5,000 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, जबकि निर्माण कार्य पर करीब 7,000 करोड़ रुपये की लागत आ रही है।

जेवर एयरपोर्ट को देश के सबसे बड़े और आधुनिक हवाई अड्डों में विकसित करने की योजना है। परियोजना के पूर्ण होने पर यहां कुल पांच रनवे होंगे और एयरपोर्ट का क्षेत्रफल लगभग 11,750 एकड़ तक पहुंच जाएगा। अंतिम रूप से तैयार होने के बाद इसकी वार्षिक यात्री क्षमता 30 करोड़ यात्रियों तक पहुंचने का अनुमान है, जिससे यह दुनिया के सबसे बड़े हवाई अड्डों में शामिल हो सकता है।

पहले चरण के मुख्य बिंदु

- एक रनवे के साथ होगा संचालन
- सालाना 1.20 करोड़ यात्रियों की क्षमता
- प्रतिदिन औसतन 150 उड़ानें
- 95% निर्माण कार्य पूरा

पूरी परियोजना की रूपरेखा

- कुल क्षेत्रफल 11,750 एकड़
- पांच रनवे विकसित किए जाएंगे
- 30 करोड़ यात्री प्रतिवर्ष
- लॉजिस्टिक्स, उद्योग और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

बढ़ते कदम | यूपी में 20 हजार से अधिक स्टार्टअप इंडिया मान्यता प्राप्त इकाइयां सक्रिय

स्टार्टअप इंडिया से युवाओं की उद्यमिता को नई रफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्टार्टअप हब बन रहा यूपी, नवाचार को मिल रहा संस्थागत समर्थन

अमृत विचार: प्रदेश तेजी से देश के उभरते हुए स्टार्टअप हब के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। प्रदेश सरकार की नीतियों, संस्थागत ढांचे और वित्तीय प्रोत्साहन के चलते नवाचार और उद्यमिता को नई गति मिली है। प्रदेश में अब 20 हजार से अधिक स्टार्टअप "स्टार्टअप इंडिया" के तहत मान्यता प्राप्त कर चुके हैं, जो तेजी से विकसित हो रहे स्टार्टअप इकोसिस्टम का संकेत है।

योगी सरकार की स्टार्टअप नीति और प्रोत्साहन योजनाओं के चलते युवाओं को अपने विचारों को व्यवसाय में बदलने का अवसर मिल रहा है। इससे न केवल नवाचार को बढ़ावा मिला है बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा हो रहे हैं। प्रदेश में स्टार्ट इन यूपी पहल के अंतर्गत भी उद्यमिता को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इसके तहत अब तक तीन हजार से अधिक स्टार्टअप्स को मान्यता मिल चुकी है। इस पहल का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर नवाचार को बढ़ावा देना और युवाओं को उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना है।

स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत बनाने में इन्क्यूबेशन नेटवर्क की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रदेश में वर्तमान में 76 मान्यता प्राप्त इन्क्यूबेटर कार्यरत हैं, जो नए उद्यमियों को तकनीकी सहयोग, मार्गदर्शन और संसाधन उपलब्ध करा रहे हैं। ये इन्क्यूबेटर विश्वविद्यालयों, तकनीकी संस्थानों और निजी संगठनों के साथ मिलकर स्टार्टअप्स को शुरुआती चरण से ही सही दिशा देने का काम कर रहे हैं।

स्टार्टअप इकोसिस्टम की तस्वीर

- 20 हजार से अधिक स्टार्टअप इंडिया मान्यता प्राप्त स्टार्टअप
- 3 हजार से अधिक स्टार्ट इन यूपी मान्यता प्राप्त स्टार्टअप
- 76 मान्यता प्राप्त इन्क्यूबेटर सक्रिय
- 7 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को मंजूरी

वित्तीय प्रोत्साहन

- 146 करोड़ रुपये के इंसेंटिव स्वीकृत
- 58 करोड़ रुपये की राशि स्टार्टअप्स को वितरित
- उत्पाद विकास, तकनीकी उन्नयन और बाजार विस्तार में मदद

इन क्षेत्रों में बढ़ रहा नवाचार

- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस
- डेटा एनालिटिक्स
- एग्रीटेक
- टेक्नोलॉजी आधारित सेवाएं
- डिजिटल और इनोवेशन आधारित समाधान

आत्मनिर्भरता की मिसाल बनीं वंदना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

सीएम युवा योजना से ऑयल मिल शुरू कर बनीं आत्मनिर्भर

अमृत विचार: प्रदेश में 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' युवाओं को स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ाने का प्रभावी माध्यम बन रहा है। इस योजना का लाभ उठाकर राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज की वंदना यादव ने ऑयल मिल स्थापित कर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है।

वंदना यादव ने बताया कि उन्हें मुख्यमंत्री युवा योजना के तहत बैंक ऑफ इंडिया से ऋण प्राप्त हुआ, जिसके बाद उन्होंने अपने पति के साथ मिलकर गांव मजरा खुजेहटा में सरसों तेल की ऑयल मिल शुरू की। इस इकाई में शुद्ध सरसों के तेल का उत्पादन किया जा रहा है और उन्होंने अपने उत्पाद का एक स्थानीय ब्रांड भी शुरू किया है।

आज उनकी मिल से तैयार तेल आसपास के कई गांवों में आपूर्ति किया जा रहा है। इस उद्यम से न केवल वंदना आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनी हैं, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी पैदा हुए हैं। उनके प्रयास से क्षेत्र की अन्य महिलाओं को भी स्वरोजगार के लिए प्रेरणा मिल रही है।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत 21 से 40 वर्ष की आयु के युवाओं को व्यवसाय शुरू करने के लिए पहले चरण में 5 लाख रुपये तक का ब्याजमुक्त ऋण दिया जाता है। समय पर भुगतान करने पर दूसरे चरण में 10 लाख रुपये तक ऋण की सुविधा भी उपलब्ध है। सरकार का लक्ष्य हर वर्ष एक लाख नए उद्यमी तैयार करना है।

अमृत विचार

गुरुवार, 12 मार्च 2026

लोगों से मुलाकातें ही जीवन को जीने लायक बनाती हैं।
–गाइ दे मोपासां, फ्रेंच लेखक

सामाजिक सहमति जरूरी

सुप्रीम कोर्ट ने 1937 के शरिया कानून के प्रावधानों को मुस्लिम महिलाओं के साथ भेदभावपूर्ण बताते हुए इसे निरस्त करने के अनुरोध वाली याचिका पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अब 'समान नागरिक संहिता' लागू करने का समय आ गया है। शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी वास्तव में अत्यधिक समीचीन है कि सभी धर्मों की महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए अब एक समान कानून की जरूरत विधायिका यानी सरकार को महसूस होनी ही चाहिए।

देश में विवाह, तलाक, गोद लेना, उत्तराधिकार और संपत्ति जैसे व्यक्तिगत मामलों में विभिन्न धार्मिक समुदायों के अलग-अलग व्यक्तिगत कानून लागू होते हैं। यही विविधता समय-समय पर न्यायिक और सामाजिक विवादों का कारण बनती रही है। साफ सी बात है कि पर्सनल लॉ में लैंगिक असमानता बनी रहती है, तो उसका स्थायी समाधान समान नागरिक संहिता ही हो सकती है। जब समान नागरिक संहिता का विचार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 में निहित है और जो राज्य को यह प्रयास करने का निर्देश देता है कि पूरे देश में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक कानून लागू हों, तब इसे बनाने और लागू करने में क्या हर्ज है, गोवा और उत्तराखंड जैसे राज्यों में लागू हो चुके कानून को देशव्यापी बनाने में क्या कोई राजनीतिक रोड़ा है? यूसीसी से कानून के समक्ष समानता और लैंगिक न्याय को मजबूती मिलेगी। अलग-अलग धार्मिक कानूनों के कारण विवाह, तलाक और संपत्ति अधिकारों में महिलाओं के साथ असमान व्यवहार की शिकायतें दूर हो जाएंगी। एक समान नागरिक कानून विभिन्न धर्मों के बीच कई असमानताओं को समाप्त कर नागरिकता की समान अवधारणा को मजबूत कर सकता है। इसके अतिरिक्त इससे राष्ट्रीय एकता और धर्मनिरपेक्ष शासन व्यवस्था को भी बल मिलेगा, हालांकि इस कानून के निर्माण में इसका ध्यान रखना पड़ेगा कि देश की सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता अत्यंत व्यापक है और अनेक समुदाय अपने व्यक्तिगत कानूनों को अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा मानते हैं। ऐसे में एक समान कानून लागू करने को कुछ लोग धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप के रूप में देख सकते हैं। यदि विधायिका ने इसे ध्यान में रखे बिना कानून बनाया और लागू करने की प्रक्रिया में सामाजिक संवाद और सहमति को शामिल नहीं किया तो इससे सामाजिक तनाव भी पैदा हो सकता है। आखिर संविधान निर्माताओं ने यूसीसी को मौलिक अधिकारों के बजाय नीति निर्देशक तत्वों में इसीलिए रखा था, ताकि इसे समय और सामाजिक परिपक्वता के अनुसार लागू किया जा सके। आजादी के बाद से इस विषय पर अनेक आयोग, बहसें और न्यायिक टिप्पणियां हुईं, किंतु अभी तक दो राज्यों के अलावा राष्ट्रीय स्तर पर इसे लागू नहीं किया जा सका है। कई नजरिये से यह स्पष्ट है कि समान नागरिक संहिता केवल कानूनी सुधार का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक सहमति का भी विषय है।

यदि इसका उद्देश्य वास्तव में लैंगिक न्याय, समानता और आधुनिक नागरिकता की भावना को मजबूत करना है, तो इसे जल्दबाजी के बजाय व्यापक संवाद, संवेदनशीलता और चरणबद्ध सुधारों के साथ आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

प्रसंगवश

पीढ़ियों का स्वभाव संसाधन व संस्कृति

'बेबी बूमर्स', 'मिलेनियल्स', 'जेन ज़ी' और अब 'जेन अल्फा', मीडिया, विज्ञापन उद्योग, शोध संस्थानों और सोशल मीडिया की भाषा में ये शब्द अब आम हो चुके हैं। इनके आधार पर पूरी पीढ़ियों के स्वभाव, आदतों और मानसिकता का विश्लेषण किया जाता है, मानो किसी विशेष वर्ष के बाद जन्म लेने वाले लोग अचानक अलग किस्म की मानसिकता के इंसान बन जाते हों, लेकिन इस प्रवृत्ति को थोड़ा ठहरकर देखा जाए तो एक बुनियादी प्रश्न सामने आता है- क्या किसी पीढ़ी का स्वभाव उसके नाम से तय होता है, या उन परिस्थितियों से जिनमें वह पली-बढ़ी होती है?

डॉ. शिवम् भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर

असल में 'बेबी बूमर', 'मिलेनियल' या 'जेन ज़ी' जैसे नाम समाज शास्त्रीय वर्गीकरण भर हैं। ये अध्ययन को आसान बनाते हैं, पर जीवन और समाज की जटिलताओं को पूरी तरह नहीं पकड़ पाते। किसी भी पीढ़ी को समझने के लिए यह जानना अधिक महत्वपूर्ण है कि वह किन सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संदर्भों में बड़ी हुई, क्योंकि वही संदर्भ उसके मानस और व्यवहार का असली खाका तैयार करते हैं।

मनुष्य का व्यक्तित्व कई तत्वों से निर्मित होता है। संसाधनों की उपलब्धता, परिवार की संरचना, शिक्षा का स्वरूप, सांस्कृतिक मूल्य और समय की तकनीकी परिस्थितियां। यही तत्व मिलकर तय करते हैं कि कोई पीढ़ी दुनिया को कैसे देखेगी और समाज के प्रति उसका व्यवहार कैसा होगा। यदि किसी समाज में संसाधन सीमित हों, तो वहां पली-बढ़ी पीढ़ी स्वाभाविक रूप से मितव्ययिता, धैर्य और प्रतीक्षा का अभ्यास सीखती है। इसके विपरीत, जहां अवसर और सुविधाएं अधिक हों, वहां की पीढ़ी अपेक्षाकृत अधिक आत्मविश्वासी और प्रयोगधर्मी होती है। यह अंतर पीढ़ी के नाम से नहीं, बल्कि उसके परिवेश से पैदा होता है।

परिवार की संरचना भी इस प्रक्रिया को गहराई से प्रभावित करती है। संयुक्त परिवारों में बच्चे विभिन्न आयु, अनुभव और स्वभाव वाले लोगों के बीच बड़े होते हैं, जहां संवाद, धैर्य, साझा जिम्मेदारी और सामूहिकता स्वाभाविक रूप से विकसित होती है। छोटे या एकल परिवारों में बच्चों का अनुभव अपेक्षाकृत सीमित दायरे में आकार लेता है; यहां स्वतंत्र निर्णय क्षमता जल्दी विकसित होती है, लेकिन सामाजिक बातचीत का व्यावहारिक प्रशिक्षण उतना व्यापक नहीं हो पाता। दोनों स्थितियां अलग-अलग जीवन दृष्टि और सामाजिक व्यवहार को जन्म देती हैं।

तकनीक ने भी हर पीढ़ी के अनुभव को बदल दिया है। रेडियो के दौर में दुनिया की जानकारी सीमित माध्यमों से मिलती थी। टेलीविजन ने दुनिया को घर के भीतर ला दिया। इंटरनेट और स्मार्टफोन ने सूचना, संवाद और मनोरंजन की पूरी संरचना ही बदल दी, लेकिन तकनीक स्वयं किसी पीढ़ी का स्वभाव तय नहीं करती। वह केवल वातावरण बदलती है। उस वातावरण में व्यक्तित्व किस दिशा में विकसित होगा, यह परवरिश और सामाजिक मूल्यों पर निर्भर करता है।

इसी कारण एक ही नाम से पहचानी जाने वाली पीढ़ी अलग-अलग समाजों में बिल्कुल अलग स्वभाव की दिखाई देती है। किसी विकसित देश का युवा और किसी विकासशील देश का युवा एक ही वर्ष में जन्म ले सकते हैं, पर उनके जीवन अनुभव, सुरक्षा बोध, अवसरों की प्रकृति और चिंताएं एक-दूसरे से बहुत अलग होती हैं। इससे साफ़ है कि पीढ़ी का नाम नहीं, बल्कि उसका सामाजिक संदर्भ उसके व्यवहार को आकार देता है। समस्या तब शुरू होती है, जब इन नामों को अंतिम सच मान लिया जाता है। जब हम कहते हैं कि 'नई पीढ़ी ऐसी है' या 'पुरानी पीढ़ी वैसी थी', तो हम समाज की जटिल वास्तविकताओं को एक आसान लेबल में समेट देते हैं; इससे समझ कम और पूर्वाग्रह अधिक पैदा होते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

हिमालयी बुरांश के अस्तित्व पर संकट के बादल

अमित शर्मा
हल्द्वानी

उत्तराखंड अपनी प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है। इस हिमालयी राज्य में विविध प्रकार की अनुपम वनस्पतियां भी प्रचुरता में मिलती हैं, जो शायद ही इस धरती पर कहीं और मिलती होंगी। उत्तराखंड का राज्य वृक्ष बुरांश, देवदार और चीड़ के घने वृक्ष, उच्च हिमालयी क्षेत्रों में प्रमुख औषधीय पौधे केदारनाथ और दुर्लभ व सुंदर फूल ब्रह्म कमल या फिर विश्व धरोहर स्थल फूलों की घाटी के रंगीन फूल और प्रमुख झाड़ी रेडोडेंड्रॉन व जूनिपर, लेकिन चिंताजनक बात यह है कि जलवायु परिवर्तन का असर प्रकृति के इन अमूल्य उपहारों पर भारी पड़ता दिखाई दे रहा है।

हम बुरांश की बात करें, तो जहां इसकी सीरत के साथ बेपनाह खूबसूरती भी जुड़ी है, वहीं इसके अस्तित्व पर भी संकट पैदा हो रहा है। दरअसल, हिमालय जितना सुंदर है, उससे कहीं अधिक गुणकारी भी है। इसकी जमीन का हर फूल-पत्ता नैसर्गिक सुंदरता में चार चांद लगाता है, तो बेहतर स्वास्थ्य के कुदरती इलाज इसके भीतर छिपे हैं। इसकी सबसे बड़ी मिसाल बुरांश का पुष्प है। अनेक गुणों से सम्पन्न इस फूल को यूं ही राज्य पुष्प का दर्जा नहीं मिला है।

बुरांश के लाल फूल फरवरी मध्य और मार्च शुरू में खिलने शुरू होते हैं, जो अप्रैल माह तक अपने खिले हुए लाल रंगों से पहाड़ों की शोभा बढ़ाते हैं। लाल, गुलाबी, काला और सफेद रंग में रंगा यह पुष्प पर्वतों की ऊंचाई के साथ अपना रंग भी बदल लेता है। उत्तराखंड, हिमाचल और पड़ोसी राज्य नेपाल की वादियों में बहुतायत से खिलता है। स्वाद में कुछ खट्टा तो इसकी पंखुड़ी में समाया रस उतना ही मीठा होता है, जिसने भी इसका स्वाद चखा हो, वह इसके स्वाद को कभी भूल नहीं सकता। यह कहा जाए कि सेहत निखारने में इसका कोई सानी नहीं, तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। यही वजह है कि जूस, शरबत, जैम, जैली और चटनी के रूप में इसे लोग खूब पसंद करते हैं।

> हिमालयी क्षेत्र का बुरांश जितना सुंदर है, उससे कहीं अधिक गुणकारी भी है। इसे राज्य पुष्प का दर्जा भी मिला हुआ है। आज इसके अस्तित्व पर संकट पैदा हो रहा है।

यह फूल न केवल सौंदर्य का सरताज है, बल्कि पोषण और औषधीय गुणों से भरपूर है। बुरांश की देश भर में करीब 80 प्रजातियां पाई जाती हैं। इसमें से रोडोडेंड्रान आरबोरियम प्रजाति का फूल सबसे अधिक खूबसूरत होता है। विशेषज्ञ भी बताते हैं कि औषधियुक्त पुष्प बुरांश का कोई सानी नहीं है। इम्यूनिटी बढ़ाने में यह असीम ताकतवर है। हार्ट अटैक, रक्तचाप, कोलेस्ट्रॉल समेत कई रोगों की मारकशक्ति रखता है, जिसके चलते बुरांश उत्तराखंड राज्य में रोजगार का बड़ा जरिया भी बना है।

चिंताजनक पहलू यह है कि पर्यावरण में हो रहे बदलाव के कारण अब इस खूबसूरत फूल पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। एक आंकड़े के अनुसार, राज्य में हर साल इसका उत्पादन 20 से 30 प्रतिशत कम हो रहा है। इसके खिलने के बाद यह 10-15 दिनों में सूख भी जा रहा है। इसका कारण जलवायु परिवर्तन, बढ़ता तापमान, कम बर्फबारी और चीड़ के पेड़ों के बढ़ने से बुरांश की संख्या कम होना माना जा सकता है। जलवायु परिवर्तन का ही यह असर है कि अब बुरांश का समय से पहले खिलना भी बड़ी चिंता का विषय माना जा रहा है।

पहाड़ की ठंडी तासीर का फूल बुरांश जलवायु परिवर्तन और बढ़ते ताप की मार से पहले ही जूझ रहा है। वहीं, पहाड़ों में ठंडे क्षेत्रों के जंगलों में पैर पसारता चीड़ का कुनबा और कुरी झाड़ी का मकड़जाल दोनों ही बुरांश पर दोहरी मार कर रहे हैं। पहाड़ों में चीड़ का बढ़ता जंगल न केवल बुरांश व अन्य वनस्पतियों के लिए अभिशाप है, वहीं चीड़ की घनी पत्तियां जमीन में अन्य पेड़ों के बीजों को पनपने नहीं देती। वहीं, ग्रीष्म काल में जंगलों में लगने वाली आग में घी डालने का काम करती हैं।

चीड़ की ज्वलनशील लीसा पत्ती और इसके फल कई हफ़्तों तक जंगल में सुलगते रहते हैं, जिससे नए पौधे पनप नहीं पाते और पुनर्जनन प्रभावित होता है। पिछले कई वर्षों से उतराखंड के पहाड़ी राज्यों में बढ़ती वनाग्नि की घटनाओं में बुरांश व अन्य वनस्पति को खासा नुकसान पहुंचा है। नए पौधे वनों की आग में मारे गए, जिससे बड़े वृक्षों को झुलसना पड़ा। चीड़ का कुनबा कम ताप वाले जंगलों में फैलने से रोका नहीं गया, तो बुरांश के अस्तित्व पर खतरा साल दर साल बढ़ता ही जाएगा।

कुमाऊं विश्वविद्यालय डीएसबी परिसर के वनस्पति विज्ञान के प्रोफेसर ललित तिवारी कहते हैं कि बुरांश का फूल समय से पहले खिलने के कारण इसका पुनर्जनन प्रभावित हो चला है। इसके असर से भविष्य में इसके अस्तित्व के खतरे की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है। मुख्यतः बुरांश का फूल खिलने का समय फरवरी व मार्च में होता है, लेकिन अब यह दिसंबर में खिलने लगा है। पिछले 15 वर्षों से इस फूल के खिलने के समय पर नजर रखी जा रही है। साल 2024 में यह 15 दिसंबर को खिल गया था, जबकि पिछले वर्ष यानी इस सीजन में 22 दिसंबर में ही खिल गया था। जलवायु परिवर्तन इसका मुख्य कारण है। तापमान में निरंतर वृद्धि से कुदरत के इस नायाब तोहफे के खिलने का समय बदल गया है। हालांकि हिमालय क्षेत्र की विभिन्न वनस्पतियों को जलवायु ने प्रभावित किया है। उनमें बुरांश भी सर्वाधिक प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि इस फूल के समय से पहले खिलने के कारण रीजनरेशन यानी पुनर्जनन प्रभावित हुआ है, जिस कारण पुनर्जनन की समस्या खड़ी हो गई है। इस पुष्प पर निरंतर अध्ययन जारी है।

प्रभागीय वनाधिकारी आकाश गंगवार का भी कहना है कि वन विभाग भी बुरांश के पुष्प के उत्पादन पर नजर रखे हुए है। इस फूल का समय से पहले खिलना आम हो चला है, साथ ही इसके क्षेत्र में भी बदलाव आया है, हालांकि इस फूल के पूर्णतः खिलने में परिवर्तन नहीं आया है, लेकिन यह भी देखा गया है कि अब यह कम ऊंचाई वाले क्षेत्रों में होने लगा है। इस पुष्प के उत्पादन के लिए वन विभाग पौधरोपण करवा रहा है।

आमने

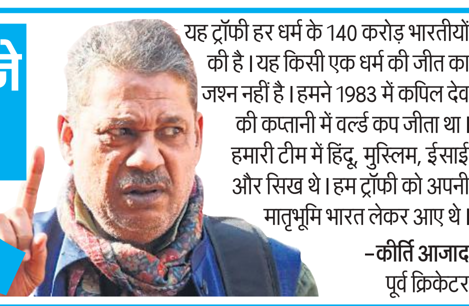

यह ट्रॉफी हर धर्म के 140 करोड़ भारतीयों की है। यह किसी एक धर्म की जीत का जश्न नहीं है। हमने 1983 में कपिल देव की कप्तानी में वर्ल्ड कप जीता था। हमारी टीम में हिंदू, मुस्लिम, ईसाई और सिख थे। हम ट्रॉफी को अपनी मातृभूमि भारत लेकर आए थे।
–कीर्ति आजाद
पूर्व क्रिकेटर

सामने

इस तरह के बयान खिलाड़ियों की उपलब्धि को कम करते हैं। खिलाड़ियों ने इस टूर्नामेंट में काफी दबाव झेला है और ऐसे समय में इस तरह की टिप्पणी करना सही नहीं है। अगर आप ऐसे बयान देते हैं, तो आप अपने ही खिलाड़ियों और अपनी ही टीम को गिरा रहे हैं।
–गौतम गंभीर, मुख्य कोच
भारतीय क्रिकेट टीम

खाड़ी देशों में 'पानी' पर हमले के निहितार्थ

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

ईरान के परमाणु हथियारों को लेकर शुरू हुई लड़ाई अब पानी पर हमले और उसकी सुरक्षा के उपायों तक पहुंच गई है। ईरान के विदेश मंत्री ने आरोप लगाया है कि अमेरिकी हमले में होर्मुज जलडमरूमध्य के निकट क्रेश्म द्वीप स्थित खारे पानी को मीठा बनाने वाला जल (डिसेलिनेशन प्लांट) संयंत्र क्षतिग्रस्त हुआ है, इससे 30 ग्रामों की जल आपूर्ति प्रभावित हुई है। इसके बाद ईरान ने बहरीन के संयंत्र को निशाना बनाया। इन हमलों ने बता दिया कि ईरान-अमेरिका का यह युद्ध अब सिर्फ सैन्य या तेल प्रतिष्ठानों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि खाड़ी देशों के जल संयंत्रों के विनाश तक पहुंच गया है। इस परिप्रेक्ष्य में चिंता की बड़ी बात है कि खाड़ी देशों की आबादी की बड़ी संख्या पीने के शुद्ध पानी के लिए इन्हीं जल संयंत्रों पर आश्रित है। इन पर आक्रमण समूचे खाड़ी क्षेत्र में जल संकट पैदा कर सकता है।

पूरे मध्य एशिया में युद्ध की भयानक स्थिति देखने में आ रही है, उससे लगता है पानी के लिए युद्ध छिड़ गया है। पानी की सुरक्षा को सबसे बड़ा संकट माना जा रहा है। हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि खाड़ी के देशों ने अपने समुद्री पानी को मीठा बनाने वाले संयंत्रों को तेल प्रतिष्ठानों से कहीं अधिक बड़ी सुरक्षा दे दी है। यहां तक की ड्रोन और मिसाइलें भी तैनात कर दी हैं, जिससे किसी भी आसमानी हमले को तुरंत आसमान में ही नष्ट कर दिया जाए। संयंत्रों के साथ बिजली घर भी जुड़े होते हैं। ऐसे में विद्युत ढांचों पर हमले भी पानी के उत्पादन को प्रभावित कर सकते हैं। यदि किसी बड़े संयंत्र को गंभीर नुकसान होता है, तो कई नगर कुछ ही दिनों में पेयजल संकट से जूझ जाएंगे। इस कारण ड्रोन और मिसाइलें भी तैनात कर दिए गए हैं, जिससे किसी भी आसमानी हमले को तुरंत आसमान में ही नष्ट कर दिया जाए।

> युद्ध में पानी संयंत्रों को भी निशाना बनाया जा रहा है। इन हमलों ने बता दिया है कि युद्ध अब सिर्फ सैन्य या तेल प्रतिष्ठानों तक सीमित नहीं रह गया है।

अमेरिका और इजरायल ने लड़ाकू विमानों लेबनान की राजधानी तेरहान में केमिकल टॉक्सिक बमों से भीषण हमला किया है। इस कारण तेहरान के 30 बड़े तेल भंडार तबाह हो गए हैं। तेहरान आग की लपटों से धधक उठा है। बादल धुंआ से भर गए हैं। टॉक्सिक हाइड्रो कार्बन और सल्फर से तेहरान में तेल की अम्लीय बारिश देखी गई। प्राकृतिक जल की सतहों पर तेल की परत जम गई है, ऐसे में नए हमले होते हैं, तो यह तेल जल उठेगा। इस कारण 90 लाख की आबादी वाले तेहरान में अघोषित कर्फ्यू के हालात बन गए हैं।

दूषित पानी हो जाने के कारण सप्लाई ठप है। बिजली भी बंद कर दी गई है। ये बम लेबनान में ईरान समर्थक आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह के ठिकानों पर पटके गए हैं। इन टॉक्सिक बमों में घातक रसायन होते हैं। ये फसलों को बर्बाद करने के साथ पानी को भी पूरी तरह दूषित कर देते है। संयुक्त अरब आमीरात, सऊदी अरब, कुवैत, ओमान कतर जैसे खाड़ी देशों में 90 फीसदी समुद्री खारे पानी को मीठे में बदलकर आपूर्ति जल संयंत्रों से की जाती है। 10 बड़े जल संयंत्रों को ईरान निशाना बना सकता है।

एक पुराने अमेरिकी कूटनीति दस्तावेज में चेतावनी दी गई थी कि यदि सऊदी अरब के जुबेल जल संयंत्र और उसकी पाइपलाइन को नुकसान होता है, तो राजधानी रियात को एक सप्ताह के भीतर खाली करना होगा, हालांकि सऊदी अरब और संयुक्त अरब आमीरात ने अपने तलाबों और सप्लाई लाइन में बड़ा निवेश किया हुआ है।,इसलिए वह जल संकट का सामना एक बार कर सकता है, किंतु बहरीन, कतर और कुवैत जैसे छोटे देशों के पास वैकल्पिक साधन कम है, इसलिए इन देशों के संयंत्र लड़ाई में प्रभावित हुए तो पानी के लिए घरेलू स्तर पर भी जंग छिड़ सकती है।

ईरान के लिए यह अच्छी बात है कि वे खुद जल संयंत्रों पर अधिक निर्भर नहीं हैं। ईरान में ज्यादातर पेयजल की सप्लाई नदियों, बांधों और भूगर्भीय जल से होती है, इसलिए वह सीमित समय के लिए संकट झेलने में सक्षम हैं, लेकिन कई साल से सूखा के चलते तेहरान के तलाबों का पानी खतरनाक स्तर तक घट गया है। अतएव ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने कहा है कि हालात नहीं सुधरे, तो तेहरान को खाली करना पड़ सकता है, लेकिन इतनी बड़ी आबादी को आखिर जल उपलब्ध होगा कहां से?

इजराइल भी समुद्र के खारे पानी को मीठा बनाने की तकनीक पर निर्भर है। इस परिप्रेक्ष्य में संयुक्त राष्ट्र ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि 2050 तक, जब विश्व की 40 फीसदी आबादी जल संकट भोग रही होगी, तब भी इजराइल में पीने के पानी का संकट नहीं होगा। इजराइल न सिर्फ हथियारों, बल्कि पानी के मामले में भी महाशक्ति बनकर उभरा है। इजरायल की राजधानी तेल अवीव के डोर तट पर समुद्र के पानी को तत्काल पीने लायक बनाने वाले संयंत्र लगे हुए हैं। ये संयंत्र 'गेलमोबाइल वॉटर फिल्ट्रेशन प्लांट' कहलाते हैं। यह चलित फिल्टर प्लांट है। कई संयंत्र जीपों पर भी स्थापित हैं। इन्हें 'फ्यूचर जीप' कहते हैं। प्राकृतिक या युद्ध संबंधी आपदा के वक्त यह संयंत्र बेहद उपयोगी हो जाते हैं। इसे संकटग्रस्त इलाकों में पहुंचाकर पेयजल की सुविधा उपलब्ध करा दी जाती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

यूपीएससी का हौवा

हमने यूपीएससी को हौसला नहीं, हौवा बना दिया है। कब हुआ यह? किसने तय किया, पता नहीं, लेकिन धीरे-धीरे हमारे घरों में, हमारे समाज में, हमारी कन्वर्सेशन में ये बात सेटल हो गई कि सफलता मतलब यूपीएससी। पढ़ाई मतलब यूपीएससी। ज़िंदगी का मतलब यूपीएससी। जिस घर में कोई आईएस या आईपीएस निकलता है, उस घर की इज़्ज़त पूरे मोहल्ले में बढ़ जाती है। ये गर्व स्वाभाविक है, लेकिन इसी के साथ एक और मैसेज जाता है कि जो नहीं निकला, वो कम है और यही वो मैसेज है, जो लाखों बच्चों को तोड़ रहा है।

ऋचा शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

आज एक 18-19 साल के बच्चे से पूछो, यूपीएससी क्यों करना है? बहुत कम जवाब होंगे जो गवर्नेंस, पॉलिसी या पब्लिक सर्विस से जुड़े होंगे। ज़्यादातर जवाब होंगे, वो यूनिफार्म देखी थी। वो सेस्पेक्ट देखी थी। एक वीडियो देखी थी, जिसमें आईपीएस ऑफिसर कितनी कॉन्फिडेंटली बोल रहे थे।

आईएस, आईपीएस बनने का सपना अब रील्स से आता है। एक वायरल वीडियो, एक शानदार यूनिफार्म, एक 'कलेक्टर साहब' वाला शॉट और एक 20 साल का बच्चा तय कर लेता है कि बस यही करना है। ये ड्रीम नहीं है, ये एस्थेटिक है। उस इमेज के पीछे की असली ज़िम्मेदारी रात दो बजे किसी फ्लड अफेक्टेड ज़िले में काम करना, सिस्टम की ब्यूरोक्रेसी से लड़ना, पॉलिटिकल प्रेशर झेलना वो रील्स में नहीं आती। यूपीएससी के रिजल्ट में हिंदी का रिप्रजेंटेशन हर साल गिरता जा रहा है। पर इस पर कोई बात नहीं करेगा।

वो बच्चे जो सबसे ज़्यादा मेहनत करते हैं, जिनके लिए इंगलिश पहली बाधा है, कॉन्टेंट दूसरी और कोचिंग फीस तीसरी। जो पटना, इलाहाबाद, रीवा के किसी कमरे में बैठकर दिन-रात पढ़ते हैं और आईरनी ये है कि आईएएस, आईपीएस का काम आम जनता से होता है। वो जनता जो हिंदी में सोचती है, भोजपुरी में बोलती है, मैथिली में रोती है। पब्लिक सर्वेंट की भाषा और पब्लिश की भाषा के बीच ये खाई सिस्टम की देन है, मेधा की नहीं। जिस अधिकारी को उनकी भाषा समझनी है, उनकी ज़िंदगी समझनी है, उसे चुनने के प्रॉसेस में उसी भाषा को कमज़ोर माना जा रहा है। शायद किसी ने नहीं, क्योंकि उसके पास वो यूनिफार्म नहीं है। वो 'साहब' नहीं कहलाता, लेकिन देश उससे भी चलता है। उससे भी बनता है और आने वाले वक्त में शायद उनसे ज्यादा बनेगा।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

आंकड़ों के पीछे छिपी त्रासदी और समाज की चुनौती

भारत में लापता बच्चों का मुद्दा लगातार गंभीर सामाजिक चिंता का विषय बनता जा रहा है। हाल ही में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की 'मिसिंग चिल्ड्रन' रिपोर्ट ने इस समस्या की भयावहता को एक बार फिर उजागर कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार पहली जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2026 के बीच देश में कुल 33,577 बच्चे लापता हुए। इनमें से 25,800 बच्चों को खोज लिया गया, लेकिन 7,777 बच्चे अब भी लापता हैं। यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं, बल्कि हजारों परिवारों की पीड़ा, असुरक्षा और इंतजार की कहानी है।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में बच्चों की सुरक्षा एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। महानगरों और तेजी से विकसित हो रहे शहरी क्षेत्रों में बच्चों के लापता होने की घटनाएं अधिक सामने आती हैं। महानगरों की बात करें तो राजधानी दिल्ली में साल दर साल सबसे ज्यादा बच्चे लापता होने के मामले दर्ज हो रहे हैं। अकेले 2025 में ही राजधानी में लगभग 5717 नाबालिगों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज की गई। दिल्ली से सिर्फ 2026 के शुरुआती 27 दिनों में ही 137 बच्चे लापता हुए हैं, जिन्हें अभी तक ढूंढा नहीं जा सका है। साल दर साल बढ़ते ये आंकड़े यह संकेत देते हैं कि बाल सुरक्षा व्यवस्था में अभी भी कई कमियां मौजूद हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि लापता बच्चों में लगभग 75 प्रतिशत लड़कियां होती हैं, जो इस समस्या को और गंभीर बना देता है।

देवेंद्र सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

राज्यवार आंकड़ों पर नजर डालें तो पश्चिम बंगाल इस सूची में सबसे ऊपर है। यहां एक साल 19,145 बच्चे लापता हुए। इनमें से 15,465 बच्चों को ढूंढ़ लिया गया, लेकिन 3,680 बच्चे अब भी नहीं मिले। इसके बाद मध्यप्रदेश दूसरे स्थान पर है, जहां 4,256 बच्चे लापता हुए और इनमें से 1,059 बच्चों का अब तक कोई सुराग नहीं मिला। तीसरे स्थान पर हरियाणा है, जहां जनवरी 2025 से जनवरी 2026 के बीच 2,209 बच्चे लापता हुए और 353 बच्चे अभी भी लापता हैं। हरियाणा में यह संख्या पड़ोसी राज्यों पंजाब, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ की तुलना में कई गुना अधिक है। हिमाचल प्रदेश का एक चौंकाने वाला तथ्य यह भी है कि वहां लापता हुए आठ बच्चों में से एक भी अब तक नहीं मिला।

राजस्थान इस सूची में आठवें स्थान पर है। यहां पिछले एक वर्ष में 745 बच्चे लापता हुए, जिनमें से 499 बच्चों को उनके परिवारों तक पहुंचा दिया गया, जबकि 246 बच्चे अब भी लापता हैं। वहीं सकारात्मक पहलू यह भी है कि कुछ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लापता बच्चों की कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई। नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, गुजरात, लक्षद्वीप तथा दादरा और नगर हवेली में इस अवधि के दौरान बच्चों के लापता होने का कोई मामला दर्ज नहीं किया गया।

पूरी दुनिया में हर वर्ष लगभग 80 लाख बच्चे लापता होने की रिपोर्ट दर्ज होती है। अमेरिका में करीब 4.6 लाख, ब्रिटेन में 1.12 लाख और जर्मनी में लगभग एक लाख बच्चों के हर साल गायब होने की रिपोर्ट दर्ज होती है। यूरोप में भी स्थिति चिंताजनक है। वर्ष 2021 से 2023 के बीच वहां 51,000 से अधिक नाबालिग बच्चे, जो बिना अभिभावकों के यात्रा कर रहे थे, लापता हो गए। आंकड़ों का गहन विश्लेषण यह भी बताता है कि लापता होने वाले बच्चों में 12 से 17 वर्ष की आयु के किशोर सबसे अधिक होते हैं। कई मामलों में लड़कियां नौकरी, शादी या बेहतर जीवन के झूठे झांसों में फंस जाती हैं और मानव तस्करी के नेटवर्क का शिकार बन जाती हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

अमृत विचार
कैम्पस

वर्ड स्मिथ

कैसे बना रेडियो शब्द

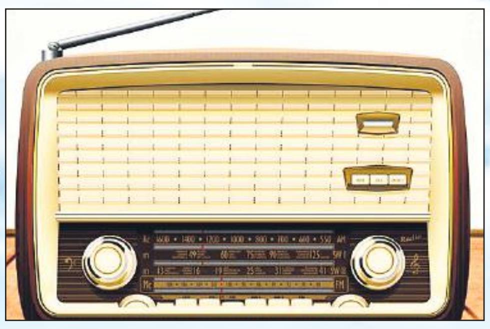

रेडियो एक छोटा-सा शब्द है, पर अपने भीतर विज्ञान और संचार की लंबी यात्रा समेटे हुए। इस शब्द की जड़ें लैटिन भाषा के शब्द 'रेडियस' में मिलती हैं, जिसका अर्थ है किरण। 19 वीं सदी के उत्तरार्ध में जब वैज्ञानिक अदृश्य तरंगों की दुनिया को समझने की कोशिश कर रहे थे, तब इन तरंगों का व्यवहार प्रकाश की किरणों जैसा प्रतीत हुआ। यही कारण था कि इनके प्रसार को 'किरणों' की तरह समझा गया और धीरे-धीरे 'रेडियो' शब्द का प्रचलन शुरू हुआ।

1880 के दशक में जर्मन भौतिक विज्ञानी हेनरिक हर्ट्ज़ ने यह सिद्ध कर दिया कि हवा में अदृश्य विद्युतचुंबकीय तरंगें फैल सकती हैं। इन्हीं तरंगों को आगे चलकर हर्ट्ज़ियन तरंगें या रेडियो तरंगें कहा गया। उस समय इनका उपयोग तार के बिना संदेश भेजने के लिए होने लगा, इसलिए आरंभ में इसे 'वायरलेस' अर्थात ताररहित संचार कहा जाता था। समय के साथ विज्ञान आगे बढ़ा और संचार की यह अदृश्य धारा दुनिया को जोड़ने लगी। 1906 में बर्लिन में आयोजित रेडियोटेलीग्राफिक सम्मेलन में 'रेडियो' शब्द को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिली। फिर 1920 के दशक में जब आवाज और संगीत का प्रसारण शुरू हुआ, तब यह तकनीक केवल वैज्ञानिक प्रयोग नहीं रही, बल्कि जनजीवन का हिस्सा बन गई। धीरे-धीरे 'वायरलेस' शब्द पीछे छूट गया और 'रेडियो' लोगों की जुबान पर बस गया। एक ऐसी अदृश्य किरण, जो दूरियों को मिटाकर दुनिया को एक ही ध्वनि में जोड़ देती है।

डिजिटल एजुकेशन के अगुआ देश लौट रहे किताबों की ओर

बीते डेढ़ दशक में स्कूलों और विश्वविद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम और ऑनलाइन कंटेंट को आधुनिक शिक्षा का पर्याय मान लिया गया। यह माना गया कि अगर बच्चों को बचपन से ही डिजिटल माध्यमों से पढ़ाया जाएगा, तो वे भविष्य की टेक्नोलॉजी आधारित दुनिया के लिए बेहतर तैयार होंगे। दुनिया जिस डिजिटल शिक्षा मॉडल को भविष्य मान रही थी, वही मॉडल अब पुनर्मूल्यांकन के दौर से गुजर रहा है। दुनिया की सबसे अधिक डिजिटल शिक्षा प्रणालियों में अग्रणी स्वीडन और फिनलैंड जैसे देश फिर से किताब, कागज और पेन की ओर लौट रहे हैं। यह बदलाव अचानक नहीं आया, बल्कि पिछले कुछ वर्षों में सामने आए शोध और अनुभव, जिसने शिक्षा नीति-निर्माताओं को सोचने पर मजबूर किया है।

राजेश जैन
लेखक

डिजिटल शिक्षा

करीब 15 साल पहले दुनिया के कई विकसित देशों ने शिक्षा के डिजिटल भविष्य की परिकल्पना की। इस सोच के पीछे कई तर्क थे। पहला, तकनीक से पढ़ाई को अधिक रोचक और इंटरैक्टिव बनाया जा सकता है। दूसरा, इंटरनेट के माध्यम से बच्चों को वैश्विक ज्ञान तक तुरंत पहुंच मिल सकती है। तीसरा, डिजिटल उपकरणों के जरिए शिक्षा को अधिक व्यक्तिगत यानी पर्सनलाइज लर्निंग बनाया जा सकता है। स्वीडन उन देशों में था, जिसने सबसे पहले स्कूलों में डिजिटल माध्यमों को बड़े पैमाने पर अपनाया। 2009 के आसपास वहां के स्कूलों में टैबलेट और कंप्यूटर को पाठ्यपुस्तकों का विकल्प बनाने की शुरुआत हुई। धीरे-धीरे कई स्कूलों में किताबों की जगह डिजिटल उपकरणों ने ले ली। फिनलैंड, जो अपनी शिक्षा प्रणाली के लिए दुनिया में सबसे अधिक प्रशंसित देशों में से एक है, वहां भी स्कूलों में डिजिटल उपकरणों को बड़े उत्साह के साथ अपनाया गया। कई जगह छात्रों को मुफ्त लैपटॉप दिए गए और पढ़ाई का बड़ा हिस्सा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर स्थानांतरित कर दिया गया। उस समय यह मॉडल इतना आकर्षक लगा कि दुनिया के कई देशों ने इसे अपनाने की कोशिश की। भारत में भी डिजिटल क्लासरूम और स्मार्ट एजुकेशन जैसे शब्द शिक्षा सुधार के प्रमुख नारे बन गए।

हाइब्रिड मॉडल: शिक्षा का नया रास्ता

आज कई विशेषज्ञ इस निष्कर्ष पर पहुंच रहे हैं कि शिक्षा का भविष्य न तो पूरी तरह डिजिटल है और न ही पूरी तरह पारंपरिक। दोनों का संतुलित मिश्रण ही सबसे प्रभावी मॉडल हो सकता है। उदाहरण के लिए, जटिल वैज्ञानिक प्रयोगों, डेटा विश्लेषण और कोडिंग सीखने में डिजिटल उपकरण बेहद उपयोगी हैं। वहीं साहित्य, इतिहास या भाषा जैसे विषयों में किताबों के माध्यम से पढ़ना अधिक प्रभावी हो सकता है। इसलिए कई देश अब 'हाइब्रिड लर्निंग मॉडल' की ओर बढ़ रहे हैं, जिसमें किताब और तकनीक दोनों का संतुलित उपयोग हो।

स्वीडन की नीति में बड़ा बदलाव

स्वीडन ने अपनी शिक्षा नीति में बड़ा बदलाव किया है। सरकार ने स्कूलों में फिर से मुद्रित पाठ्यपुस्तकों को प्राथमिकता देते हुए करोड़ों यूरो का निवेश किया है ताकि हर छात्र तक किताबें पहुंचाई जा सकें। सरकार छह साल से कम उम्र के बच्चों के लिए डिजिटल टूल्स के उपयोग को समाप्त करने की योजना पर भी विचार कर रही है। वहां कई स्कूलों में फिर से शांत पठन समय, हस्तलेखन अभ्यास और पारंपरिक बोर्ड आधारित शिक्षण को बढ़ावा दिया जा रहा है।

तकनीक का विरोध नहीं, संतुलन की खोज

यह समझना जरूरी है कि यह बदलाव तकनीक के खिलाफ कोई आंदोलन नहीं है। अधिकांश शिक्षाविद् यह मानते हैं कि तकनीक शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसे पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। असल बहस तकनीक के उपयोग की सीमा और संतुलन को लेकर है। यूनेस्को की एक रिपोर्ट भी यही चेतावनी देती है कि शिक्षा में तकनीक का इस्तेमाल इस तरह होना चाहिए कि वह शिक्षक-केंद्रित शिक्षा का विकल्प न बन जाए। तकनीक एक साधन है, लक्ष्य नहीं।

जब डिजिटल मॉडल पर उठने लगे सवाल

लगभग एक दशक तक डिजिटल शिक्षा के प्रयोग के बाद कुछ समस्याएं धीरे-धीरे सामने आने लगीं। शिक्षकों, अभिभावकों और शोधकर्ताओं ने पाया कि तकनीक ने पढ़ाई को आसान तो बनाया है, लेकिन कई बुनियादी कौशल कमजोर भी कर दिए हैं। स्वीडन में किए गए अध्ययनों में पाया गया कि स्क्रीन पर पढ़ने वाले छात्रों की एकाग्रता और गहराई से समझने की क्षमता कम हो रही है। चौथी कक्षा के छात्रों की पढ़ने की क्षमता का आकलन करने वाले अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन प्रोग्रेस इन इंटरनेशनल रीडिंग लिटरेसी स्टडी में 2016 और 2021 के बीच स्वीडन के बच्चों के पढ़ने के स्कोर में गिरावट दर्ज की गई। शिक्षाविदों ने देखा कि जब बच्चे टैबलेट या लैपटॉप पर पढ़ते हैं, तो उनका ध्यान जल्दी भटकता है। एक क्लिक में गेम, सोशल मीडिया या अन्य वेबसाइटों तक पहुंच उन्हें पढ़ाई से दूर कर देती है। डिजिटल उपकरण पढ़ाई के साथ-साथ मनोरंजन का भी माध्यम हैं, इसलिए उनमें विचलन की संभावना अधिक होती है।

स्क्रीन का मन और मस्तिष्क पर प्रभाव

नई डिजिटल शिक्षा पर सवाल उठने के पीछे सबसे बड़ा कारण बच्चों के मस्तिष्क और व्यवहार पर स्क्रीन के प्रभाव को लेकर बढ़ती चिंता है। नॉर्वे और अमेरिका के कई शोध बताते हैं कि जब बच्चे हाथ से लिखते हैं, तो उनके मस्तिष्क के कई हिस्से एक साथ सक्रिय होते हैं। अक्षर बनाने की प्रक्रिया, उंगलियों का दबाव और लिखावट की संरचना दिमाग में मजबूत स्मृति चिन्ह (मेमोरी ट्रेस) बनाते हैं। इसके विपरीत, कीबोर्ड पर टाइपिंग अपेक्षाकृत एक यांत्रिक प्रक्रिया है। इसमें मस्तिष्क जानकारी को उतनी गहराई से प्रोसेस नहीं करता। यही कारण है कि हाथ से नोट्स लिखने वाले छात्र विषयों को अधिक गहराई से समझते हैं। इसके अलावा लगातार स्क्रीन देखने से आंखों पर तनाव, नींद की समस्या और मानसिक बेचैनी भी बढ़ने की आशंका रहती है। फिनलैंड के कुछ अध्ययन बताते हैं कि किशोर औसतन प्रतिदिन लगभग छह घंटे स्क्रीन पर बिताते हैं, जो मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों के लिए चिंताजनक है।

भारत के लिए सबक

भारत में डिजिटल शिक्षा तेजी से विस्तार कर रही है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और स्मार्ट क्लासरूम शिक्षा के नए प्रतीक बन चुके हैं। अगर डिजिटल माध्यमों को बिना सोचे-समझे अपनाया गया, तो इसके दुष्परिणाम भी सामने आ सकते हैं। देश में जहां पहले से ही बच्चों का स्क्रीन टाइम तेजी से बढ़ रहा है, वहां स्कूलों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

शिक्षा का मूल उद्देश्य

दरअसल, शिक्षा का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं है, बल्कि सोचने, समझने और विश्लेषण करने की क्षमता विकसित करना है। किताब पढ़ना इस प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह हमें धीमी गति से सोचने व गहराई से समझने के लिए प्रेरित करता है। पिछले दशक में दुनिया ने शिक्षा में तकनीक का व्यापक प्रयोग किया और उससे जुड़े अनुभव भी प्राप्त किए। अब वही अनुभव नीति-निर्माताओं को संतुलित दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। भविष्य की कक्षा शायद ऐसी होगी, जहां स्मार्ट बोर्ड भी होगा और ब्लैकबोर्ड भी, टैबलेट भी होगा और किताब भी, एआई भी होगा और शिक्षक का मार्गदर्शन भी।

नोटिस बोर्ड

- जिला सेवायोजन कार्यालय, कासगंज में 12 मार्च को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले में 18 से 25 वर्ष की आयु के हाईस्कूल, इंटर, स्नातक, आईटीआई उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। रोजगार मेले में साक्षात्कार के माध्यम से लगभग एक हजार रिक्त पद भरे जाएंगे। मेले में 40 कंपनियां अपनी कंपनी के लिए अभ्यर्थियों का चयन करेंगी। रोजगार मेले में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को वेबसाइट पर अपना पंजीयन कराना होगा। अभ्यर्थी पोर्टल पर प्रदर्शित किसी भी कंपनी में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

- ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय की ओर से स्नातक व परास्नातक में प्रवेश हेतु 15 मार्च से आवेदन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इच्छुक विद्यार्थी आवेदन के लिए समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण करा सकेंगे। इस संबंध में कुलपति ने बताया कि एक सप्ताह पहले कोर्सवार सीटों की संख्या वेबसाइट पर अपलोड करवा दी गई थी। समर्थ पोर्टल 15 मार्च से खुल जाएगा। यह आवेदन प्रक्रिया 45 दिनों तक चलेगी। इच्छुक विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://kmclu.ac.in पर समर्थ पोर्टल का लिंक पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

कैंपस में पहला दिन – अभी भी याद है पहली बार मेस में खाना

डॉ. अरुण जोशी
मेडिकल सुपरिंटेंडेंट
राजकीय अस्पताल, हल्द्वानी

नैनीताल की शांत वादियों में मेरा बचपन बीता। पहाड़ों की उस निश्चल दुनिया से निकलकर जब मैं सन् 1977 में लाला लाजपत राय स्मारक चिकित्सा महाविद्यालय, मेरठ पहुंचा, तो मन में एक अजीब सी कशमकश और अनजाना भय था। उन दिनों मेडिकल कॉलेजों में रैगिंग के किस्से आम थे, इसलिए सीनियरों के व्यवहार को लेकर मन में कई नकारात्मक भ्रम पाल रखे थे, लेकिन कॉलेज की देहरी पर कदम रखते ही पहले ही दिन वे सारे डर काफूर हो गए।

कैंपस का वातावरण उम्मीद से बिल्कुल उलट था। मुझे आज भी अचंभित कर देता है कि उन सीनियरों ने, जिन्हें लेकर मैं डरा हुआ था, पहले ही दिन से न केवल मेरा, बल्कि सभी नए छात्रों का हाथ थाम लिया। वहां रैगिंग नहीं, बल्कि एक बड़े भाई जैसा अपनत्व और सहयोग था। जीवन का वह पहला अनुभव जब मैं घर की सुख-सुविधा छोड़कर मेस में खाना खाने पहुंचा, तो भावुक हो गया। मैंने कभी कल्पना नहीं की थी कि परिवार से दूर, बिल्कुल अजनबियों के साथ एक ही टेबल पर बैठकर भोजन करूंगा, लेकिन वह मेस की टेबल केवल खाना खाने की जगह नहीं थी, बल्कि रिश्तों की पाठशाला थी। हंसी-मजाक के उस दौर के बीच खाने का वह स्वाद आज भी मेरी जुबान पर ताजा है। वहीं से सहपाठियों के साथ परिचय का सिलसिला शुरू हुआ, जो धीरे-धीरे अटूट दोस्ती में बदल गया। हॉस्टल की पहली रात और वॉर्डन द्वारा समझाए गए कड़े नियमों ने एहसास कराया कि अब आजाद पंछी को अनुशासन के पिंजरे में खुद को ढालना होगा। वह अनुशासन ही था, जिसने हमें सिखाया कि समय की कीमत क्या होती है और एक डॉक्टर के जीवन में नैतिकता का क्या महत्व है। पहाड़ की मासूमियत और मेरठ की इस अनुशासित मेधा ने मिलकर मेरे भीतर एक नए इंसान को जन्म दिया। वह सफेद कोट पहनना केवल एक करियर की शुरुआत नहीं थी, बल्कि सेवा और समर्पण के उस सफर का आगाज था, जिसकी नींव उसी साल मेरठ की मिट्टी में रखी गई थी। आज पीछे मुड़कर देखता हूं, तो वे यादें जीवन की सबसे अनमोल थाती लगती हैं।

करेंट अफेयर्स

- हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में भारत की पहली रिंग मेट्रो का उद्घाटन किया। मजलिस पार्क-मौजपुर-बाबरपुर कॉरिडोर के शुरू होने से पिंक लाइन की सर्कुलर कनेक्टिविटी पूरी हो गई है, जिससे यह राष्ट्रीय राजधानी के चारों ओर पूरी तरह से संचालित रिंग रूट बन गई है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने दीपाली चौक-मजलिस पार्क कॉरिडोर (मैजेंटा लाइन विस्तार) का भी उद्घाटन किया। इसके साथ ही दिल्ली मेट्रो फेज-5 के तहत नए मेट्रो कॉरिडोर की आधारशिला रखी।
- हाल ही में आईसीसी पुरुष टी-20 क्रिकेट विश्व कप 2026 के फाइनल में भारत ने न्यूजीलैंड को अहमदाबाद में हरा दिया। इस जीत के साथ भारत तीन बार टी-20 विश्व कप जीतने वाला पहला देश बन गया। साथ ही खिताब को सफलतापूर्वक डिफेंड करने वाली पहली टीम भी बना।
- हाल ही में सबा शॉल को जम्मू-कश्मीर की उच्च सुरक्षा वाली सुधारात्मक संस्था सेंट्रल जेल श्रीनगर की पहली कश्मीरी महिला प्रमुख नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति गृह विभाग द्वारा जारी सरकारी आदेश के तहत की गई। इस निर्णय के साथ जम्मू-कश्मीर कारागार विभाग में एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक फेरबदल लागू हुआ है।
- हाल ही में दीपक गुप्ता ने गेल (India) Limited के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) का पदभार संभाला है। उन्होंने संदीप कुमार गुप्ता का स्थान लिया, जो 28 फरवरी को सेवानिवृत्त हुए।
- हाल ही में ईरान ने मोजतबा खामेनेई को सुप्रीम लीडर चुना है। मोजतबा इजरायली हमले में मारे गए अपने पिता अली खामेनेई की जगह इस पद को संभालेंगे। यह फैसला 1989 के बाद इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान में नेतृत्व परिवर्तन की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक माना जा रहा है।
- हाल ही में मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान में मादा चीता ज्वाला ने पांच शावकों को जन्म दिया। भारत अब चीता की संख्या बढ़कर 53 हो गई है। इन शावकों के जन्म के बाद भारत में जन्मे चीता शावकों की संख्या बढ़कर 33 हो गई है। यह घटना भारत में चीते का 10 वां सफल लिटर (जन्म समूह) भी दर्शाती है, जो यह संकेत देती है कि देश में चीता पुनर्स्थापन कार्यक्रम धीरे-धीरे सफल होता जा रहा है और भारत की वन्यजीव संरक्षण यात्रा को नई मजबूती मिल रही है।

जॉब अलर्ट

आईडीबीआई बैंक

- पद का नाम-सहायक प्रबंधक ग्रेड 'ए'
- पदों की संख्या- 200
- शैक्षणिक योग्यता-स्नातक और अमुभव
- आयु सीमा -21-30 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तिथि- 19 मार्च 2026
- वेबसाइट-idbi.bank.in

भारतीय नौसेना

- पद का नाम- अग्निवीर एसएसआर, एमआर और एसएसआर (मेडिकल)
- शैक्षणिक योग्यता- साइंस (पीसीबी) में 50% अंक
- वेतन-14,600 रुपये (प्रशिक्षण के दौरान वजीफा)
- आयु सीमा -उम्मीदवारों का जन्म 01 मई 2005 और 31 अक्टूबर 2009 के बीच होना चाहिए
- आवेदन की अंतिम तिथि- 6 अप्रैल 2026
- वेबसाइट- joinindiannavy.gov.in

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड

- पद का नाम- ट्रेड अप्रेंटिस, टेक्नीशियन अप्रेंटिस और ग्रेजुएट अप्रेंटिस
- पदों की संख्या- 405 (पश्चिमी क्षेत्र के सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में
- विज्ञापन नंबर - आईओसीएल/एमकेटीजी/डब्ल्यूआर/एपीपीआर/3/2025-26
- भत्ता- शिक्षुता अधिनियम, 1961/1973 और शिक्षुता नियम 1992/2019/2025 के अनुसार निर्धारित
- शैक्षणिक योग्यता - मैट्रिक + आईटीआई / कक्षा 12 वीं / इंजीनियरिंग में डिप्लोमा / कोई भी स्नातक डिग्री (विषय के अनुसार)
- आयु सीमा - 18 वर्ष से अधिकतम आयु 24 वर्ष (दिनांक 28.02.2026 तक)
- आवेदन की अंतिम तिथि- 26 मार्च 2026
- वेबसाइट- www.iocl.com

इन विषयों पर मजबूत पकड़ से सरकारी नौकरी करें पक्की

सरकारी नौकरी आज भी देश के लाखों युवाओं का सपना है। हर साल बड़ी संख्या में अभ्यर्थी रेलवे, बैंकिंग, एसएससी और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटते हैं, लेकिन अक्सर छात्रों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि वे अपनी पढ़ाई का फोकस किन विषयों पर रखें? कई बार सीमित समय और विशाल सिलेबस के कारण तैयारी बिखर जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर अभ्यर्थी कुछ प्रमुख विषयों पर मजबूत पकड़ बना लें, तो सफलता की संभावना काफी बढ़ जाती है, जो अधिकांश सरकारी परीक्षाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आइए आज आपको बताते हैं, कौन से हैं वे विषय, जिन पर नियमित अभ्यास और सही रणनीति के साथ तैयारी करने से प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन किया जा सकता है।

नवनीत तिवारी
करियर काउंसर

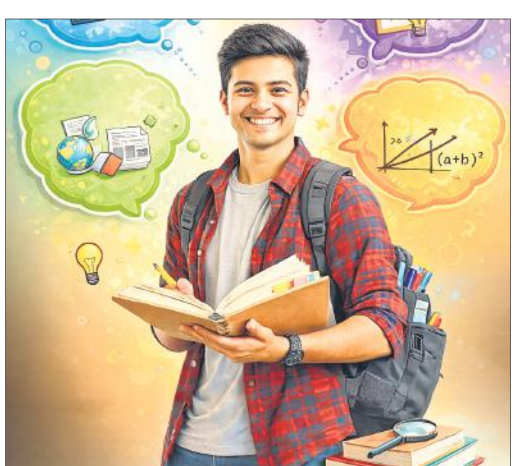

रीजनिंग

रीजनिंग विषय अभ्यर्थियों की तार्किक सोच और विश्लेषण क्षमता को परखता है। इसमें पजल, सीरीज, कोडिंग-डिकोडिंग और एनॉलिटिकल प्रश्न पूछे जाते हैं। लगातार अभ्यास से रीजनिंग में गति और सटीकता दोनों बढ़ाई जा सकती है, जो परीक्षा हाई स्कोरिंग में मदद करेगी।

गणित

गणित लगभग हर प्रतियोगी परीक्षा का अहम हिस्सा होता है। बेसिक मैथ्स के टॉपिक जैसे दशमलव, भिन्न, प्रतिशत, लाभ-हानि आदि पर अच्छी पकड़ होने से अभ्यर्थी आसानी से अच्छे अंक प्राप्त कर सकते हैं। नियमित अभ्यास से गणित में गति और सटीकता दोनों बढ़ती हैं।

करेंट अफेयर्स

करेंट अफेयर भी प्रतियोगी परीक्षाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है। देश-दुनिया की प्रमुख घटनाएं, सरकारी योजनाएं, खेल और पुरस्कार से जुड़े सवाल अक्सर पूछे जाते हैं। इसके लिए रोजाना अखबार पढ़ना और करेंट अफेयर के नियमित नोट्स बनाना काफी उपयोगी साबित होता है।

एडवांस मैथ्स

कई प्रतियोगी परीक्षाओं में एडवांस मैथ्स से भी प्रश्न पूछे जाते हैं। इसमें एल्जेब्रा, त्रिकोणमिति और ज्यामिति जैसे टॉपिक शामिल होते हैं। इन विषयों की अच्छी समझ होने पर रेलवे, एसएससी और अन्य सरकारी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करना आसान हो जाता है।

जनरल स्टडी

किसी भी सरकारी परीक्षा में जनरल स्टडीज की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसमें इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र और विज्ञान जैसे विषय शामिल होते हैं। यदि छात्र रोज थोड़ा-थोड़ा पढ़कर इन विषयों की बुनियादी समझ मजबूत करें, तो परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	76,863.71	23,866.85
बढ़त	1342.27	394.75
प्रतिशत में	1.72	1.63

सोना 1,65,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,75,000 प्रति किलो

अमृत विचार
बरेली, गुरुवार,12 मार्च 2026
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन–तुलसी 2490, राज श्री 1940, फ़ॉर्चून कि. 2500, रविन्द्रा 2450, फॉर्चुन 13kg 2210, जय जवान 2095, सचिन 2200, सूरज 2095, अवसर 2000, उजाला 2080, गृहणी 13 kg 2055, क्लासिक (kg) 2365, मोर 2300, चक्र टिन 2460, ब्लू 2305, आशीर्वाद मस्टर्ड 2400, स्वास्तिक 2445

किराना–निजामाबाद हल्दी 16600, जीरा 26500, लाल मिर्च 21500–24000, धनिया 12000–13000, अजवायान 14000–19000, मेथी 7000–8000 सौंफ 11000–20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850–1000, बादाम 750–1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330–380, मखाना 900–1050

चावल –(प्रति कु0)डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8800, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8800, गौरी प्रीमियम 10300, सूमो 4000, गौरी डिलाइट 9300, मंसूरी पनघट 4200,लाडली 4200

दाल दलहन –मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200–12000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली

7250–7450 मलका दाल 7350–9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800–9800, मसूर दाल छोटी 10000–11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800–11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800–8400, सच्चा हीरा 8700, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100–11800, अरहर कोरी छोटी 13100

चीनी– पीलीभीत 4380, बहेड़ी 4280

बरेली सर्राफा

दाम प्रति 10 ग्राम–

सोना (पक्के आभूषण) 162300, सोना गिन्नी 158300, चांदी (पक्की) 2730 (अनुमानित)

हल्द्वानी मंडी

दाम प्रति क्विंटल में

चावल : शरबती– 3400 मसूरी– 1000 बासमती– 7200–7800 परमल–1200–3200

दाल दलहन–काला चना– 2200–3000 साबुत चना दाल– 1200 मूंग साबुत– 5000 राजमा– 8000–12200 दाल उड़द– 6200 साबुत मसूर दाल– 2900 मसूर दाल– 1400 उड़द साबुत– 10000 काबुली चना– 6000–10200 अरहर दाल– 10400 –12000 लोबिया/करमानी– 1400–3000

बिजनेस ब्रीफ

फोनपे का 'ऑन-द-गो' कार्ड लांच, इंटरनेट के बिना होगा भुगतान

नयी दिल्ली। डिजिटल भुगतान एवं वित्तीय सेवा मंच फोनपे ने 'फोनपे रूपे ऑन–द–गो कार्ड' पेश करने की घोषणा की है। यह एक राष्ट्रीय सार्वजनिक परिवहन कार्ड (एनसीएमसी) है। इससे मेट्रो, बस, ट्रेन, टोल और पार्किंग जैसी सभी एनसीएमसी–सक्षम सेवाओं पर त्वरित 'स्पर्श कर भुगतान' (टैप एंड पे) के माध्यम से लेन–देन किया जा सकेगा।

घरेलू प्राकृतिक संसाधनों के प्रोत्साहन की जरूरत: वेदांता

- प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है भारत की भूगर्भीय संरचना

नयी दिल्ली, एजेंसी

वेदांता लिमिटेड के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा है कि देश की ऊर्जा और खनिज सुरक्षा को मजबूत करने के लिए घरेलू प्राकृतिक संसाधनों की क्षमता का पूर्ण उपयोग करने की जरूरत है।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित होने और भारत के ऊर्जा आयात पर असर पड़ने के बीच उन्होंने यह बात कही। अग्रवाल ने सोशल मीडिया मंच पर लिखा है कि वैश्विक संघर्ष का सीधा असर उन देशों पर पड़ता है जो आयात पर निर्भर हैं। इसलिए भारत को विदेशी संसाधनों पर निर्भरता कम कर घरेलू उत्पादन को बढ़ाकर आत्मनिर्भरता हासिल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह दुखद है कि भारत उस युद्ध के प्रतिकूल प्रभाव झेल रहा है, जिससे उसका कोई संबंध नहीं है। अग्रवाल ने कहा कि भारत अपनी जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। देश लगभग 90 प्रतिशत तेल, 95 प्रतिशत तांबा और 99.5 प्रतिशत सोना आयात करता है जबकि भारत की भूगर्भीय संरचना प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है। खनिज, धातु एवं तेल उद्योग में चार दशकों से अधिक के अनुभव का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि यदि इन संसाधनों का कुशलता से विकास किया जाए तो आयात निर्भरता कम हो सकती है। साथ ही रोजगार, उद्योग एवं निर्यात को भी बढ़ावा मिलेगा।

डिजिटल लुटेराः यूपीआई सुरक्षा को चकमा दे रहे साइबर ठग

साइबर खुफिया कंपनी क्लाउडसेक ने रिपोर्ट में किया दावा-टेलीग्राम पर सक्रिय हैं 20 ग्रुप

नयी दिल्ली, एजेंसी

ऑनलाइन ठग नई प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस(यूपीआई)अनुप्रयोगों की सुरक्षा प्रणाली को चकमा देकर वित्तीय लेनदेन को अंजाम दे रहे हैं। साइबर खुफिया कंपनी क्लाउडसेक की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। कंपनी ने संदेश भेजने से जुड़े मंच टेलीग्राम पर कम से कम 20 सक्रिय समूहों की पहचान की है। प्रत्येक समूह में 100 से अधिक सदस्य हैं जहां 'डिजिटल लुटेरा' नामक टूलकिट पर चर्चा कर उसे शेयर और उसका उपयोग भी किया जा रहा है।

क्लाउडसेक के अनुसंधानकर्ता (खतरा) शोभित मिश्रा ने कहा कि यह केवल यूपीआई से जुड़ा एक और हानिकारक सॉफ्टवेयर नहीं है। डिजिटल लुटेरा उपकरण प्रणाली पर भरोसे की संरचना पर हमला करता है। जब संचालन तंत्र ही प्रभावित हो जाता है तो 'सिम-बाइंडिंग' और हस्ताक्षर जांच जैसी पारंपरिक सुरक्षा व्यवस्थाएं भरोसेमंद नहीं रहतीं। यदि इसे नहीं रोका गया तो यह डिजिटल भुगतान प्रणाली में बड़े पैमाने पर खातों पर पकड़ बनाने की घटनाओं को बढ़ावा दे सकता है।

'सिम बाइंडिंग' एक ऐसी सुरक्षा प्रौद्योगिकी है जो व्हाट्सऐप, टेलीग्राम जैसे मैसेजिंग ऐप को केवल उसी रजिस्टर्ड सिम कार्ड से चलाने की अनुमति देती है जो फोन में लगा हो। क्लाउडसेक ने बताया कि उसने ऐसे ही एक समूह के विश्लेषण में पाया कि केवल दो दिन में करीब 25 से 30 लाख रुपये के लेनदेन किए गए। इससे पता चलता है कि धोखाधड़ी

का यह तरीका कितनी तेजी से फैल रहा है और कितने लोगों को प्रभावित कर रहा है। इस संबंध में नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला है। 'सिम-बाइंडिंग' को इस बात का प्रमाण माना जाता रहा है कि कोई बैंक खाता किसी विशेष उपकरण से सुरक्षित रूप से जुड़ा हुआ है। यूपीआई अनुप्रयोग लेनदेन से पहले उस फोन नंबर के सिम का सत्यापन करते हैं जिसके साथ खाता मोबाइल फोन में पंजीकृत होता है। क्लाउडसेक ने बताया कि यह हमला आमतौर पर तब शुरू होता है जब उपयोगकर्ता अनजाने में एक हानिकारक एपीके फोन में डाल लेते हैं, जो किसी सामान्य सूचना (जैसे यातायात चालान या शादी के निमंत्रण) के रूप में दिखाई देती है।

एक बार इसके फोन में आ जाने पर यह हानिकारक सॉफ्टवेयर पीड़ित के फोन में संदेश पढ़ने की अनुमति प्राप्त कर लेता है। 'डिजिटल लुटेरा' टूलकिट स्थापित होने के बाद हमलावर अपने उपकरण पर एक विशेष एंड्रॉयड ढांचे के उपकरण का उपयोग कर प्रणाली स्तर की पहचान एवं संदेशों के हेरफेर करते हैं। इसके बाद बैंक के लिए भेजे जाने वाले पंजीकरण संदेशों को बीच में ही पकड़ लिया जाता है और 'वन टाइम पासवर्ड' चुपचाप हमलावरों द्वारा नियंत्रित टेलीग्राम ग्रुप पर भेज दिए जाते हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि फोन के संदेश अभिलेख में 'भेजा गया' जैसे नकली संदेश भी जोड़ दिए जाते हैं ताकि सब कुछ सामान्य दिखाई दे।

इसका परिणाम यह होता है कि पीड़ित का यूपीआई खाता किसी दूसरे उपकरण पर पंजीकृत और नियंत्रित किया जा सकता है जबकि असली सिम कार्ड पीड़ित के फोन में ही रहता है। साइबर खुफिया कंपनी ने कहा कि एंड्रॉयड उपकरण में इस प्रकार की हेरफेर के बाद यूपीआई अनुप्रयोग को यह विश्वास हो जाता है कि सत्यापन के लिए भेजे गए संदेश वास्तव में उसी फोन से भेजे गए हैं।

कच्चा तेल उछलने से फिसला बाजार, सेंसेक्स 1,342 अंक टूटा, 5.14 लाख करोड़ डूबे

निफ्टी भी 24000 से नीचे आया, विदेशी निवेशकों की निकासी और बैंकों के शेयरों की बिकवाली से बना दबाव

मुंबई, एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच कच्चे तेल के दाम में तेजी से शेयर बाजारों में बुधवार को बड़ी गिरावट आई। बीएसई सेंसेक्स ने 1,342 अंक का गोता लगाया और एनएसई निफ्टी फिसलकर 24,000 अंक के नीचे आ गया। यह गिरावट एक दिन की बढ़त के बाद आई है। इसके चलते निवेशकों की पूंजी में बुधवार को 5.14 लाख करोड़ रुपये की कमी आई

कारोबारियों ने कहा कि इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी और प्रमुख बैंकों के शेयरों में बिकवाली दबाव से भी बाजार नुकसान में रहा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,342.27 अंक यानी 1.72 प्रतिशत लुढ़क कर 76,863.71 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसमें 1,446.72 अंक तक की गिरावट आई थी।

बीएसई में सूचीबद्ध 2,380 शेयरों में गिरावट आई जबकि

1,881 शेयर लाभ में रहे। वहीं 153 शेयर के भाव अपरिवर्तित रहे। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 394.75 अंक यानी 1.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,866.85 अंक पर बंद हुआ। रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण वैश्विक बाजारों में अस्थिरता बनी हुई है और उतार-चढ़ाव भी बढ़ा है, जिससे निवेशकों का भरोसा कमजोर बना हुआ है।

उन्होंने कहा कि कच्चे तेल की आपूर्ति में प्रभावित होने की आशंका, बढ़ती मुद्रास्फीति और आर्थिक वृद्धि पर इसके संभावित प्रभाव को लेकर चिंताएं निवेशकों को सतर्क बनाए हुए हैं। इसके अलावा, विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा लगातार बिकवाली और रुपये में कमजोर रुख ने जोखिम लेने की प्रवृत्ति को और कम कर दिया है।

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में बजाज फाइनेंस में सबसे ज्यादा 5.01 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, ट्रेंट, भारती एयरटेल और कोटक महिंद्रा बैंक प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ केवल दो शेयर सन फार्मा और एनटीपीसी लाभ में रहे।

- **बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, ट्रेंट, भारती एयरटेल और कोटक महिंद्रा बैंक में रही गिरावट**
- **सेंसेक्स मंगलवार को 639.82 अंक चढ़कर 78,205.98 अंक पर बंद हुआ था और निफ्टी भी 233.55 अंक बढ़कर 24,261.60 अंक पर रहा था**

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लि. के शोध प्रमुख (संपत्ति प्रबंधन) सिद्धार्थ खेमका ने कहा किपिछले सत्र में उछाल के बाद बाजार में फिर से गिरावट शुरू हो गई है। विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार निकासी और बैंक, वित्तीय सेवाओं और वाहन शेयरों में बिकवाली के चलते मानक सूचकांक पर दबाव रहा।

मझोली कंपनियों से संबंधित बीएसई मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक में 1.55 प्रतिशत की गिरावट आई जबकि छोटी कंपनियों का स्मॉलकैप 0.61 प्रतिशत के नुकसान में रहा। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि आने वाले समय में, बाजार में सतर्क रुख अपनाये जाने संभावना है।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 5.76 प्रतिशत बढ़कर 92.86 डॉलर प्रति बैरल हो गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को 4,672.64 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 6,333.26 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। एशिया के अन्य बाजारों में, जापान का निक्की, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट सकारात्मक दायरे में बंद हुए। जबकि हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख था। अमेरिका बाजार मंगलवार को स्थिर रुख के साथ बंद हुए थे।

सिंगापुर एयरलाइंस की सेल किराया 5,800 रुपये से शुरू

नयी दिल्ली, एजेंसी

सिंगापुर एयरलाइंस की सहायक कंपनी स्कूट ने ''मार्च थीमैटिक सेल'' की घोषणा की है जो 15 मार्च तक चलेगी। ऑफर के तहत भारत से सिंगापुर के लिए इकोनॉमी क्लास का एक तरफ का किराया मात्र 5,800 रुपये से शुरू होता है। सिंगापुर से आगे एशिया-पैसिफिक और अन्य लोकप्रिय शहरों के लिए भी कनेक्टिंग उड़ानें उपलब्ध हैं। ऑफर के तहत हर गंतव्य के लिए अलग-अलग अंतराल होंगे जो 01 अप्रैल से 16 दिसंबर के बीच हैं।

किफायती विमान सेवा कंपनी स्कूट एयर ने बताया कि चेन्नई से सिंगापुर का किराया 5,800 रुपये से शुरू हो रहा है।

तिरुचिरापल्ली से फुकेट का किराया 8,500 रुपये से, तिरुवनंतपुरम से सिडनी का 15,000 रुपये से और विशाखापत्तनम से बैंकॉक का 7,900 रुपये से शुरू होगा। अमृतसर से सेबू का टिकट 11,500 रुपये से और कोयंबटूर से ना त्रांग का 10,500 रुपये से मिलेगा।

अमृतसर और चेन्नई से यात्रा करने वाले यात्री अब स्कूट के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमानों में 'स्कूटप्लस' का बेहतर अनुभव भी ले सकते हैं। इसके लिए टिकट मात्र 12,900 से शुरू हो रहा है। 'स्कूटप्लस' के अंतर्गत यात्रियों को कई अतिरिक्त सुविधाएं मिलती हैं, जिनमें प्राथमिकता के आधार पर चेक-इन और बोर्डिंग, ज्यादा लेगरूम वाली आरामदायक सीटें, 15 किलोग्राम केबिन बैगेज और 30 किलोग्राम चेक-इन बैगेज की अनुमति शामिल है। अमृतसर से जाने वाले यात्रियों को ऑफर का लाभ 27 अप्रैल से 04 जून और बाद में 06 जुलाई से 24 अक्टूबर तक की यात्रा पर मिलेगा।

मलेशिया एयरलाइंस की भारतीयों के लिए विशेष पेशकश

नयी दिल्ली। मलेशिया एयरलाइंस ने भारत के यात्रियों के लिए विशेष किराये का घोषणा की है। एयरलाइंस की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि ऑफर के तहत 10 मार्च से 23 मार्च तक बुकिंग करायी जा सकती है। यह बुकिंग 18 दिसंबर 2026 तक की यात्रा के लिए होगी। ऑफर के तहत इकोनॉमी क्लास का रिटर्न किराया 20,599 रुपये से शुरू होगा। यात्री मलेशिया एयरलाइंस के नेटवर्क पर कुआलालंपुर, सिंगापुर, ऑकलैंड, सिडनी और अन्य गंतव्यों के लिए टिकट बुक करा सकेंगे।

एआईएफ के लिए नियामक मंजूरी प्रक्रिया में तेजी लाने को रुपरेखा बना रहा सेबीः पांडेय

मुंबई, एजेंसी

सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने बुधवार को कहा कि वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) के लिए एक नए नियामकीय ढांचे पर विचार किया जा रहा है। इससे एआईएफ योजनाओं की पेशकश में तेजी आ सकती है। प्रस्तावित 'लॉज एंड लॉन्च' मॉडल के तहत कुछ एआईएफ योजनाओं को मर्चेंट बैंकर द्वारा जारी जांच-परख प्रमाणपत्रों के आधार पर पेश किया जा सकेगा, जिससे नियामक मंजूरी में लगने वाला समय कम होगा। पांडेय ने आईवीसीए कॉन्क्लेव-2026 में कहा कि इस ढांचे का उद्देश्य कारोबार को सुगम बनाना,

एआईएफ पेशकश में तेजी लाना और निजी पूंजी के तेजी से जुटाने में सहायता करना है।

उन्होंने कहा कि प्रस्तावित प्रणाली के तहत, कुछ विशिष्ट एआईएफ योजनाएं जांच-परख प्रमाणन के लिए मर्चेंट बैंकर पर निर्भर हो सकती हैं, जबकि केवल मान्यता प्राप्त निवेशकों के लिए योजनाओं को लाकर, एआईएफ प्रबंधक खुलासा संबंधी जांच-परख सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होगा। नियामक ने कहा कि वह इस प्रस्ताव पर उद्योग जगत से परामर्श करेगा।

भारत में एआईएफ उद्योग का हाल के वर्षों में तेजी से विस्तार हुआ है। देश में अब 1,700 से अधिक पंजीकृत एआईएफ हैं, जिनकी कुल प्रतिबद्धताएं लगभग 15.74 लाख करोड़ रुपये और निवेश लगभग 6.45 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह दिसंबर, 2025 तक पिछले पांच वर्षों में लगभग 30 प्रतिशत की संचयी सालाना वृद्धि है। साथ ही, सेबी प्रमुख ने उद्योग के लिए प्रमुख चुनौतियों के रूप में 'गलत बिक्री' और 'उपयुक्त उत्पाद' का जिक्र किया।

एफएसीटी को मिल जल्दी सकता है 'मिनी रत्न' का दर्जा

कोच्चि (केरल), एजेंसी। आजादी से पहले गठित देश की प्रमुख उर्वरक आपूर्तिकर्ता कंपनी, उर्वरक और रसायन त्रावणकोर (एफएसीटी) को जल्द 'मिनी रत्न' का दर्जा मिल सकता है।

कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि 66 साल पहले सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी (सीपीएसयू) बनी एफएसीटी को मिनी रत्न का दर्जा मिलने में सिर्फ 'प्रक्रियात्मक जरूरतें' बाकी रह गई हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी के वित्तीय पुनर्गठन (फाइनेंशियल रिस्ट्रक्चरिंग) का काम भी प्रगति पर है, जिसके पूरा होते ही से उसे यह दर्जा मिलने का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा।

भर्ती के समय अंग्रेजी दक्षता के आकलन से बढ़ती है कार्यक्षमताः रिपोर्ट

नयी दिल्ली, एजेंसी

भारत में 98 प्रतिशत मानव संसाधन (एचआर) प्रमुखों का मानना है कि यदि भर्ती के दौरान अंग्रेजी कौशल का बेहतर आकलन किया जाए, तो संगठन अधिक कुशल होंगे। एजुकेशनल टेस्टिंग सर्विसेज (ईटीएस) की टीओईआईसी ग्लोबल इंग्लिश स्किल्स रिपोर्ट यह भी कहती है कि कृत्रिम मेधा (एआई) खराब अंग्रेजी दक्षता की भरपाई नहीं कर सकता। टोफेल और जीआरई जैसी परीक्षाएं आयोजित करने वाली प्रिंसटन स्थित संस्था ईटीएस ने यह रिपोर्ट भारत में 87 शीर्ष एचआर अधिकारियों के सर्वेक्षण के आधार

पर तैयार की है। यह शोध 17 देशों के 1,325 एचआर अधिकारियों पर किए गए व्यापक सर्वेक्षण का हिस्सा है, जिसमें ब्राजील, चीन, फ्रांस, जर्मनी, इंडोनेशिया, भारत, जापान, मेक्सिको, मोरोक्को, सऊदी अरब, दक्षिण कोरिया, स्पेन, ताइवान, थाइलैंड, तुर्किये, संयुक्त अरब अमीरात और वियतनाम शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में ज्यादातर नियोक्ताओं का मानना है कि पांच साल पहले की तुलना में अब अंग्रेजी दक्षता अधिक महत्वपूर्ण हो गई है, हालांकि इसके मूल्यांकन की गुणवत्ता और लागत जैसी बाधाएं अब भी बनी हुई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिकांश एचआर प्रमुखों का मानना है कि एआई खराब अंग्रेजी दक्षता का विकल्प नहीं हो सकता, जिससे विश्वसनीय मूल्यांकन की जरूरत और बढ़ जाती है। भारत में 94 प्रतिशत एचआर प्रमुखों का कहना है कि बढ़ते वैश्विक सहयोग ने अंग्रेजी की आवश्यकता को बढ़ा दिया है, जबकि 84 प्रतिशत का मानना है कि अंग्रेजी की कमी प्रतिस्पर्धा में पिछड़ने का कारण बनती है।

युवा उद्यमी योजना : जॉब सीकर से जॉब क्रिएटर बनने का मौका

युवा अब जॉब सीकर नहीं जॉब क्रिएटर बनकर देश के विकास में सक्रिय सहभागिता करना चाहता है। युवा अब उद्यमी बनना चाहता है। युवाओं की इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने युवाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान शुरू किया है। इस योजना का उद्देश्य ऐसे युवाओं की मदद करना है जो पूंजी के अभाव में अपना व्यवसाय शुरू नहीं कर पा रहे हैं। यदि जानते हैं इस योजना से जुड़ी सभी जरूरी बातें-

योजना की मुख्य विशेषताएंः इसके तहत 21 से 40 वर्ष तक के युवाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए बिना गारंटी और ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाता है। अगले दस वर्षों में लगभग 10 लाख युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ना है। इसके तहत हर वर्ष करीब एक लाख युवाओं को इस योजना का लाभ देने की योजना बनाई गई है।

दो चरणों में मिलेगी वित्तीय सहायताः योजना को दो चरणों में लागू किया गया है। पहले चरण में अधिकतम 5 लाख रुपये की परियोजना के लिए करीब 4.5 लाख रुपये तक का ऋण दिया जाता है। खास बात यह है कि ऋण चुकाने की प्रक्रिया में शुरुआती छह महीने तक राहत दी जाती है।

यदि लाभार्थी पहले चरण का ऋण समय पर चुका देता है, तो दूसरे चरण में उसे 10 लाख रुपये तक का ऋण मिल सकता है। इस चरण में ब्याज पर 50 प्रतिशत तक की सब्सिडी का प्रावधान भी है।

जानकारी

किसे मिलेगा योजना का लाभ

1–आवेदक उत्तर प्रदेश का स्थायी निवासी होना चाहिए।
2– उम्र 21 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए।
3–कम से कम आठवीं कक्षा पास होना आवश्यक है।
4–कोई स्किल सर्टिफिकेट, डिप्लोमा या डिग्री होना चाहिए।

इसके अलावा योजना में लाभार्थी को अपनी श्रेणी के अनुसार कुछ अंशदान भी करना होता है। सामान्य वर्ग के लिए 15 प्रतिशत, ओबीसी के लिए 12 .5 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति–जनजाति और दिव्यांग वर्ग के लिए 10 प्रतिशत योगदान तय किया गया है।

कैसे और कहां करें आवेदन

सीएम युवा उद्यमी योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन आधिकारिक पोर्टल msme.cmyuva.org.in पर किया जा सकता है।

वेबसाइट पर जाएं : उत्तर प्रदेश (CMYUVA) के आधिकारिक उद्यमी पोर्टल पर जाएं।

पंजीकरण : पंजीकरण/लॉग इन पर क्लिक करें और आधार नंबर दर्ज करके पासवर्ड बनाएं।

फॉर्म भरें : व्यक्तिगत, शैक्षणिक और व्यावसायिक जानकारी (जैसे परियोजना रिपोर्ट) सही–सही भरें।

दस्तावेज़ अपलोड करें : आधार, निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र (यदि लागू हो), 8वीं पास मार्कशीट, पैन कार्ड, फोटो, और बैंक पासबुक की स्कैन की गई प्रतियां अपलोड करें।

सबमिट और ट्रैकिंग : फॉर्म को 'फाइनल सबमिट' करें और आवेदन संख्या यानी एप्लीकेशन नम्बर को भविष्य के लिए सुरक्षित रखें।

प्रशिक्षण और मार्गदर्शन भी देगी सरकारः सरकार इस योजना के तहत केवल वित्तीय सहायता ही नहीं देती, बल्कि व्यवसाय शुरू करने और उसे सफल बनाने के लिए प्रशिक्षण और मार्गदर्शन की व्यवस्था भी करती है। अधिक जानकारी के लिए अपने जिले के जिला उद्योग केंद्र से संपर्क करें।

भारत में गूगल क्रोम में मिलेंगी अंतर्निहित एआई सुविधाएं

नयी दिल्ली, एजेंसी। गूगल ने भारत में उपयोगकर्ताओं के लिए 'गूगल क्रोम' में अंतर्निहित कृत्रिम मेधा (एआई) सुविधाओं को जोड़ने की बुधवार को घोषणा की। कंपनी ने कहा कि इससे इंटरनेट पर खोज का अनुभव उपयोगकर्ताओं के लिए अधिक सहज, सुरक्षित एवं उपयोगी बनेगा। ये 50 से अधिक भाषाओं में उपलब्ध होंगी जिनमें हिंदी, बंगाली, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, तेलुगु और तमिल जैसी भारतीय भाषाएं भी शामिल हैं।गूगल आज क्रोम की कई नवीनतम कृत्रिम मेधा सुविधाओं (जिनमें क्रोम में जेमिनी भी शामिल है) को भारत के उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध कराने की घोषणा करता है। इसमें कहा गया कि ये सुविधाएं कंपनी के नवीनतम जेमिनी 3.1 मॉडल पर आधारित हैं।

राजकोषीय घाटे के मानकों का पालन करें राज्य : नीति आयोग

नयी दिल्ली, एजेंसी

सरकारी शोध संस्थान नीति आयोग ने बुधवार को राज्यों से राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) अधिनियम के तहत राजकोषीय घाटे से संबंधित मानकों का पालन करने का आग्रह किया। इसके लिए व्यय प्रबंधन में अनुशासन, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) आधार बढ़ाने और कर क्षमता बढ़ाने को कहा गया है। नीति आयोग की ''राजकोषीय स्वास्थ्य सूचकांक (एफएचआई) 2026'' रिपोर्ट में कहा गया है कि जिन राज्यों का राजस्व घाटा बढ़ रहा है उन्हें अपने राजस्व व्यय को टिकाऊ राजस्व वृद्धि के अनुरूप रखना चाहिए। वित्त वर्ष 2023-24 के आंकड़ों पर आधारित इस रिपोर्ट के मुताबिक, राजकोषीय स्थिति के आधार पर शीर्ष 10 राज्यों में ओडिशा, गोवा, झारखंड, गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और मध्य प्रदेश शामिल हैं।

वहीं बिहार, कर्नाटक एवं तेलंगाना ने मामूली सुधार दर्ज किया जबकि पंजाब, पश्चिम बंगाल एवं केरल इस सूचकांक में निचले स्थान पर रहे हैं। पूर्वोत्तर और हिमालयी राज्यों में अरुणाचल प्रदेश शीर्ष पर रहा। इसके बाद उत्तराखंड, त्रिपुरा, मेघालय, असम और मिजोरम का स्थान रहा। नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों तरह के आर्थिक झटके आते हैं, इसलिए मजबूत राजकोषीय स्थिति बनाए रखना जरूरी है।

वर्ल्ड ब्रीफ

स्विट्जरलैंड : बस में लगाई आग, छह की मौत, तीन गंभीर

जिनेवा। स्विट्जरलैंड की राजधानी बर्न के पश्चिम में स्थित एक शहर में बस में आग लग जाने से छह लोगों की मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। फ्राइबर्ग क्षेत्र के पुलिस प्रवक्ता फ्रेडरिक पापो ने बताया कि बर्न से लगभग 25 किलोमीटर पश्चिम में स्थित केर्जर्स शहर में मंगलवार शाम हुई यह घटना जानबूझकर किया गया कृत्य हो सकती है। यह क्षेत्रीय परिवहन बस पोस्टबस द्वारा संचालित की जाती है जो राष्ट्रीय डाक सेवा से संबद्ध है। मीडिया में प्रसारित घटनास्थल की तस्वीरों में बस आग की लपटों से घिरी नजर आ रही है। क्षेत्रीय सरकार ने कहा, मौके पर पहुंचे बचाव दलों ने पाया कि वाहन आग की लपटों में घिरा हुआ था। हेलीकॉप्टर दलों ने तीन गंभीर घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

अमेरिका : पत्नी के हत्यारोपी भारतीय पर 10 लाख डॉलर इनाम

न्यूयॉर्क। अमेरिका के संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने पत्नी की हत्या के आरोपी भारतीय नागरिक के बारे में सूचना देने वाले को 10 लाख अमेरिकी डॉलर का इनाम देने की घोषणा की है। उस पर पहले 2.5 लाख अमेरिकी डॉलर का इनाम घोषित था। भद्रेशकुमार चेतनभाई पटेल (35) पर आरोप है कि उसने 12 अप्रैल 2015 को मैरीलैंड के हैनोवर में चाकू से कई बार वार कर अपनी पत्नी पलक पटेल (21) की हत्या कर दी। यह वारदात उस दुकान में हुई जहां दोनों काम करते थे। जांचकर्ताओं का मानना है कि पटेल ने देर रात दुकान के पिछले कमरे में अपनी पत्नी पर कई बार चाकू से वार किया और फिर पीछे के दरवाजे से भाग गया। भद्रेश एफबीआई की 10 सर्वाधिक वांछित अपराधियों की सूची में शामिल है।

सूडान : स्कूल पर ड्रोन हमले में 17 की मौत अधिकतर छात्राएं

काहिरा। दक्षिणी सूडान के एक माध्यमिक विद्यालय और एक स्वास्थ्य केंद्र पर बुधवार को एक विस्फोटक से भरे ड्रोन हमले में 17 से ज्यादा लोग मारे गए। मरने वालों में अधिकतर स्कूली छात्राएं थीं। अस्पताल के एक अधिकारी और एक चिकित्सा समूह ने यह जानकारी दी। गांव के सबसे नजदीक स्थित प्रमुख चिकित्सा सुविधा केंद्र दुइम अस्पताल के निदेशक डॉ. मूसा अल-मजेरी के अनुसार, हमले में 10 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं जिन्हें अस्पतालों में भर्ती कराकर चिकित्सीय सुविधा दी जा रही है। अभी यह साफ नहीं किया गया है कि हमला किसने किया। अधिकारियों के मुताबिक मामले की जांच की जा रही है।

नेपाल: आरएसपी को पीआर श्रेणी में भी सर्वाधिक वोट

काठमांडू। नेपाल में आनुपातिक प्रतिनिधित्व श्रेणी (पीआर) के तहत मतों की गिनती बुधवार को समाप्त हो गई, जिसमें राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) को सबसे अधिक मत मिले। निर्वाचन आयोग की बुधवार को इस संबंध में आंकड़े साझा किए गए। नेपाल की प्रतिनिधि सभा में 275 सीट हैं। इनमें से 165 सदस्य प्रत्यक्ष मतदान प्रणाली और 110 सदस्य आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के माध्यम से चुने जाते हैं। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने कहा, मतगणना पूरी हो चुकी है। हालांकि, अंतिम परिणाम अभी प्रकाशित नहीं किए गए हैं क्योंकि आंकड़े दर्ज किए जाने का काम अभी जारी है। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, कुल 1,07,85,876 मतों की गिनती हुई। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को 51,57,130 वोट मिले, जबकि नेपाली कांग्रेस को 17,55,872 मत प्राप्त हुए। सीपीएन (यूएमएल) को 14,52,758 मत जबकि नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी को 8,09,577 मत मिले। श्रम संस्कृति पार्टी को 3,85,741 मत और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी को 3,30,268 मत मिले। नेपाल में पांच मार्च को हुए प्रत्यक्ष मतदान में आरएसपी ने 165 में से 125 सीट जीतकर इतिहास रच दिया। नेपाली कांग्रेस ने 18, सीपीएन (यूएमएल) ने नौ, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी ने सात, श्रम संस्कृति पार्टी ने तीन, राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने एक और निर्दलीय ने एक सीट जीती।

- एक करोड़ से ज्यादा वोटों में से पार्टी को मिले 50% से ज्यादा

युद्ध में बढ़ती क्रूरता

सफेद फॉस्फोरस का बेरूत में प्रयोग

ईरान और अमेरिका-इजराइल युद्ध के बीच इजराइल की ओर से लेबनान के बेरूत में सफेद फॉस्फोरस के इस्तेमाल ने दुनिया भर में युद्ध में बढ़ती क्रूरता को लेकर फिर नई चिंता पैदा की है। अंतर्राष्ट्रीय नियमों की अनदेखी कर युद्धों में क्रूरता दिखाने के मामले नए नहीं हैं। इसी युद्ध में ईरान के मिनाब शहर में बच्चियों के एक स्कूल पर मिसाइल हमला भी ऐसी ही क्रूरता का एक उदाहरण है, जिसमें पांच से 12 साल की 165 बच्चियों की मौत हो गई थी। अतीत में भी सैन्य संघर्षों के दौरान कई बार क्रूरता की हदें पार करके मानवता को शर्मसार किया गया है। विडंबना यह है कि क्रूरता को रोकने और इसके लिए जिम्मेदार देशों की जवाबदेही तय करने वाली अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं का प्रभाव भी हाल के वर्षों में काफी कम हुआ है। इन परिस्थितियों ने दुनिया के सामने एक नए तरह का खतरा पैदा किया है।

सफेद फॉस्फोरस का प्रयोग

- सफेद फॉस्फोरस का प्रयोग नागरिक आबादी वाले क्षेत्रों में 'कन्वेंशन ऑन सर्टेन कन्वेंशनल वेपन्स' के प्रोटोकॉल के तहत कड़ाई से नियंत्रित है।
- इसका प्रयोग पहले भी कई और सैन्य संघर्षों में हुआ है और दुनिया के मानवाधिकार संगठनों ने समय-समय पर इस पर गंभीर चिंता जताई है।
- सफेद फॉस्फोरस रासायनिक पदार्थ है जो ऑक्सीजन के संपर्क में आने पर स्वतः जल उठता है और बहुत उच्च तापमान पैदा करता है।
- इसके संपर्क में आने पर गहरे घाव हो सकते हैं, आंतरिक अंगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसका धुआं फेफड़ों-आंखों के लिए खतरनाक।

क्रूरता के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय ढांचा

- जिनेवा कन्वेंशन युद्ध के दौरान घायलों, बीमारों, युद्धबंदियों और नागरिकों की सुरक्षा के लिए बुनियादी नियम निर्धारित करता है।
- अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय नरसंहार, युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए जवाबदेही तय करता है।
- रासायनिक हथियार कन्वेंशन युद्ध में उन हथियारों के उपयोग को प्रतिबंधित करते हैं जो अनावश्यक पीड़ा का कारण बनते हैं।
- रोम स्टैच्यूट संधि युद्ध अपराधों को परिभाषित करती है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर न्याय सुनिश्चित करने का आधार प्रदान करती है।
- संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय जैसी संस्थाएं काम करती हैं, दोषियों पर युद्ध अपराध का मुकदमा चलाती हैं।

अमानवीय

महिलाओं-बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा को युद्ध की रणनीति के रूप में इस्तेमाल करना। सार्वजनिक रूप से हत्या करना और प्राचीन स्मारकों, पुस्तकालयों, धार्मिक स्थलों को नष्ट करना।

युद्ध में नए प्रयोग

- सीरिया, यूक्रेन, गाजा में अस्पतालों स्कूलों पर हवाई हमले जो नागरिकों के लिए अंतिम शरणस्थली थे।
- सीरिया में सरीन गैस का इस्तेमाल या घनी आबादी वाले क्षेत्रों में क्लस्टर बम, सफेद फॉस्फोरस का प्रयोग।
- भोजन, पानी, दवाइयों की आपूर्ति काट देना ताकि भुखमरी को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा सके।

दुनिया में ऐतिहासिक नरसंहार

- द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी ने लाखों यहूदियों और अल्पसंख्यकों का कत्लेआम किया, जो क्रूरता का सबसे वीभत्स उदाहरण माना जाता है।
- जापान की सेना ने 1937 में चीनी नागरिकों के साथ अत्यधिक बर्बरता के साथ सामूहिक हत्याएं की थीं जो नानजिंग के नरसंहार के नाम से मशहूर है।
- वर्ष 1994 में हुआ रवांडा नरसंहार जिसमें मात्र 100 दिनों के भीतर 8 लाख लोगों की नृशंस हत्या की गई, पड़ोसियों ने ही एक-दूसरे पर हमला किया।

एलपीजी : कमी न होने के दावों के बीच देश भर में हाहाकार

सिलेंडर के लिए कहीं लंबी कतारें तो कहीं ब्लैक के आरोप, विपक्ष ने लगाए सरकार पर गुमराह करने के आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार की ओर से घरेलू गैस (एलपीजी) और पेट्रोलियम पदार्थों की कोई कमी न होने के लगातार दावों के बीच देश भर में हाहाकार मचा हुआ है। एलपीजी संकट के कारण एक तरफ होटल और रेस्टोरेंट उद्योग ठप होने के कगार पर पहुंच गया है तो दूसरी तरफ घरेलू सिलेंडरों के लिए गैस एजेंसियों पर लंबी कतारें लग रही हैं। लोग घरेलू गैस की ब्लैक के भी आरोप लगा रहे हैं।

भारतीय राष्ट्रीय रेस्तरां एसोसिएशन ने कहा है कि दिल्ली में नियमित एलपीजी आपूर्ति न होने से कुछ रेस्टोरेंट पाइप से होने वाली रसोई गैस आपूर्ति और इंडक्शन कुकिंग जैसे विकल्प अपना रहे हैं। कई रेस्तरां ऐसे व्यंजन को बढ़ावा दे रहे हैं जिनमें कम गैस खपत होती है। कोलकाता और पश्चिम बंगाल के कई शहरों में बुधवार को रसोई गैस एजेंसियों के कार्यालयों और ऑटो के लिए एलपीजी गैस भरवाने वाले केंद्रों पर लंबी कतारें नजर आईं। रांची समेत झारखंड के भी कई जिलों में यही हाल है। गैस एजेंसियों के ऑफिस में सिलेंडर की बुकिंग के लिए लोगों की भीड़ लगी हुई है। यहां सुबह से ही लंबी कतारें लग गई थीं। गैस सिलेंडर को लेकर एजेंसी और उपभोक्ताओं के बीच नोकझोंक भी हो रही है।

केरल में कई शहरों में होटलों को बंद कर दिया गया है। कर्नाटक सरकार ने बुधवार को एलपीजी वितरकों और डीलरों को कालाबाजारी या उपभोक्ताओं को 'ब्लैकमेल' करने के खिलाफ कड़ी चेतावनी दी। दरअसल, सरकार को शिकायतें मिली हैं कि कुछ एलपीजी डीलर डिलीवरी में देरी करके हालात का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में भी खाद्य सचिव रीना बाबा साहेब कंगाले ने सभी ऑयल कंपनी के अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हें निर्देश दिए कि राज्य में एलपीजी संकट न होने दिया जाए।

प्रयागराज में एक गैस एजेंसी के बाहर बुधवार को सिलेंडर रिफिल कराने वालों की कतार।

देश में एकाएक कई गुना बढ़ी बिजली के चूल्हों और केतलियों की बिक्री

नई दिल्ली। रसोई गैस के संकट के बीच देश में बिजली के चूल्हों (इंडक्शन) और इलेक्ट्रिक केतली की बिक्री में भारी उछाल आया है। टाटा समूह की कंपनी क्रोमा ने पिछले कुछ दिनों में चूल्हों की मांग में तीन गुना वृद्धि दर्ज की है, जबकि 'पिजन' ब्रांड बनाने वाली कंपनी स्टोवक्राफ्ट लिमिटेड की औसत साप्ताहिक ऑनलाइन बिक्री चार गुना बढ़ गई है। इन्फिनिटी रिटेल लिमिटेड (क्रोमा) के सीईओ और एमडी शिबाशीष रॉय ने कहा, पिछले कुछ दिन में बिजली के चूल्हों की मांग में अचानक तेजी आई है जो लगभग तीन गुना बढ़ गई है। ग्राहक एक बार में कई चूल्हे खरीद रहे हैं। इलेक्ट्रिक केतली की मांग भी लगभग दोगुनी हो गई है। अमेजन इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि दो दिन में इंडक्शन चूल्हों की बिक्री 30 गुना बढ़ गई है, जबकि चावल पकाने वाला कुकर और इलेक्ट्रिक प्रेशर कुकर की बिक्री में चार गुना उछाल आया है। एयर फ्रायर और इलेक्ट्रिक केतली की बिक्री भी दोगुनी हो गई है।

रांची में बच्चे के साथ सिलेंडर लेने आई महिला।

चेन्नई में होटलों-रेस्तरां ने छुट्टी घोषित की

चेन्नई। चेन्नई और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में संचालित होटलों और रेस्तरां के एक वर्ग ने वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति न होने के कारण बुधवार को छुट्टी घोषित कर दी। सुबह-सुबह चाय-कॉफी के लिए पहुंचे ग्राहक होटलों के बंद होने पर निराश हो गए। शहर के एक लोकप्रिय होटल में बुधवार को लगे नोटिस में लिखा था, एलपीजी आपूर्ति न होने के कारण 11 मार्च 2026 को छुट्टी घोषित की गई है। वहां कॉफी पीने आए एक निवासी ने तियागराया नगर स्थित होटल में छुट्टी घोषित होने के बाद कहा, अगर वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति की यही स्थिति रही तो घरेलू एलपीजी आपूर्ति पर भी इसका असर पड़ सकता है।

पुडुचेरी के होटलों में शुरू हुआ लकड़ी का चूल्हा

पुडुचेरी। एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध नहीं होने के कारण पुडुचेरी में होटलों के बंद होने का खतरा पैदा हो गया है क्योंकि इस पर्यटन केंद्र में वैकल्पिक कदम हालात से निपटने में मददगार नहीं हो सकते। होटल्स एसोसिएशन के एक प्रवक्ता ने कहा कि अब असहाय स्थिति हो गई है। अधिकतर होटल ने या तो लकड़ी जलाकर खाना बनाना शुरू कर दिया है या कामकाज के घंटे कम कर दिए हैं और कुछ होटल इलेक्ट्रिक कुकर का इस्तेमाल कर रहे हैं।

रसोई गैस संकट पर संसद में चर्चा हो, प्रधानमंत्री जवाब दें: खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को कहा कि पश्चिम एशिया युद्ध और देश में रसोई गैस के कथित संकट को लेकर संसद में चर्चा कराई जानी चाहिए तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सदन में इस पर जवाब दें। उन्होंने यह भी कहा कि देश को सच जानने का अधिकार है। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मोदी सरकार के नकली सूत्र आधारित आश्वासन उसकी पूर्ण अक्षमता को उजागर करते हैं। पश्चिम एशिया में युद्ध के बारे में पूर्वानुमान था। फिर भी सरकार ने भारत की ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित करने के लिए कुछ नहीं किया। अब संकट गहराता जा रहा है और आम लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि ईंधन की कमी से कृषि और उर्वरक आपूर्ति प्रभावित होने से सबसे पहले किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है, रसोई गैस सिलेंडर का सीमित वितरण, गैस भरवाने के लिए लंबी कतारें, वाणिज्यिक सिलेंडर की भारी कमी और घरेलू सिलेंडर के लिए 25 दिन तक की प्रतीक्षा की स्थिति पैदा हो गई है।

ममता ने कहा- योजना बनाए बगैर केंद्र ने लगाए प्रतिबंध

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र सरकार को ऊर्जा आपूर्ति में मौजूदा व्यवधानों के मद्देनजर पाबंदी लगाने से पहले देश में एलपीजी, तेल और गैस के पर्याप्त भंडार सुनिश्चित करने चाहिए थे। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार को पहले एलपीजी, तेल और गैस के पर्याप्त भंडार सुनिश्चित करने चाहिए थे। उन्होंने स्थिति से निपटने के लिए उचित योजना बनाए बिना प्रतिबंध लगा दिए हैं। केंद्र ऊर्जा संकट को सुलझाने के बजाय राजनीति पर अधिक ध्यान दे रहा है।

एक करोड़ लोगों के बेरोजगार होने का खतरा : केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पूरे देश में एलपीजी गैस की भारी किल्लत है और इस वजह से एक करोड़ से ज्यादा लोगों के बेरोजगार होने का खतरा है। केजरीवाल ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश बहुत गंभीर संकट से गुजर रहा है। पूरे देश में एलपीजी गैस की भारी किल्लत हो गई है। हमारे देश में एलपीजी के उत्पादन में 50 फीसदी की कमी आ गई है। देश में एलपीजी का 60 फीसदी आयात होता है। इसमें 90 फीसदी एलपीजी स्टेट ऑफ हॉर्मुज से आती है जो भारत के लिए बंद कर दिया गया है। इस संकट का सबसे बड़ा खामियाजा रेस्टोरेंटों, होटलों को भुगतना पड़ रहा है।

विपक्ष अब ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए देगा नोटिस

लोकसभा के 120, राज्यसभा के 60 सदस्यों ने किए हस्ताक्षर, पक्षपात और भेदभाव का लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के बाद मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पक्षपात और भेदभाव करने सहित कई आरोपों को लेकर पद से हटाने का प्रस्ताव लाने संबंधी नोटिस के लिए विपक्ष ने आवश्यक हस्ताक्षर एकत्र किए हैं और अगले एक-दो दिन में संसद के दोनों सदनों में इसे पेश करने की तैयारी है।

एक वरिष्ठ सांसद ने बताया कि हस्ताक्षर एकत्र करने का काम पूरा कर लिया गया है और नोटिस बृहस्पतिवार को दिए जाने की संभावना है। विपक्ष के एक अन्य वरिष्ठ नेता ने कहा कि नोटिस बृहस्पतिवार या शुक्रवार को दोनों सदनों में दिया जा सकता है। सूत्रों ने बताया कि बुधवार शाम तक लगभग 120 सांसदों ने लोकसभा में दिए जाने वाले नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं और लगभग 60 सांसदों ने उच्च सदन में दिए जाने वाले नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। नियमों के मुताबिक, लोकसभा में कम से कम 100 सदस्यों के हस्ताक्षर वाला नोटिस और राज्यसभा में कम से कम 50 सदस्यों के हस्ताक्षर नोटिस देना होता है।

सूत्रों ने बताया कि नोटिस पर 'इंडिया' गठबंधन के सभी घटक दलों के सदस्यों ने हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी के सांसदों ने भी नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं, जबकि वह अब आधिकारिक तौर पर इस गठबंधन का हिस्सा नहीं है।

- इंडिया गठबंधन में शामिल न होने के बावजूद आप ने भी किए हस्ताक्षर

किसी सीईसी को हटाने के लिए पहली बार प्रस्ताव

यह पहली बार है जब मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पद से हटाने के लिए कोई नोटिस दिया जा रहा है। विपक्षी दलों ने कई मौकों पर सीईसी पर सत्तारूढ़ भाजपा की मदद करने का आरोप लगाया है। विपक्ष एसआईआर की कवायद को लेकर पिछले कुछ महीनों से उन पर लगातार निशाना साधता रहा है। विपक्ष का आरोप है कि एसआईआर का उद्देश्य भाजपा की मदद करना है। सीईसी को पद से हटाने का नोटिस संसद के किसी भी सदन में दिया जा सकता है और इसे अवश्य ही विशेष बहुमत से पारित किया जाना चाहिए, जो सदन की कुल सदस्यता का बहुमत और उपस्थित एवं मतदान में हिस्सा लेने वाले सदस्यों का दो-तिहाई बहुमत होना चाहिए।

अमेरिका में 300 अरब डॉलर की पहली रिफाइनरी में साझेदार होगी रिलायंस

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है उनके देश में पचास साल बाद बनने वाली 300 अरब डॉलर की पहली तेल रिफाइनरी में भारत की रिलायंस इंडस्ट्रीज समूह साझेदार होगी। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पेज ट्रुथ सोशल पर यह जानकारी दी है।

उन्होंने कहा, इस ज़बरदस्त निवेश के लिए भारत में हमारे साझेदार और उनकी सबसे बड़ी निजी ऊर्जा कंपनी, रिलायंस को धन्यवाद। ट्रंप ने कहा, अमेरिका असली ऊर्जा प्रभुत्व की ओर लौट रहा है, मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि अमेरिका फर्स्ट रिफाइनिंग, ब्राउन्सविले, टेक्सास में 50 साल में पहली नई अमरीकी तेल रिफाइनरी खोल रही है। यह एक ऐतिहासिक 300 अरब डॉलर की डील है, अमरीकी इतिहास की सबसे बड़ी, अमेरिकी लोगों, ऊर्जा और दक्षिण टेक्सास के लोगों के लिए एक बड़ी जीत।

उन्होंने कहा, यह हमारे अमेरिका फर्स्ट एजेंडा, परमिट को आसान बनाने और कर कम करने की वजह से है, हमारे देश में अरबों डॉलर की डील वापस आ रही हैं। उन्होंने कहा कि ब्राउन्सविले पोर्ट पर एक नई रिफाइनरी, अमरीकी बाजार को बढ़ावा देगी।

- ट्रंप ने कहा- अमेरिका फर्स्ट के एजेंडे के तहत ऐतिहासिक डील

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष — आज आपके काम अपेक्षाकृत तीव्र गति से पूर्ण होंगे। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। बच्चों की प्रगति से उत्साहित रहेंगे।

वृष — आज स्वास्थ्य कुछ नरम-गरम सा हो सकता है। सफलता प्राप्त करने हेतु शॉर्टकट अपना सकते हैं। कुछ लोग आपकी आलोचना करेंगे।

मिथुन — आज आप काफी नए विचारों के प्रभाव में रहेंगे। विवाह संबंधी चर्चाएं कर सकते हैं। बैंकिंग से जुड़े लोगों को प्रमोशन मिल सकता है।

कर्क — आज आपके काम की गुणवत्ता बढ़ेगी। नई विधाओं को सीखने का प्रयास करें। पुराने लंबित मामलों में जीत मिल सकती है।

सिंह — आज कारोबार में बड़ा लाभ अर्जित कर सकते हैं। अधिकारों में वृद्धि होगी। भविष्य को लेकर योजना बना सकते हैं।

कन्या — आज लेखन व मीडिया से जुड़े कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक तनाव में कमी आएगी। काम की बारीकियों में ध्यान देंगे।

तुला — आज व्यर्थ की गतिविधियों में समय बर्बाद न करें। आलस्य के कारण काम बिगड़ सकते हैं। शुगर के रोगी अपने खानपान पर ध्यान दें।

वृश्चिक — आज आपका स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहेगा। अपनी मेहनत और क्षमताओं पर विश्वास रखें। प्रेम विवाह को पारिवारिक सहमति मिल सकती है।

धनु — आज आपकी आय के स्रोत बढ़ सकते हैं। संतान की प्रगति से उत्साहित रहेंगे। आपके ऊपर काम का अत्यधिक दबाव रहेगा।

मकर — आज उधार लेन-देन से आपको बचना चाहिए। किसी से अधिक बहस न करें। अटका हुआ धन आपको मिल सकता है।

कुंभ — आज कार्यक्षेत्र में आपके लिए परिस्थितियां अनुकूल रहने वाली हैं। किसी समस्या का समाधान मिलेगा। दूसरों पर निर्भर न रहे।

मीन — आज नए व्यवसाय पर धन निवेश कर सकते हैं। अपने कर्म पर विश्वास रखें। आय और व्यय में संतुलन रहेगा।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

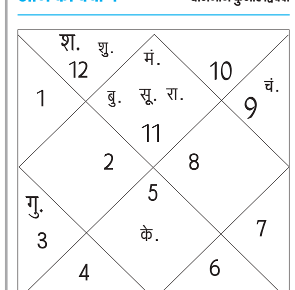

आज की ग्रह स्थिति : 12 मार्च, गुरुवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- चैत्र, पक्ष-कृष्ण पक्ष, नवमी पूर्ण रात्रि तक।

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल-मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- मूल 13 मार्च 00.43 तक तत्पश्चात पूर्वाषाढ़ा।

सुडोकू - 85 का हल

1	5	9	3	7	4	8	2	6
4	2	8	9	6	5	1	3	7
6	3	7	2	8	1	4	9	5
7	8	3	1	9	6	5	4	2
2	9	4	8	5	7	6	1	3
5	1	6	4	2	3	9	7	8
3	4	2	5	1	8	7	6	9
8	7	1	6	3	9	2	5	4
9	6	5	7	4	2	3	8	1

सुडोकू -86

		4				2		
1			8		5		3	
	9			3	4			
	2		9			6		
6		3						4
				6	1		2	
			7					6
	4		1		6			
		6				9		

उत्तर कोरिया ने किया क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण

प्योंगयांग, एजेंसी

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने देश के नए युद्धपोत से किए गए क्रूज मिसाइल परीक्षण का निरीक्षण किया। यह परीक्षण ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका और दक्षिण कोरिया से 11 दिन का संयुक्त सैन्य अभ्यास 'फ्रीडम शील्ड' शुरू किया है।

उत्तर कोरिया इस सैन्य अभ्यास का कड़ा विरोध कर रहा है। सरकारी मीडिया के अनुसार, मिसाइलों का प्रक्षेपण नए 5,000 टन वर्ग के ''चोए ह्योन'' विध्वंसक युद्धपोत से नाम्पो तट के पास किया गया, जहां जहाज के प्रदर्शन परीक्षण चल रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मिसाइलें करीब 2 घंटे 50 मिनट तक तय मार्ग पर उड़ती रहीं और कोरियाई प्रायद्वीप के पश्चिमी तट के पास पीले सागर के ऊपर से गुजरते हुए अपने निर्धारित लक्ष्यों को भेद दिया। समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार, किम जोंग उन ने अपनी किशोर बेटी के साथ एक गुप्त स्थान से वीडियो लिंक के जरिए इस परीक्षण को देखा।

क्रूज मिसाइलें पीले सागर के ऊपर निर्धारित उड़ान मार्ग से गुजरते हुए अपने तय लक्ष्यों पर सफलतापूर्वक पहुंचीं। एजेंसी के मुताबिक, उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने कहा कि देश की युद्ध प्रतिरोध क्षमता के विभिन्न घटकों को अब लगातार और तेज गति से एक अत्याधुनिक परिचालन प्रणाली में शामिल किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि देश की परमाणु ताकत अब बहुआयामी संचालन के नए चरण में प्रवेश कर चुकी है।

- अमेरिका-दक्षिण कोरिया संयुक्त सैन्य अभ्यास पर नाराजगी

बाल से 10 गुना पतला, स्टील से 10 गुना मजबूत फाइबर

बीजिंग। चीन ने घरेलू स्तर पर विकसित और बेहद शक्तिशाली टी1200 कार्बन फाइबर बना लिया है। इसका अंतरिक्ष और मानव रोबोट क्षेत्र में इस्तेमाल किया जाएगा।

इस फाइबर का व्यास मानव बाल के दसवें हिस्से से भी कम है, फिर भी इसकी मजबूती स्टील की तुलना में 10 गुना अधिक है और इसका घनत्व स्टील के घनत्व का एक-चौथाई है। हाई-टेक उद्योगों में इसे अपनाने की गति तेज होने की उम्मीद है। इसके निर्माता 'चीन नेशनल बिल्डिंग मटेरियल ग्रुप कंपनी लिमिटेड' के अनुसार, कंपनी इस केबल के सौ टन की वार्षिक उत्पादन की क्षमता हासिल कर ली है। इसके साथ ही चीन इस स्तर के फाइबर का इतने बड़े पैमाने पर उत्पादन करने वाला पहला देश बन गया है।

- चीन ने बेहद शक्तिशाली कार्बन फाइबर पेश किया

ऐतिहासिक फैसला | वर्ष 2013 में चौथी मंजिल से गिरकर घायल हुए थे 32 वर्षीय हर्ष, कोमा में हैं 12 साल से

देश में पहली बार निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने निष्क्रिय इच्छामृत्यु (पैसिव युथनेसिया) की पहली बार स्वीकृति देते हुए 32 वर्षीय उस व्यक्ति की कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली हटाने की बुधवार को अनुमति दे दी जो 12 साल से अधिक समय से कोमा में है। निष्क्रिय इच्छामृत्यु का अर्थ है कि नाजुक स्थिति वाले किसी मरीज को जीवित रखने वाली चिकित्सा सहायता को रोकने की अनुमति देना ताकि उसकी स्वाभाविक मौत हो सके।

इस फैसले के साथ ही कोर्ट ने केंद्र सरकार से निष्क्रिय इच्छामृत्यु पर एक व्यापक कानून बनाने पर विचार करने का आग्रह किया ताकि इससे उन मामलों में स्पष्टता मिलेगी जो बेहद व्यावहारिक और भावनात्मक रूप से संवेदनशील हैं। कोर्ट ने कहा कि कानून के अभाव के कारण, उसे हस्तक्षेप करने और दिशानिर्देश देने के लिए विवश होना पड़ा क्योंकि यह संस्थागत वरीयता का मामला नहीं बल्कि संवैधानिक आवश्यकता का मामला है, ताकि मौलिक अधिकारों की शुचिता, विशेष रूप से गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार की रक्षा की जा सके। गाजियाबाद निवासी हर्ष राणा 2013 में एक इमारत की चौथी मंजिल से गिरने के कारण सिर में चोट लगने से घायल हो गए थे और तभी से कोमा में हैं। दुर्घटना के वक्त हर्ष राणा पंजाब विश्वविद्यालय के छात्र थे।

एम्स को निर्देश, मृत्यु की गरिमा बरकरार रहे

न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को राणा को उपशामक देखभाल इकाई में भर्ती करने का निर्देश दिया ताकि चिकित्सकीय उपचार बंद किया जा सके। पीठ ने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि उपचार एक सुनियोजित तरीके से बंद किया जाए ताकि गरिमा बनी रहे। निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति देने वाला यह आदेश 2023 में संशोधित किए गए 2018 के उस फैसले के अनुरूप है जिसमें गरिमा के साथ मृत्यु के मौलिक अधिकार को मान्यता दी गई थी।

"मुझे फीफा ईरान की राष्ट्रीय टीम को अमेरिका आने और लगभग तीन महीने में शुरू होने वाले विश्व कप में खेलने की अनुमति देगा, भले ही दोनों देशों के बीच युद्ध जारी हो। विश्व कप 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा। ऐसे में ईरान को रोकना गलत होगा। - जियानी इन्फेंटिनो

स्टेडियम

बरेली, गुरुवार, 12 मार्च 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

2025 बीसीबी चुनावों की जांच के लिए कमेटी बनाई गई

ढाका, एजेंसी : नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल (एनएससी) ने बुधवार को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के 2025 के चुनाव में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियों के आरोपों की जांच के लिए पांच सदस्यों वाली एक इंडिपेंडेंट जांच कमेटी बनाई। एनएससी ने एक ऑफिशियल नोटिफिकेशन के जरिए इस फैसले की घोषणा तमीम इकबाल द्वारा पिछले साल के बीसीबी चुनावों की जांच के लिए एक रिव्यूट करने के कुछ दिनों बाद की, जिसमें दावा किया गया था कि राजधानी के 76 में से 50 क्लबों ने जांच की मांग का समर्थन किया था। र सालेह अकरम सम्राट हैं। कमेटी शिकायतों से जुड़े डॉक्यूमेंट और सबूत इकट्ठा करेगी और चुनाव प्रक्रिया में शामिल संबंधित लोगों और ऑर्गनाइजेशन से बयान लेगी। यह जांच करेगी कि क्या काउंसलर नॉमिनेशन प्रक्रिया बीसीबी संविधान और लागू कानूनों और नियमों के अनुसार की गई थी।

देवेंद्र फडणवीस ने सूर्यकुमार-शिवम दुबे को सम्मानित किया

मुंबई, एजेंसी : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप में भारत के रिकॉर्ड तीसरे टाइटल जीतने के बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव और ऑलराउंडर शिवम दुबे को सम्मानित किया। मुंबई क्रिकेट संघ के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक भी इस मौके पर मौजूद थे, जब मुंबई की इस जोड़ी को टाइटल जीतने वाले कैंपेन में उनके शानदार योगदान के लिए सम्मानित किया गया। भारत ने रत रविवार को अहमदाबाद में फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर तीसरी बार खिताब जीता था। शिवम दुबे के लिए मुंबई पहुंचना एक दिलचस्प घटना रही। हवाई यात्रा उपलब्ध न होने के कारण शिवम थ्री टियर एसी से सफर कर मुंबई पहुंचे।

ईरान की महिला फुटबॉल टीम की दो और सदस्यों को शरण

गोल्ड कोस्ट (ऑस्ट्रेलिया), एजेंसी : ऑस्ट्रेलिया के गृह मंत्री टोनी बर्क ने बुधवार को कहा कि ईरान की महिला फुटबॉल टीम की दो और सदस्यों को ऑस्ट्रेलिया में शरण दी गई है। बर्क ने कैनबरा में पत्रकारों को बताया कि ईरान की पांच खिलाड़ियों को पहले ही मानवीय आधार पर वीजा दिया गया था। अब इन महिला सदस्यों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। उन्होंने कहा कि टीम की जिन नयी दो सदस्यों को शरण दी गई है उनमें एक खिलाड़ी और एक सहयोगी स्टाफ की सदस्य है। इन दोनों ने उनकी टीम के अन्य सदस्यों को हवाई अड्डा ले जाने से पहले ही शरण मांगी थी। टीम के बाकी सदस्य सिडनी से ईरान जाने वाली उड़ान में मंगलवार देर रात सवार हुए। इस बीच टीम के होटल में काफी गहमागहमी रही। यहां बता दें कि ट्रंप ने कुछ दिन पहले आस्ट्रेलिया से ईरान की इच्छुक महिला खिलाड़ियों को शरण देने के लिए कहा था।

पहले 20 मैचों के लिए आईपीएल 2026 का कार्यक्रम घोषित, रिकॉर्ड 84 मैच होंगे

चैम्पियन आरसीबी व एसआरएच के बीच उद्घाटन मुकाबला

मुंबई, एजेंसी

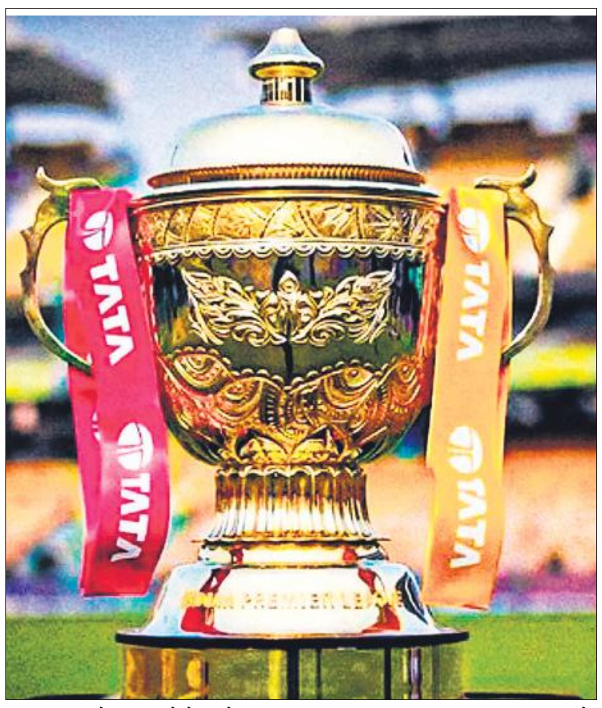

आईसीसी टी20 विश्व कप में तीसरी खिताबी जीत की खुमारी अभी टीम इंडिया के साथ-साथ भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के सिर चढ़ी हुई है, तभी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने दुनिया की सर्वाधिक लोकप्रिय क्रिकेट लीग यानी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का बुखार चढ़ा दिया। इस क्रम में आईपीएल के पहले 20 मैचों की घोषणा कर दी गई है। तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव के बाद पूरा कार्यक्रम घोषित किया जाएगा। कुल 84 मैच खेले जायेंगे।

शुरुआती 20 मैचों के शेड्यूल पर गौर करें तो मौजूदा चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की टीम 28 मार्च को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ पहले मैच से सीजन की शुरुआत करेगी। हालांकि, आरसीबी के सभी घरेलू मैचों के लिए विशेषज्ञ समिति से मंजूरी मिलना जरूरी है। आईपीएल 2025 के पंजाब किंग्स का पहला मैच 31 मार्च को मुल्लांपुर में गुजरात टाइटंस के खिलाफ होगा। पांच बार का पूर्व चैम्पियन मुंबई इंडियंस 29 मार्च, रविवार को वानखेड़े स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स से भिड़ेगा।

उल्लेखनीय है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण खिलाड़ियों की यात्रा के इंतजामों को लेकर बनी चिंताओं के बीच फिलहाल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के पहले चरण का कार्यक्रम घोषित किया है। पिछले सत्र में स्टेडियम में हुई भगदड़ को ध्यान में रखते हुए यह समिति 13 मार्च को बैठक में टूर्नामेंट की तैयारियों का आकलन करेगी। पूरे टूर्नामेंट का कार्यक्रम तब घोषित किया जाएगा जब तीन राज्यों तमिलनाडु, असम और पश्चिम बंगाल में होने वाले चुनावों की तारीख घोषित हो जाएगी। बीसीसीआई के अधिकारियों के दिमाग में राज्य चुनावों के अलावा पश्चिम एशिया में बढ़ता संघर्ष भी सबसे अहम होगा। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष का असर अंतर्राष्ट्रीय हवाई यात्रा पर पड़ा है जिससे प्रमुख हवाई अड्डों जैसे दोहा और दुबई में संचालन पर भारी प्रतिबंध लगने से कई उड़ानें प्रभावित हुई हैं। इसी कारण दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीम के कुछ खिलाड़ी टी20 विश्व कप समाप्त होने के एक सप्ताह बाद भी अपने देश नहीं लौट पाए हैं। अब यह देखना बाकी है कि इन दोनों देशों के खिलाड़ी आईपीएल टीमों से समय पर जुड़ पाते हैं या नहीं।

पहले 20 मैचों का शेड्यूल

- 28 मार्च : रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर बनाम सनराइजर्स हैदराबाद (बेंगलुरु)।
- 29 मार्च : मुंबई इंडियंस बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स (मुंबई)।
- 30 मार्च : राजस्थान रॉयल्स बनाम चेन्नई सुपर किंग्स (गुवाहाटी)।
- 31 मार्च (मंगलवार) : पंजाब किंग्स बनाम गुजरात टाइटंस (मुल्लांपुर)।
- 1 अप्रैल : लखनऊ सुपर जाएंट्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स (लखनऊ)।
- 2 अप्रैल (गुरुवार) : कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम सनराइजर्स हैदराबाद (कोलकाता)।
- 3 अप्रैल (शुक्रवार) : चेन्नई सुपर किंग्स बनाम पंजाब किंग्स (चेन्नई)।
- 4 अप्रैल (शनिवार) : दिल्ली कैपिटल्स बनाम मुंबई इंडियंस (दिल्ली)।
- 4 अप्रैल : गुजरात टाइटंस बनाम राजस्थान रॉयल्स (अहमदाबाद)।
- 5 अप्रैल : सनराइजर्स हैदराबाद बनाम लखनऊ सुपर जाएंट्स (हैदराबाद)।
- 5 अप्रैल : रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर बनाम चेन्नई सुपर किंग्स (बेंगलुरु)।
- 6 अप्रैल : कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम पंजाब किंग्स (कोलकाता)।
- 7 अप्रैल : राजस्थान रॉयल्स बनाम मुंबई इंडियंस (गुवाहाटी)।
- 8 अप्रैल (बुधवार) : दिल्ली कैपिटल्स बनाम गुजरात टाइटंस (दिल्ली)।
- 9 अप्रैल : कोलकाता नाइट राइडर्स बनाम लखनऊ सुपर जाएंट्स (कोलकाता)।
- 10 अप्रैल : राजस्थान रॉयल्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (गुवाहाटी)।
- 11 अप्रैल : पंजाब किंग्स बनाम सनराइजर्स हैदराबाद (मुल्लांपुर)।
- 11 अप्रैल : चेन्नई सुपर किंग्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स (चेन्नई)।
- 12 अप्रैल : लखनऊ सुपर जाएंट्स बनाम गुजरात टाइटंस (लखनऊ)।
- 12 अप्रैल (रविवार) : मुंबई इंडियंस बनाम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु (मुंबई)।

अभिषेक, किशन बल्लेबाजी में पहले दो स्थान पर पहुंचे

टी-20 रैंकिंग

- अफगानिस्तान के राशिद खान 753 अंकों के साथ विश्व के नंबर एक गेंदबाज बने

दुबई, एजेंसी

अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से क्रिकेट प्रेमियों को मंत्रमुग्ध करने वाले ईशान किशन ने टी20 विश्व कप में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर बुधवार को जारी की गई खेल के छोटे प्रारूप की अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है और वह शीर्ष पर काबिज अभिषेक शर्मा से केवल चार अंक पीछे हैं।

टी20 विश्व कप के फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ अर्धशतक लगाने वाले अभिषेक दुनिया के पहले नंबर के बल्लेबाज बने हुए हैं। उनके साथी बाएं हाथ के बल्लेबाज किशन टूर्नामेंट में 317 रन बनाने के बाद दो पायदान ऊपर दूसरे स्थान पर आ गए हैं। अब वह अभिषेक के सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी बन गए हैं। किशन (871 अंक) ने अपने करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग हासिल की और अब वह अभिषेक (875 अंक) से सिर्फ चार रेटिंग अंक पीछे हैं। न्यूजीलैंड के टिम सीफर्ट (चार पायदान ऊपर छठे स्थान पर) और इंग्लैंड के जैकब बेथेल (17 पायदान ऊपर 16वें स्थान पर) ने भी टी20 विश्व कप में कुछ शानदार पारियों के दम पर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिन एलन (सात पायदान की छलांग से 20वें स्थान पर) को भी फायदा हुआ जिन्होंने सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 33 गेंदों में शतक बनाकर पुरुष टी20 विश्व कप में अब तक के सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड तोड़ा। वहीं भारतीय सलामी बल्लेबाज और विकेटकीपर संजू सैमसन (18 पायदान की छलांग से 22वें स्थान पर) और शिवम दुबे (चार पायदान ऊपर 27वें स्थान पर) ने भी टूर्नामेंट में शानदार पारियों की बदौलत बल्लेबाजी रैंकिंग में काफी सुधार किया। गेंदबाजों की रैंकिंग में हालांकि बदलाव आया है। टी20 विश्व कप में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती पहले स्थान से हट गए हैं और उनकी जगह अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बन गए हैं। चक्रवर्ती के 740 रेटिंग अंक है और वह राशिद (753) के बाद दूसरे स्थान पर हैं। विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद जिन अन्य गेंदबाजों की रैंकिंग में सुधार हुआ है उनमें आदिल रशीद (एक पायदान ऊपर चौथे स्थान पर), जसप्रीत बुमराह (एक पायदान ऊपर छठे स्थान पर) और अक्षर पटेल (छह पायदान ऊपर 17वें स्थान पर) शामिल हैं। टी20 में ऑलराउंडरों की रैंकिंग में भी मुकाबला काफी कड़ा है। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा और भारत के स्टार खिलाड़ी हार्दिक पंड्या ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की और वे पहले दो स्थान पर काबिज हैं।

बायर्न म्यूनिख और एटलेटिको मैड्रिड की बड़ी जीत, लिवरपूल हारा, बार्सिलोना ने ड्रॉ खेला

पेरिस, एजेंसी

बायर्न म्यूनिख और एटलेटिको मैड्रिड ने बड़ी जीत हासिल करके चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए लेकिन लिवरपूल और बार्सिलोना को अब भी कड़ी मेहनत करनी होगी। बायर्न म्यूनिख ने अटलांटा को 6-1 से करारी शिकस्त दी, जबकि टीम के शीर्ष गोल स्कोरर हैरी केन इस मैच में नहीं खेल रहे थे। इस सत्र में अब तक 47 गोल करने वाले केन इस मैच में खेलने के लिए फिट नहीं थे। उनकी अनुपस्थिति में माइकल ओलिस ने दो गोल किए। सर्ज ग्नाब्री, निकोलस जैक्सन, जोसिप स्टैनिसिक और जमाल मुसियाला ने एक-एक गोल किया। दूसरी तरफ एटलेटिको मैड्रिड ने टॉटनहम को 5-2 से पराजित किया। टॉटनहम के कोच इगोर ट्यूडर ने पहले नंबर के गोलकीपर गुगिलएल्मो विकारियो को बाहर रखने का फैसला किया जो टीम को भारी पड़ा क्योंकि एटलेटिको ने 15 मिनट के भीतर ही 3-0 की बढ़त बना ली थी। लिवरपूल को गैलाटसराय ने 1-0 से हराया। उसे अब अगले सप्ताह एनफील्ड में होने वाले दूसरे चरण के मैच में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। बार्सिलोना की टीम भी जूझती हुई नजर आई। उसने खेल के अंतिम क्षणों में लामिन यामल के पेनल्टी पर किए गोल की मदद से न्यूकैसल के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला।

यानिक सिनर क्वार्टर फाइनल में

इंडियन वेल्स, एजेंसी: दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी यानिक सिनर ने उभरते ब्राजीलियाई स्टार जोआओ फोन्सेका की कड़ी चुनौती पर काबू पाते हुए रोमांचक मुकाबले में 7-6(6), 7-6(4) से जीत के साथ बीएनपी परीबा ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। सिनर ने शुरुआती सेट के टाई-ब्रेक में तीन सेट प्वाइंट बचाए और बाद में दूसरे सेट में 5-2 पर मैच बंद करने में नाकाम रहने के बाद वापसी की।

केर की हैट्रिक, न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे का किया सूपड़ा साफ

डुनेडिन, एजेंसी

अमेलिया केर (80 रन/पांच विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड की महिला टीम ने बुधवार को तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में जिम्बाब्वे को 200 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप किया। प्लेयर ऑफ द मैच अमेलिया केर ने हैट्रिक बनाई। केर ने यूनिवर्सिटी ओवल में जबरदस्त ऑल-राउंड प्रदर्शन किया, उन्होंने 80 रन बनाए जिससे न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 303/6 का बड़ा स्कोर बनाया। केर के अलावा मैडी ग्रीन ने 73 गेंदों में (94), ब्रूक हॉलीडे ने (40) रनों का योगदान दिया। जिम्बाब्वे के लिए क्रिस्टाबेल चैटोंजवा ने 48 रन देकर 2 विकेट लिए, जबकि टेंडाई मकुशा, एडेल जिमुनु और प्रेशियस मारेंज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

अमेलिया केर ने फिर गेंदबाजी करते हुए हैट्रिक लगाकर जिम्बाब्वे के पांच विकेट झटके। पिछले मैच में उन्होंने शानदार सात विकेट लिए थे। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने जिम्बाब्वे को 27.1 ओवर में 103 रनों पर समेट कर 200 रनों से यह मुकाबला अपने नाम किया। न्यूजीलैंड के लिए अमेलिया केर ने 3.1 ओवर में 22 रन देकर पांच विकेट लिये। रोजमेरी मैयर को दो विकेट मिले। जेस केर और ब्री इलिंग ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। कुल मिलाकर, केर महिला एकदिवसीय इतिहास में हैट्रिक लेने वाली 14वीं गेंदबाज बन गईं। इससे पहले इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की चार्ली डीन ने 2024 में दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ ऐसा किया था, और दक्षिण अफ्रीका की क्लो ट्रायोन ने 2025 में श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ यह कारनामा किया था।

ओसाका को परास्त कर आर्यना सबालेंका क्वार्टरफाइनल में

कैलिफोर्निया, एजेंसी

दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने नाओमी ओसाका को हराकर इंडियन वेल्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। 27 साल की बेलारूस की सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान की ओसाका को 80 मिनट चले मुकाबले में 6-2, 6-4 से हरा कर टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया। जुलाई 2023 में बेटी शाई के जन्म के बाद 14 महीनों के बाद वापसी कर रही ओसाका ने मैच की शुरुआत एक कॉन्फिडेंट ओपनिंग सर्विस गेम से की। हालांकि, सबालेंका ने जल्द ही अपनी रिदम पकड़ ली और 28 साल की जापानी खिलाड़ी की सर्विस तोड़कर 2-1 की बढ़त बना ली। बेलारूसी खिलाड़ी ने कई दमदार बैकहैंड मारकर अपनी पकड़ मजबूत की और 5-2 की बढ़त बना ली, फिर एक ऐस के साथ आराम से सेट जीत लिया। ओसाका और सबालेंका दोनों ने दूसरे सेट की शुरुआत में सर्विस बनाए रखी, फिर सबालेंका ने 4-2 से कंट्रोल हासिल किया और फिर एक अहम ब्रेक के साथ मैच जीत लिया। मैच के बाद सबालेंका ने कहा कि यह पागलपन है, इतने सालों में हमने सिर्फ एक बार खेला। मुझे पूरा यकीन है कि हम और भी कई मैच खेलेंगे। वह शानदार टेनिस खेलकर वापस आ रही है। मैं नतीजे से बहुत खुश हूं। पिछली बार से बहुत बेहतर। मुझे खुशी है कि मैंने आज उन पर इतना प्रेशर डाला, कि मैं कोर्ट में वैरायटी लेकर आई। मेरी सर्विस ने अच्छा काम किया। रिटर्न पर मैंने सच में बहुत अच्छा टेनिस खेला। ऑस्ट्रेलिया की टालिया गिब्सन ने इटली की दुनिया की नंबर सात जैस्मीन पाओलिनी को 7-5, 2-6, 6-1 से हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत हासिल की। 21 साल की गिब्सन, जो दुनिया में 112वें नंबर पर हैं और अपना पहला डब्ल्यूटीए 1000 मेन ड्रॉ खेल रही हैं, 11 साल में टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली क्वालिफायर भी बनीं।

मन की बात

भारतीय कप्तान ने कई खिलाड़ियों के साथ इमोशनल बातचीत के बारे में भी चर्चा की

टीम भावना ने पर्दे के पीछे निभाई अहम भूमिका : सूर्यकुमार

- कई खिलाड़ियों की कहानियां काफी प्रेरणा देने वाली रहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के विजयी अभियान को आकार देने में मदद करने वाली निजी बातचीत और पलों पर बात करते हुए, भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि विश्वास, भरोसा और मजबूत टीम भावना ने पर्दे के पीछे अहम भूमिका निभाई। सूर्य ने टीम के कई खिलाड़ियों, जिनमें ईशान किशन और संजू सैमसन शामिल हैं, के साथ इमोशनल बातचीत के बारे में बात की, और बताया कि कैसे निजी भूमिकाओं से ऊपर टीम को प्राथमिकता देने की उनकी इच्छा ने भारत के सफल वर्ल्ड कप सफर को तय किया। हमारी वर्ल्ड कप टीम के कुछ खिलाड़ियों की कहानियाँ बहुत प्रेरणा देने वाली और इमोशनल रहीं हैं। अगर आप सिराज की बात करें, तो मैंने उन्हें टूर्नामेंट से कुछ दिन पहले फ़ोन किया था। वह अपने दोस्तों के साथ बैठे थे, कैप पहने हुए थे और खाना खा रहे थे। मैंने उनसे कहा कि हर्षित राणा घायल हैं, आपको टीम में शामिल होना होगा। उन्होंने कहा कि सूर्य भाई, क्या आप मजाक कर रहे हैं? यह उनका पहला रिएक्शन था। फिर मैंने हमारी सिलेक्शन मीटिंग से ठीक पहले इशान किशन को कॉल किया। मैंने उनसे कहा कि छोटू, क्या तुम हमें वर्ल्ड कप जिताने में मदद करोगे। उन्होंने कहा कि सूर्य भैया, बस मुझ पर भरोसा करो और मुझ पर भरोसा रखो। जिस तरह से इशान ने अपनी बात पर अमल किया है, वह एक प्यारी कहानी है।

संजू सैमसन ने टूर्नामेंट शुरू नहीं किया था। वह बीच में आए और एक बात कही कि अब बस मुझे बताओ कि मैं टीम के लिए क्या कर सकता हूं। यही सबसे बड़ा आशीर्वाद है। स्काई ने जियोस्टार पर कहा कि ऐसे खिलाड़ी, नंबर 1 से 15 तक, हर किसी की एक अलग कहानी होती है। और जसप्रीत बुमराह, मैंने उन्हें नेशनल ट्रेजर कहा है। वह हर दिन यही काम करते हैं। बुमराह जानते हैं कि वह इस फील्ड में बेस्ट हैं। लेकिन फिर भी, वह किसी भी तरह की लापरवाही को अंदर नहीं आने देते। मुझे लगता है कि इससे उनका कैरेक्टर दिखता है। उन्होंने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में वर्ल्ड कप जीतने के इमोशनल महत्व के बारे में भी बात की, वही जगह जहां से उनके इंटरनेशनल करियर की शुरुआत हुई थी। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टी20 वर्ल्ड कप जीतना बहुत खास एहसास है। इंटरनेशनल क्रिकेट में मेरा सफर 2021 में यहीं से शुरू हुआ था। जैसे ही यह शुरू हुआ, वहां से बहुत मज़ा आया। फिर 2026 में यहां आना और भारत के लिए एक लीडर के तौर पर टी20 वर्ल्ड कप जीतना बहुत खास एहसास है। उसी स्टेडियम में होना अच्छा लगता है जिसके बारे में इतने सारे लोग बात कर रहे थे। यहां जीतना पूरी टीम के लिए बहुत खास था।

जिन्हें मौका नहीं मिलता, उनकी फिक्र होती है

भारतीय कप्तान ने वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम की कप्तानी करने की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक पर भी जोर दिया- पूरे टूर्नामेंट के दौरान प्लेइंग इलेवन के बाहर के खिलाड़ियों को मोटिवेटेड और मेंटली तैयार रखना। इस टी20 वर्ल्ड कप कैंपेन में, मेरे लिए सबसे मुश्किल काम उन प्लेयर्स को संभालना था जिन्हें प्लेइंग इलेवन में खेलने के ज़्यादा मौके नहीं मिलते। जिन्हें मौके नहीं मिलते, या बहुत कम मिलते हैं, मुझे हमेशा लगता था कि मुझे उनके साथ ज़्यादा समय बिताना चाहिए। जो खेलते रहते हैं वे ऑटोपायलट मोड में होते हैं। उन्हें पता होता है कि क्या करना है। लेकिन जो कभी भी खेल सकते हैं लेकिन हर गेम में नहीं खेल पाते, उनके लिए रिवर्स ऑन और रिवर्स ऑफ करना मुश्किल होता है। इसलिए उनके साथ समय बिताना और लगातार बातें करना बहुत जरूरी था।

बाबर पाकिस्तान की राष्ट्रीय टी20 चैंपियनशिप से हटे

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज बाबर आजम ने 26 मार्च से शुरू होने वाली पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से पहले अपनी बल्लेबाजी की तकनीकी खामियों को दूर करने के लिए राष्ट्रीय टी20 चैंपियनशिप से नाम वापस ले लिया है। टी20 विश्व कप में खराब प्रदर्शन के बाद बांग्लादेश के खिलाफ उसकी सरजमीं पर होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला की टीम से बाहर किए गए बाबर का नाम पेशावर में चल रही राष्ट्रीय टी20 चैंपियनशिप के लिए लाहौर व्हाइट्स टीम में शामिल किया गया था।

वह घरेलू प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लेंगे और इसके बजाय अपनी बल्लेबाजी पर कुछ कोच के साथ काम कर रहे हैं।

अफगानिस्तान-श्रीलंका के बीच सीरीज स्थगित

- सैन्य विवाद के कारण फैसला लिया गया
- दोनों टीमों के बीच सीरीज 13 मार्च से शुरू होनी थी

काबुल, एजेंसी

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों ने मंगलवार को कन्फर्म किया कि उन्होंने मिडिल ईस्ट में अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच चल रहे सैन्य विवाद की वजह से श्रीलंका के खिलाफ अपनी आने वाली सीरीज, जो यूनाइटेड अरब अमीरात में होनी थी, स्थगित कर दी है। दोनों टीमों को 13 से 25 मार्च तक तीन वनडे और इतने ही टी20 खेलने थे। एसीबी के चीफ़ एग्ज़ीक्यूटिव नसीब खान ने मंगलवार को क्रिकबज को बताया कि हां श्रीलंका के खिलाफ़ व्हाइट-बॉल सीरीज़ स्थगित कर दी गई है।

उन्होंने कहा कि फ्लाइट्स, लॉजिस्टिक्स और इलाके की स्थिति को लेकर कुछ दिक्कतें थीं। हमने इन मैचों को श्रीलंका में कराने के लिए दूसरा ऑप्शन भी देखा और श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के लगातार संपर्क में रहे। हालांकि, उस समय यूएई से श्रीलंका के लिए कोई फ्लाइट उपलब्ध नहीं थी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, इतने कम समय में ब्रॉडकास्ट प्रोडक्शन, होटल, ग्राउंड बुकिंग और सिक्योरिटी का इंतजाम करना काफी मुश्किल था। इसलिए, हमने आखिरकार इसे टालने का फैसला किया।

उन्होंने आगे कहा कि यह (सीरीज) इस साल के आखिरी क्वार्टर में खेली जाएगी। इस टी20 सीरीज से उम्मीद थी कि यह सबसे छोटे फॉर्मेट में इब्राहिम जदरान की कप्तानी के दौर की शुरुआत होगी, क्योंकि उन्हें हाल ही में राशिद खान की जगह टी20 कप्तान बनाया गया था।